



देशबन्धु

बिलासपुर, शनिवार, 5 अगस्त 2023 | वर्ष - 33 | अंक - 97 | पृष्ठ - 121 | मूल्य - 4.00 ₹



राहुल के खिलाफ बड़ी साजिश
हुई नाकाम : कांग्रेस

पृष्ठ 3

अनिमत

सही आंकड़े छुपा कर विकास के झूठे दावे

पृष्ठ 4

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली 9 अगस्त को भंग होगी : शहबाज
मुझे सेना ने बंधक बनाया : नाइजर के राष्ट्रपति

पृष्ठ 9

17 साल के गृहयुद्ध ने लाइव
रेटिंग में आन्द को पछाड़

पृष्ठ 10

मानहानि मामले में राहुल को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल की सजा पर रोक लगाई

सर्वोच्च अदालत ने कांग्रेस नेता को अधिकतम सजा सुनाए जाने पर भी सवाल उठाया

■ कांग्रेस नेता की बहाल होगी संसद सदस्यता
■ लोकसभा अध्यक्ष से मिले अधीर रंजन चौधरी

विध्वंसवासीनी त्रिपाठी

नई दिल्ली, 4 अगस्त (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए शुक्रवार का दिन राहत भरा रहा। सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरकार के मामले में गुजरात के सूरत की निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उनकी दो साल की सजा पर रोक लगा दी। शीर्ष अदालत ने कहा है कि जब तक याचिका पर सुनवाई पूरी नहीं हो जाती है, दोषसिद्धि पर रोक लगी रहेगी। अदालत ने कांग्रेस नेता को अधिकतम सजा सुनाए जाने पर भी सवाल उठाया इस फैसले के बाद अब राहुल को लोकसभा की सदस्यता बहाल होने का रास्ता साफ हो गया है।

न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति पी वी संजय कुमार की शीर्ष अदालत की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलों सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया। पीठ की अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि निचली अदालत ने (राहुल गांधी को) अपराधिक मानहानि की सजा के तौर पर भारतीय दंड संहिता के तहत निर्धारित अधिकतम दो सालों की सजा देने के पीछे कोई विशेष वजह नहीं बताई। सुप्रीम कोर्ट

लोकन उन्के (उच्च न्यायालय के) आदेशों में इन पहलुओं (अधिकतम सजा देने के कारणों) पर विचार नहीं किया गया है।
वायनाड लोकसभा क्षेत्र से बने थे सांसद
राहुल गांधी केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र से सांसद थे। सूरत कोर्ट द्वारा दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई थी। लेकिन वहां अभी तक चुनाव नहीं कराए गए थे। लिहाजा सुप्रीम कोर्ट के आज के फैसले से राहुल गांधी के लिए लोकसभा के दरवाजे कानूनी तौर पर खुल गए हैं। अब उन्हें लोकसभा

सचिवालय का रुख करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देकर अपनी सदस्यता बहाल करने के लिए प्रतिवेदन करना होगा। फिर लोकसभा सचिवालय के अधिकारी फैसले का अध्ययन करेंगे और इसके बाद उनकी सदस्यता बहाल कर दी जाएगी। हालांकि ऐसे मामले में सदस्यता



निचली अदालत ने अपराधिक मानहानि की सजा के तौर पर भारतीय दंड संहिता के तहत निर्धारित अधिकतम दो सालों की सजा देने के पीछे कोई विशेष वजह नहीं बताई। सुप्रीम कोर्ट

लोकन उन्के (उच्च न्यायालय के) आदेशों में इन पहलुओं (अधिकतम सजा देने के कारणों) पर विचार नहीं किया गया है।

वायनाड लोकसभा क्षेत्र से बने थे सांसद

राहुल गांधी केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र से सांसद थे। सूरत कोर्ट द्वारा दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई थी। लेकिन वहां अभी तक चुनाव नहीं कराए गए थे। लिहाजा सुप्रीम कोर्ट के आज के फैसले से राहुल गांधी के लिए लोकसभा के दरवाजे कानूनी तौर पर खुल गए हैं। अब उन्हें लोकसभा

सचिवालय का रुख करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देकर अपनी सदस्यता बहाल करने के लिए प्रतिवेदन करना होगा। फिर लोकसभा सचिवालय के अधिकारी फैसले का अध्ययन करेंगे और इसके बाद उनकी सदस्यता बहाल कर दी जाएगी। हालांकि ऐसे मामले में सदस्यता

राहुल गांधी ने दी बड़ी सधी हुई प्रतिक्रिया

आज नहीं तो कल
सच्चाई की जीत होती है

मोदी सर नेर वाले मामले में सूरत की अदालत द्वारा सुनाई गई दो साल की सजा में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद राहुल गांधी ने बड़ी सधी हुई प्रतिक्रिया दी। कहा, आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों सच्चाई की जीत तो होती ही है। चाहे जो हो उनका रास्ता साफ है। उन्हें क्या करना है, उनका क्या काम है, उसे लेकर दिमाग स्पष्ट है। जिन लोगों ने उनकी मदद की और जनता ने जो प्यार व सहयोग दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद!

भारत की जनता की जीत है: खड़गो

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गो ने कहा कि सारे लोग खुश हैं। मैं सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करता हूँ। अभी संविधान जिंदा है। न्याय मिल सकता है। सिर्फ राहुल गांधी की जीत नहीं है, भारत की जनता और डेमोक्रेसी की जीत है। इससे बहुत बड़ा फायदा देश को हुआ है। राहुल गांधी को हटाने के लिए 24 घंटे में सब कुछ हुआ। अब देखना है कि उनकी दोबारा सांसदी कब बहाल होती है।

सचिवालय का रुख करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देकर अपनी सदस्यता बहाल करने के लिए प्रतिवेदन करना होगा। फिर लोकसभा सचिवालय के अधिकारी फैसले का अध्ययन करेंगे और इसके बाद उनकी सदस्यता बहाल कर दी जाएगी। हालांकि ऐसे मामले में सदस्यता

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत
इंडिया की हुई जीत : भूपेश बघेल

रायपुर। राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर कहा, अंधकार चाहे भारी हो और समंदर पार हो, सदा उजाला विजित हुआ है, अगर सत्य आधार हो इन्होंने कहा, राहुल गांधी की सजा पर रोक का सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का भारत स्वागत करता है। सत्यमेव जयते! यह इंडिया की जीत है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भी ट्वीट कर कहा, सत्यमेव जयते नानुत्स सत्येन पन्था विततो देवयानः। सत्य ही जीतता है, असत्य कभी नहीं। सत्य पर चलने वाले के साथ देवीय शक्तियां साथ चलती हैं।

बहाल करने की कोई समय-सीमा तय नहीं है। बावजूद माना जा रहा है कि अगले साल लोकसभा चुनाव हैं। इसलिए उनकी सदस्यता जल्द ही बहाल हो सकती है।

सदस्यता तुरंत बहाल करने की मांग

शीर्ष अदालत के फैसले के तुरंत बाद लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भेंट की और उनसे राहुल की सदस्यता तुरंत बहाल करने की मांग की। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोकसभा अध्यक्ष जल्द ही इस मामले में फैसला ले लेंगे।

वायनाड में भी माना गया जयजय

तिरुवनंतपुरम। सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मानहानि मामले में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी, इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को वायनाड में जयजय जयजय का नारा लगाया। वायनाड में कुछ स्थानों पर कांग्रेस समर्थक अपनी खुशी व्यक्त करते हुए सड़कों पर उतर आए और केरल प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने पार्टी की सभी 14 जिला इकाइयों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जयजय मनाने के लिए कहा।

सार संक्षेप

मुख्यमंत्री ने शहीद महेंद्र कर्मा को जयंती पर किया याद

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व मंत्री और लोकप्रिय नेता स्वर्गीय महेंद्र कर्मा की 5 अगस्त को जयंती पर उन्हें नमन किया है। बघेल ने उन्हें याद करते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में विपक्ष के नेता और मंत्री के रूप में महेंद्र कर्मा जी ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली और छत्तीसगढ़ के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया।

जस्टिस जयंत नाथ डीईआरसी के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति जयंत नाथ को शुक्रवार को दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया।

'इंडिया' के नेताओं की बैठक में मणिपुर पर फिर मांगा मोदी का बयान

नई दिल्ली। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्यूसिव एलायंस यानि इंडिया पार्टी के नेताओं ने शुक्रवार को संसद में बैठक की और एक बार फिर मणिपुर हिंसा पर दोनों सदनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की मांग पर जोर देने का फैसला किया। 'इंडिया' नेताओं की बैठक राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गो के कक्ष में हुई। बैठक के दौरान संसद में प्रधानमंत्री के बयान की मांग करने का निर्णय लिया गया।

बॉम्बे हाई कोर्ट के जज ने अदालत में दिया इस्तीफा

नागपुर। एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में, बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ के जज जस्टिस रोहित वी. देव ने शुक्रवार दोपहर यहां खुली अदालत में अपना इस्तीफा दे दिया। पद छोड़ने के अपने फैसले की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने आत्मसम्मान के खिलाफ काम नहीं कर सकते। उस वक्त वो जस्टिस एम. डब्ल्यू. चंदवानी के साथ एक खंडपीठ का नेतृत्व कर रहे थे।

भिलाई में खुलेगी आधुनिक लाइब्रेरी : मुख्यमंत्री

भिलाईनगर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। संभाग स्तरीय युवाओं से भेंट मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भिलाई की बहुप्रतिक्षित इंडोर स्टेडियम व तक्षशीला परिसर की घोषणा करके भिलाई के युवाओं को बड़ी सौगात दी है।

स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी में सेंटर आफ एक्सिलेंस की स्थापना की जाएगी। 15 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस संस्थान में स्टार्टअप यूनिट्स के लिए जगह भी होगी और लैब भी होगा। मुख्यमंत्री बघेल ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि युवाओं के बौद्धिक विकास एवं खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने रायपुर के नालंदा परिसर



की तर्ज पर भिलाई में बच्चों के लिए तक्षशीला परिसर का निर्माण किया जायेगा। परिसर में ई-लाइब्रेरी एवं कला सृजन को बढ़ावा देने के अवसर बच्चों को प्राप्त होगा। एक हजार बच्चों के बैठने की क्षमता वाले तक्षशीला भवन का निर्माण जी.ई.रोड के किनारे किया जावेगा। 21 करोड़ की लागत से बनने वाले इस भवन में हर एक बच्चे के लिए पार्टिशन कक्ष होगा। जहाँ बच्चे अपनी रूची का लाइब्रेरी से पुस्तक प्राप्त कर अध्ययन करेंगे एवं ई-लाइब्रेरी

माध्यम से विश्व स्तर के लेखकों के पुस्तक पढ़ने का अवसर बच्चों को मिलेगा। महापौर नीरज पाल ने मुख्यमंत्री का आभार मानते हुए बताया कि भिलाई में सुसज्जित एक बहुप्रतिक्षित इंडोर स्टेडियम की मांग की जा रही थी, जिसकी सौगात मुख्यमंत्री ने आज भिलाई को प्रदान की है। इस स्टेडियम के बन जाने से भिलाई के खिलाड़ियों को सुविधा संपन्न स्टेडियम मिलेगा। जहाँ खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को और निखार सकेंगे। महापौर श्री पाल ने अपने परिषद के सभी सदस्यों व पार्षदों की ओर से छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का दो महत्वपूर्ण घोषणा के लिए आभार व्यक्त किया है।

मस्जिद प्रबंधन की याचिका खारिज
ज्ञानवापी सर्वेक्षण पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को वाराणसी के विवादित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने के जिला अदालत के आदेश पर रोक लगाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ सर्वेक्षण करने के जिला अदालत के 20 जुलाई के आदेश के फैसले पर मुहर लगाने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति वाराणसी की याचिका खारिज करते हुए सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले में हस्तक्षेप करने का उन्हें कोई कारण नहीं आता। शीर्ष अदालत के समक्ष दायर अपनी विशेष अनुमति याचिका में अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति वाराणसी ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रीतिकर दिवाकर की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा तीन अगस्त को पारित आदेश पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी। पीठ ने उच्च न्यायालय के फैसले के कुछ घंटे बाद दायर की गई विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई के लिए सहर्मात व्यक्त की थी।

कोयला घोटाला मामले में रानू साहू निलंबित

रायपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। कोल लेवी घोटाला कस में गिरफ्तार आईएएस रानू साहू को राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया है। ईडी ने छत्तीसगढ़ में 540 करोड़ रुपए के कोयला घोटाले का पर्दाफास किया है। मामले में ईडी ने कई कारोबारियों और नौकरशाहों पर भी शिकंजा कसा है। ईडी ने मामले में आईएएस रानू साहू को भी गिरफ्तार किया है, बताया गया कि कोयले से जुड़ी लेवी का सारा कारोबार कोयला से संचालित हो रहा था, जब रानू साहू कोयला कलेक्टर थी।

इस दौरान मामले में आरोपियों से कमीशन में मिली राशि से आईएएस

रानू साहू द्वारा खरीदी गई 5.52 करोड़ रुपए की संपत्ति को अटैच किया है। रानू साहू साल 2010 बैच की छत्तीसगढ़ केडर की आईएएस। बतौर कोयला कलेक्टर उनका एक साल का कार्यकाल सबसे ज्यादा विवादित रहा। इस दौरान स्थानीय विधायक और राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। इसके बाद उनका तबादला रायगढ़ किया गया था। रानू साहू के घर पर ईडी की पहले छापेमारी रायगढ़ कलेक्टर रहते की गई थी। ईडी ने रानू साहू के रायपुर निवास पर दोबारा छापा 21 जुलाई को मारा था, जिसके बाद पूछताछ के लिए बुलाने के >> शेष पृष्ठ 2 पर >>

छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्य
न्यायाधीश शशाक का
इम्फाल में निधन

रायपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायमूर्ति डब्ल्यू शशाक 3 अगस्त को 82 वर्ष की उम्र में इम्फाल में हुए। इनकी प्रथम नियुक्ति न्यायाधीश के रूप में 2 जनवरी 1989 को गोहाटी उच्च न्यायालय के कोहिमा बैच में हुई इसके बाद 4 दिसम्बर 2000 को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में प्रथम मुख्य न्यायाधिपति के रूप में नियुक्ति हुई। उनके दुखद निधन पर आज उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा, न्यायाधिपतिगण, अतिरिक्त महाधिवक्ता राधेन्द्र प्रधान, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक परिषद के प्रतिनिधि प्रफुल्ल एन, भारत, इन्डो सॉलिसिटर जनरल रमाकान्त मिश्रा, हाईकोर्ट अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अब्दुल वहाब खान, अधिवक्तागण और रजिस्टर जनरल सहित रजिस्ट्री के समस्त अधिकारीगणों की संयुक्त उपस्थिति में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

प्रदेश में बांधों का बढ़ा जलस्तर, खोले गए गेट

रायपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश से राज्य के 12 बड़े प्रमुख जलाशय में 78.51 और 34 मध्यम जलाशय में 77.86 प्रतिशत जल भराव हो चुका है। इस तरह राज्य के बड़े और मध्यम जलाशयों में कुल 6360.23 मिलीयन क्यूबिक मीटर के विरुद्ध 4986.93 मिलीयन क्यूबिक मीटर जल भराव हो चुका है। जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक बड़े जलाशयों में शामिल मुंगेली जिले के मनियारी जलाशय में शत प्रतिशत जल भराव हो चुका है।



इसी तरह कोरबा जिले के मिनीमाता-बांगो, बालोद के तांदुला, कांकेर के दुधावा, बिलासपुर के खारंग और गरियाबंद के सिकासेर में 80 प्रतिशत से अधिक का जलभराव हो चुका है। धमतीरी के रविशंकर जलाशय (गंगरेल) में 75.20 प्रतिशत जल भराव हो चुका है। कैचमेंट एरिया से लगातार पानी की आवक होने के कारण कुछ बांधों से पानी भी छोड़ा जा रहा है। जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक मध्यम जलाशय में शामिल बालोद के खरखरा, कबीरधाम के >> शेष पृष्ठ 2 पर >>

विशेष समादकीय

राहुल गांधी की सजा पर रोक
लोकतंत्र के सूखते पौधे पर
सुप्रीम कोर्ट की राहत की बौछार

डॉ. दीपक पाचपोर
'मोदी' सरनेम पर की गयी टिप्पणी को लेकर अवमानना का मुकदमा झेल रहे राहुल गांधी को निचली अदालत से मिली सजा को रोककर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जो राहत दी है उसे देश के लोकतंत्र के पक्ष में एक बड़ा फैसला माना जा रहा है। तीन सदस्यीय न्यायाधीशों द्वारा दिये गये इस फैसले से न केवल भारत की राजनैतिक तस्वीर बदल सकती है वरन इससे मुरझाते हुए भारतीय लोकतंत्र के फिर से जीवित होने की उम्मीद भी लगाई जा सकती है।

2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक सभा में की गयी टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ गुजरात में मोदी समुदाय की अवमानना का मामला दर्ज कर दिया गया था। उस राज्य के एक भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता प्रोफेसर मोदी ने यह कहकर मामला दर्ज किया था कि इससे मोदी सरनेम वाले लोग आहत हुए हैं क्योंकि उनका अपमान हुआ है। यह मामला कुछ समय तो निचली अदालत में दबा पड़ा था परन्तु जब राहुल ने मोदी के साथ उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी से संबंधों और उन्हें ही राह जी मदद को लेकर लोकसभा में सवाल उठाए तो पूर्ण सजा मोदी ने उस मामले की फिर से सुनवाई करने का आवेदन जाल दिया जिसे उन्होंने खुद ही हाईकोर्ट से कहकर टाल रखा था।

गुजरात के ट्रायल कोर्ट ने आनन-फानन में राहुल के खिलाफ सुनवाई कर उन्हें अधिकतम दो साल की सजा सुना दी। तत्पश्चात उच्च न्यायालय ने भी बड़ी तेजी से इस निर्णय पर मुहर लगा दी। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने भी उतनी ही फुर्ती से कांग्रेस नेता को सांसदी और लगे हाथ बंगला छीन लिया था। यह दौरग बात है कि राहुल का मोदी सरकार के खिलाफ आक्रमण न ठहरा और न ही कमजोर पड़ा। फिर भी देश के उन लोगों में महान निराशा थी जो यह देख रहे हैं कि किस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्षी दलों के खिलाफ राजनैतिक लड़ाई न लड़कर केन्द्रीय जांच एजेंसियों के जरिये प्रतिपक्ष को तंग कर रहे हैं।

पिछले साल कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' निकालकर राहुल ने जबर्दस्त जन समर्थन बटोरा जिसने उनकी छवि को पूरी तरह से बदलकर रख दिया। इसने कांग्रेस को नवजीवन प्रदान किया। मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने आसन्न खतरे को भांप लिया था। इसी के चलते उन पर तथा तमाम विपक्षी नेताओं के खिलाफ मोदी-भाजपा के हमले तेज तो हुए परन्तु वे संसदीय गरिमा को तार-तार करते चले गये। इससे भी बेखोफ राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस न केवल मजबूत होती चली गयी वरन अपने साथ देश की 25 अन्य महत्वपूर्ण राजनैतिक पार्टियों को जोड़कर मोदी के खिलाफ बन्दी चुनौती पेश कर दी। इस बीच हिमाचल प्रदेश एवं कर्नाटक के विधानसभा चुनावों में बड़ी जीतें दर्ज कर मोदी की मुश्किलें इस मायने में बढ़ गयीं कि उनकी अपनी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र को भी मानना पड़ा कि अब मोदी के चेहरे और हिन्दुत्व के मुद्दे पर आला (लोकसभा-2024) चुनाव नहीं लड़ा जा सकता।

मोदी की गिरती छवि को राहुल के पक्ष में आया यह फैसला और भी गिराएगा और कोई बड़ी बात नहीं कि अब उनकी अपनी पार्टी में यह बात उठे कि अब कोई नया चेहरा ढूँढ़ने का वक्त आ गया है। हालांकि यह भी डर है कि सामाजिक ध्वंसकारण के लिये वे कोई भी कदम उठा सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके खिलाफ बना विपक्षी गठबन्धन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्यूसिव एलायंस) और भी संगठित होगा। राहुल को मिली कानूनी जीत कांग्रेस को अतिरिक्त प्रेरणा देगी जिसकी छतरी तले सारे विपक्षी दल और भी संगठित होकर काम करेंगे। विपक्ष की सामूहिक लड़ाई को इस फैसले से बल ही मिलेगा।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब मणिपुर की हिंसा को रोकने में केन्द्र की नाकामी के मुद्दे पर प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। इस पर संक्षिप्त चर्चा हो या विस्तृत - इसे लेकर संसद के दोनों सदन ठप हैं। अब तक अदालती फैसले के कारण संसद से बाहर कर दिये गये राहुल को सदन में वापसी सत्ता पक्ष के लिये एक और सिरदर्दी साबित होगी। पिछली बार मोदी की अदानी के विमान में उनके साथ की तस्वीर ने वैसे भी पहले से मोदी व भाजपा को अड़चन में डाले थे। अब राहुल उस सवाल के साथ ही मणिपुर व हरियाणा के मेवात (नूह) की हिंसा पर अतिरिक्त प्रश्न लेकर लौटेंगे। यह फैसला केवल राहुल के लिये व्यक्तिगत राहत लेकर नहीं आया है वरन उन तमाम लोगों के मन में भी यह आशा की किरण जगाने वाला निर्णय है जो देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था के ध्वस्त होने से मायूस हैं। पिछले करीब 9 वर्षों से मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार से तमाम जनतांत्रिक मूल्यों को दरकिनार कर सतत निरंकुशता की ओर यह सरकार बढ़ती चली जा रही है, वह दुर्भाग्यजनक है। एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और समावेशी समाज को रोदंकर भाजपा व उसकी विचारधारा ने जिस कट्टर, अतिवादी, अराजक और अवैज्ञानिक समाज की संरचना की है, राहुल उसके खिलाफ एक प्रतिनिधि आवाज बनकर उभरे हैं। ऐसे वक्त में जब मोदी अनियंत्रित राजकाज चलाने के लिये विपक्ष मुक्त भारत बनाने पर आमादा हैं, राहुल बेखोफ इने प्रवृत्ति व ताकत के खिलाफ न केवल लड़ रहे हैं बल्कि लोगों से भी कह रहे हैं - 'डरो मत'!

इसलिये भारत राहुल की जीत में लोकतंत्र के पुनर्जीवित होने की उम्मीद देख रहा है। तमाम संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर देने वाले इस दौर में शीर्ष कोर्ट का सत्ता के खिलाफ न्यायदान करना इसलिये भी आशा का नया उजाला फैलाएगा कि कोई तो है जो उनके अधिकारों को रक्षा के लिये नागरिकों के साथ है। इस फैसले की गुंज दूर तक सुनाई देगी।

प्रदेश में अब तक 602.5 मिमी
औसत वर्षा

एक जून 2023 से अब तक राज्य में 602.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 1 जून से आज 4 अगस्त सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1049.0 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 282.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजर जिले में 545.3 मिमी, बलरामपुर में 483.0 मिमी, जशपुर में 476.7 मिमी, कोरिया में 590.5 मिमी, मनेन्द्राढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 600.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।



देश की जनता देख रही है कि किस तरह सुनियोजित साजिश के तहत विभिन्न हथकंडे अपनाकर विपक्षी नेताओं की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। राहुल गांधी के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाए जाने का निर्णय स्वागतयोग्य है।

-अभिषेक झा, जदयू प्रवक्ता



तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	33.0	28.0
मुंबई	29.0	27.0
कोलकाता	31.0	28.0
चेन्नई	33.0	29.0

राहुल के खिलाफ बड़ी साजिश हुई नाकाम : कांग्रेस

मोदी उपनाम मामले में राहुल को हुई सजा पर शीर्ष अदालत के रोक लगाने के फैसले पर जताई खुशी

नई दिल्ली/पटना, 4 अगस्त (देशबन्धु)। मोदी उपनाम टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी कर उनकी सजा पर रोक लगा दी है। इसके बाद कांग्रेस ने शीर्ष अदालत के फैसले को लोकतंत्र व सत्य की जीत बताया।



राहुल गांधी की सजा पर रोक यह सिद्ध करती है कि उन्हें गलत तरीके से फंसाने की कोशिश की गई थी: प्रियंका श्रिनेते

चौधरी ने स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर सदस्यता बहाल करने के मामले में तत्काल फैसला लेने का आग्रह किया है। स्पीकर कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि

शुभकामनाएं। न्यायालय के इस फैसले से न्यायापालिका के प्रति देश की जनता का सम्मान और भरोसा दोनों बढ़ेंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि अंतिम फैसला गांधी के पक्ष में आएगा। राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर कहा कि राहुल गांधी को उच्चतम न्यायालय से न्यायिक राहत मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं। सत्य सदैव उज्वल रहे। वहीं, राज्यसभा सांसद विवेक तन्हा सहित प्रदेश कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी गांधी की सदस्यता बहाल करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया और न्यायालय के इस फैसले पर खुशी जताई। राजद नेता और बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद

नकारात्मक राजनीति कर रही भाजपा को करारा झटका : जदयू

पटना। बिहार प्रदेश जनता के अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के मामलों में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला लोकतंत्र और संविधान की जीत का जीवंत उदाहरण है। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से देश में नकारात्मक राजनीति कर रही भाजपा को करारा झटका लगा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा लोकतंत्र को कुचलने का षड्यंत्र आज सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष भी बेनकाब हो गया। न्यायालय के इस फैसले से भाजपा को सबक लेने की आवश्यकता है, असत्य चाहे कितना भी हावी हो जाए मगर सत्य को कभी दबाया नहीं जा सकता है। यह देश गांधी और अंबेडकर का देश है, यहां छल-कपट की राजनीति कभी भी किसी भी दौर में सफल नहीं हो सकती है। कुशवाहा ने कहा कि भाजपा लाख कोशिशें कर ले मगर देश का विपक्ष डरने वाला नहीं है। हम मिलकर पुरी ताकत से भाजपा का मुकाबला करेंगे और हिटलर के मार्ग पर चल रही तानाशाही सरकार को 2024 में देश की सत्ता से उखाड़ फेंकेगे। देश की जनता को भी एहसास हो चुका है कि जनसमस्याओं का समाधान करने के बजाए विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए भाजपा अपने सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सिर्फ सत्ता भोगने की नीयत से देश के संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करना भाजपा को महंगा पड़ेगा। जनता इनकी विदाई सुनिश्चित करने का मन अब बना चुकी है। भाजपा की तानाशाही अब अंतिम समय में है। भाजपा के राजनीतिक पतन की शुरुआत हो चुकी है, कोई भी साजिश या षड्यंत्र अब मोदी सरकार को नहीं बचा सकती है। वहीं बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डा.अखिलेश प्रसाद सिंह ने मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जताते हुए कहा। वे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में जश्न मनाते हुए एकत्रित हुए सैकड़ों कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को अपने वरचुअल सम्बोधन में बोल रहे थे। डा.सिंह ने आगे कहा कि यह न्याय की जीत है और कांग्रेसियों के लिए बहुत बड़ी राहत है कि राहुल जी को आवाज संसद में फिर से गूंजीगी और वह 2024 का चुनाव लड़ सकेंगे।



राहुल की जीत सत्य की जीत : यशपाल आर्य

उत्तराखंड विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता यशपाल आर्य ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को मोदी सरनेम वाले मामले में उच्चतम न्यायालय से राहत मिलने को सत्य की जीत बताया है। आर्य ने आज जारी बयान में कहा कि तीन चीजें सूर्य, चंद्रमा और सत्य ज्यादा देर तक छिप नहीं सकती हैं। उन्होंने कहा कि गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सजा पर रोक लगाने का सर्वोच्च न्यायालय का फैसला स्वागत योग्य है। यह सत्य, धैर्य और धर्म की जीत है। न्याय की जीत हुई है। यह नफरत के खिलाफ मोहब्बत की जीत है।



बिरला ने अधीर को इस मामले में नियमानुसार फैसला लेने का आश्वासन दिया है।

न्यायालय के फैसले से न्यायापालिका के प्रति बढ़ेगा देश का भरोसा : कमलनाथ
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के संबंध में शुक्रवार को आए उच्चतम न्यायालय के फैसले को लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि इस फैसले से न्यायापालिका के प्रति देश का भरोसा बढ़ेगा। कमलनाथ ने अपने ट्वीट में कहा कि देश में लोकतंत्र की आवाज गांधी को उच्चतम न्यायालय से ली गई है। यह नफरत के खिलाफ मोहब्बत की जीत है।

ट्वीट कर कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का राहुल गांधी के संदर्भ में लिया गया फैसला स्वागत योग्य है। अगर भाजपा के दुष्प्रचारी को केंद्रप्रोमाइंड तंत्र को ये झटका नहीं लगता तो कई और विपक्षी नेताओं को ये साजिशों व षड्यंत्रों के तहत विधायिका से बाहर रखने की जालसाजी जारी रखते। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ए.के. एंटनी ने कहा कि मानहानि मामले में राहुल गांधी को दोषी ठहराने के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि जरा सोचिए, अगर शीर्ष अदालत ने यह फैसला नहीं दिया होता तो क्या होगा। यह सच्चाई की स्पष्ट जीत है और न्याय बहाल

हुआ है। कांग्रेस सांसद और अनुभवी नेता क. करुणाकरण के बेटे के. मुरलीधरन ने कहा कि उन्हें शीर्ष अदालत पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि संसद में गांधी को वापस पाकर हम बेहद खुश हैं। हमारे गांधी को दोषी ठहराने के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि जरा सोचिए, अगर शीर्ष अदालत ने यह फैसला नहीं दिया होता तो क्या होगा। यह सच्चाई की स्पष्ट जीत है और न्याय बहाल

बहाल करने की अधिसूचना जारी करनी चाहिए, क्योंकि फैसला शीर्ष अदालत से आया है। संयोगवश, सूत्र की एक अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के अगले ही दिन लोकसभा सचिवालय ने गांधी को अयोग्य घोषित कर दिया था। वहीं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने लिखा कि सत्यमेव जयते माननीय सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक का फैसला करके लोकतंत्र की आवाज को मजबूत किया है।

राहुल के वायनाड दफ्तर में लैंडलाइन फोन, इंटरनेट जल्द होगा बहाल, कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया

तिरुवनंतपुरम। आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद राहुल गांधी के वायनाड दफ्तर में बीएसएनएल लैंडलाइन फोन और इंटरनेट कनेक्शन काट दिया गया था। इसे अब जल्द ही बहाल किया जाएगा। राहुल गांधी को दोषी ठहराए जाने के तुरंत बाद संचार कनेक्शन काट दिए गए थे। स्थानीय पार्टी नेताओं के अनुसार, वायनाड में राहुल गांधी का कार्यालय पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित किया गया था और शुक्रवार को शीर्ष अदालत का फैसला आने पर वहां फिर से गतिविधियां शुरू हो गईं। एक स्थानीय पार्टी कार्यकर्ता ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि राहुल गांधी अपने निर्वाचन क्षेत्र को कितना प्यार करते हैं। अयोग्यता की अवधि के दौरान भी वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए काम करते रहे। हम उनके निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने का इंतजार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने एक कंपनी के सीएसआर फंड से कुछ पैसे लिए थे, जिससे 10 अंगनवाड़ियों को नया रूप दिया गया है। हम चाहते हैं कि वह इसका उद्घाटन करें। राहुल गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान सभी चोरों का एक ही उपनाम मोदी कैसे है। टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी के लिए 23 मार्च को सूत्र की निचली अदालत ने राहुल गांधी को आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराया था। इस टिप्पणी की व्याख्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी और ललित मोदी के बीच एक अंतर्निहित संबंध निकालने के प्रयास के रूप में की गई थी। वायनाड में कुछ स्थानों पर कांग्रेस समर्थक अपनी खुशी व्यक्त करते हुए सड़कों पर उतर आए और केरल प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने पार्टी की सभा 14 जिला इकाइयों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जश्न मनाने के लिए कहा। कांग्रेस विधायक और युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शफी परम्बिल ने कहा कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी और वायनाड के लोग निश्चित रूप से खुश होंगे। हम सभी ने देखा कि अयोग्य ठहराए जाने के बाद जब वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में आए तो लोग उनके पास कैसे पहुंचे। इस बीच, राजधानी में राज्य पार्टी मुख्यालय में भीड़ लगनी शुरू हो गई। अब सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि गांधी की लोकसभा सदस्यता कितनी जल्दी बहाल की जाती है।

राहुल गांधी को दोषी ठहराए जाने के तुरंत बाद संचार कनेक्शन काट दिए गए थे। स्थानीय पार्टी नेताओं के अनुसार, वायनाड में राहुल गांधी का कार्यालय पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित किया गया था और शुक्रवार को शीर्ष अदालत का फैसला आने पर वहां फिर से गतिविधियां शुरू हो गईं। एक स्थानीय पार्टी कार्यकर्ता ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि राहुल गांधी अपने निर्वाचन क्षेत्र को कितना प्यार करते हैं। अयोग्यता की अवधि के दौरान भी वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए काम करते रहे। हम उनके निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने का इंतजार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने एक कंपनी के सीएसआर फंड से कुछ पैसे लिए थे, जिससे 10 अंगनवाड़ियों को नया रूप दिया गया है। हम चाहते हैं कि वह इसका उद्घाटन करें। राहुल गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान सभी चोरों का एक ही उपनाम मोदी कैसे है। टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी के लिए 23 मार्च को सूत्र की निचली अदालत ने राहुल गांधी को आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराया था। इस टिप्पणी की व्याख्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी और ललित मोदी के बीच एक अंतर्निहित संबंध निकालने के प्रयास के रूप में की गई थी। वायनाड में कुछ स्थानों पर कांग्रेस समर्थक अपनी खुशी व्यक्त करते हुए सड़कों पर उतर आए और केरल प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने पार्टी की सभा 14 जिला इकाइयों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जश्न मनाने के लिए कहा। कांग्रेस विधायक और युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शफी परम्बिल ने कहा कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी और वायनाड के लोग निश्चित रूप से खुश होंगे। हम सभी ने देखा कि अयोग्य ठहराए जाने के बाद जब वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में आए तो लोग उनके पास कैसे पहुंचे। इस बीच, राजधानी में राज्य पार्टी मुख्यालय में भीड़ लगनी शुरू हो गई। अब सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि गांधी की लोकसभा सदस्यता कितनी जल्दी बहाल की जाती है।

राहुल गांधी को दोषी ठहराए जाने के तुरंत बाद संचार कनेक्शन काट दिए गए थे। स्थानीय पार्टी नेताओं के अनुसार, वायनाड में राहुल गांधी का कार्यालय पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित किया गया था और शुक्रवार को शीर्ष अदालत का फैसला आने पर वहां फिर से गतिविधियां शुरू हो गईं। एक स्थानीय पार्टी कार्यकर्ता ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि राहुल गांधी अपने निर्वाचन क्षेत्र को कितना प्यार करते हैं। अयोग्यता की अवधि के दौरान भी वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए काम करते रहे। हम उनके निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने का इंतजार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने एक कंपनी के सीएसआर फंड से कुछ पैसे लिए थे, जिससे 10 अंगनवाड़ियों को नया रूप दिया गया है। हम चाहते हैं कि वह इसका उद्घाटन करें। राहुल गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान सभी चोरों का एक ही उपनाम मोदी कैसे है। टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी के लिए 23 मार्च को सूत्र की निचली अदालत ने राहुल गांधी को आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराया था। इस टिप्पणी की व्याख्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी और ललित मोदी के बीच एक अंतर्निहित संबंध निकालने के प्रयास के रूप में की गई थी। वायनाड में कुछ स्थानों पर कांग्रेस समर्थक अपनी खुशी व्यक्त करते हुए सड़कों पर उतर आए और केरल प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने पार्टी की सभा 14 जिला इकाइयों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जश्न मनाने के लिए कहा। कांग्रेस विधायक और युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शफी परम्बिल ने कहा कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी और वायनाड के लोग निश्चित रूप से खुश होंगे। हम सभी ने देखा कि अयोग्य ठहराए जाने के बाद जब वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में आए तो लोग उनके पास कैसे पहुंचे। इस बीच, राजधानी में राज्य पार्टी मुख्यालय में भीड़ लगनी शुरू हो गई। अब सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि गांधी की लोकसभा सदस्यता कितनी जल्दी बहाल की जाती है।



सार संक्षेप

एनआईए ने कश्मीर में पांच जगहों पर छापेमारी की

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी साजिश मामले में शुक्रवार को कश्मीर में पांच स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ये छापेमारी घाटी के कई जिलों में चल रही है। उन्होंने कहा कि छापेमारी जम्मू में 2022 में दर्ज एक आतंकी साजिश मामले की चल रही जांच का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आरसी 5/2022(जेएमयू) में पांच स्थानों पर तलाशी ली गई। यह मामला भौतिक व साइबर स्पेस दोनों में एक साजिश रचने और प्रतिबंधित आतंकीवादी संगठनों द्वारा जम्मू-कश्मीर में विघटित बम, आईईडी और छोटे हथियारों के साथ हिंसक आतंकीवादी हमले करने की योजना से संबंधित है।

कुएं में जहरीली गैस से पिता-पुत्र की मौत

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के शाहनगर थाना क्षेत्र के लुधगवां गांव में कुएं से निकल रही जहरीली गैस को चपेट में आने से शुक्रवार को पिता-पुत्र की मौत हो गई। इस हादसे में एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे इलाज के लिए कटकी रैफर किया गया है।

गौरीकुण्ड में अतिवृष्टि व भूस्खलन, 13 लापता

रुद्रप्रयाग/देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जनपद में गुरुवार देर रात्रि से अतिवृष्टि और भूस्खलन से व्यापक जन, धन की हानि होने की सूचना है। खराब मौसम के कारण राहत कार्यों में भारी मुश्किल हो रही है। यह स्थान भगवान शिव के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम का अंतिम पड़ाव स्थल है।

नीतीश के नेता हुए अहंकारी : सम्राट

पटना, 4 अगस्त (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने जदयू के अध्यक्ष ललन सिंह द्वारा शुक्रवार को लोकसभा में एक सीनियर सदस्य को इंगित करते हुए गलत भाषा का प्रयोग किए जाने की निंदा करते हुए कहा कि भाजपा ऐसी हकतों का विरोध करती है।



■ बिहार में लोकतंत्र समाप्त होने का लगाया आरोप
■ धरना दे रहे लोगों से गुड़ों जैसा सुलूक कर रही पुलिस

पटना में प्रकरों से चर्चा करते हुए चौधरी ने कहा कि जदयू के अध्यक्ष लोकतंत्र के मंदिर लोकसभा में जिस तरह की बोली बोल रहे, उसे देश और दुनिया देख रही है। लोकसभा में जदयू अध्यक्ष का एक सीनियर सदस्य के साथ व्यवहार गजजाहिर हो गया है, जिसका भाजपा विरोध करती है। चौधरी ने कहा कि उनकी भाषा से उनकी अहंकार झलकती है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार में भी अहंकार आ गया है,

जिस कारण उनकी पार्टी के नेता भी अहंकारी हो गए हैं। नरेंद्र मोदी के फिर से पीएम बनने के एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है। फिर से मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार बनेगी। इधर, भागलपुर में धरना और अनशन पर बैठे भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रोहित पांडेय सहित अन्य कार्यकर्ताओं पर रात में

त्रिपुरा में डेंगू से 182 संक्रमित, प्रदेश भर में अलर्ट

अगरतला, 4 अगस्त (एजेंसियां)। त्रिपुरा में सिपाहीजला जिले के सीमावर्ती गांवों में अचानक डेंगू फैलने के कारण प्रदेश भर में अलर्ट जारी किये जाने के साथ ही अब तक 182 लोगों को इलाज के लिए अस्पतालों में लाया गया है। चिकित्सा निदेशक सुप्रिया मलिक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि घबराने की कोई बात नहीं है, क्योंकि सरकार ने बीमारी को रोकने के लिए सभी प्रयास किए हैं। डॉ. मलिक ने बताया कि विशेषज्ञों ने गांव का दौरा किया और घर में एडीज मच्छरों की मौजूदगी पाई। खुले स्थानों पर पानी जमा होने और जमा पानी तथा खर के बागानों में बड़ी संख्या में तारवां घर जाने के कारण एडीज मच्छरों का प्रजनन बढ़ रहा है। डेंगू के मामलों की संख्या से निपटने के लिए मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है। धनुपुर के 37 डेंगू रोगियों को अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उन्हें एक सर्जिकल इन्सुलेशन में स्थानांतरित कर दिया गया था।

हिन्दी की स्थानीय भाषाओं से कोई स्पर्धा नहीं : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने की संसदीय राजभाषा समिति की बैठक की अध्यक्षता

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि हिन्दी की स्थानीय भाषाओं से कोई स्पर्धा नहीं है और सभी भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने से ही देश मजबूत बनेगा। शाह ने शुक्रवार को यहां संसदीय राजभाषा समिति की 38वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान संसदीय राजभाषा समिति के प्रतिवेदन के बारहवें खंड को भी अनुमोदित किया गया जिसे राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में देश के सामने पांच प्रण रखे हैं जिनमें से दो प्रण हैं-विरासत का सम्मान और गुलामी के चिह्नों को मिटाना। उन्होंने कहा कि इन दोनों प्रण के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए सभी भारतीय भाषाओं और राजभाषा को अपनी शक्ति दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि विरासत का सम्मान भाषा के सम्मान के बिना अधूरा है और राजभाषा की स्वीकृति तभी आएगी जब हम स्थानीय भाषाओं को सम्मान देंगे। उन्होंने कहा कि हिन्दी की स्पर्धा स्थानीय भाषाओं से नहीं है, सभी भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने से ही राष्ट्र सशक्त होगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बिना किसी प्रकार के विरोध के राजभाषा की स्वीकृति बनाने की आवश्यकता है, चाहे इसकी गति धीमी रहे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पहल करते हुए इंजीनियरिंग और मेडिकल के पाठ्यक्रमों को 10 भाषाओं में शुरू कर दिया है और जल्द ही ये सभी भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होंगे। वह क्षण स्थानीय भाषाओं और राजभाषा के उदय की शुरुआत का क्षण होगा।



सवाल कश्मीर में लापता सेना के जवान जावेद वानी की बरामदगी के बाद उठे सवाल

जिन्दा बचे सेना के जवान से गहन पुछताछ के बाद खुलेगा राज

सुरेश एस डुग्गर जम्मू, 4 अगस्त (देशबन्धु)। छह दिनों के बाद सेना और पुलिस ने जिस अपहृत सेना के जवान को जिन्दा बरामद किया है उसकी बरामदगी पर अब कई सवालों के जवाब सेना और पुलिस को चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि 7 सालों में यह पहला अवसर है कि आतंकीयों द्वारा अपहृत कोई जवान जिन्दा बचा हो।

गुरुवार देर रात को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लापता जवान जावेद अहमद वानी की बरामदगी की पुष्टि की थी। कश्मीर पुलिस के एडीजीपी विजय कुमार ने कहा कि मेडिकल चेकअप के बाद उससे पूछताछ आरंभ की गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वानी के लापता होने को लेकर हर एंगल से पूछताछ की जा रही है। इतने दिन तक वो कहाँ थे और किस-किस से मिले थे और उन्हें अगवा किसने किया था, ये सब कुछ ऐसे सवाल हैं जिसके



■ सात सालों में यह पहला अवसर जब किसी लापता जवान की हुई है सकुशल बरामदगी

बारे में जम्मू-कश्मीर पुलिस उससे जानना चाह रही है क्योंकि कश्मीर का यह पहला मामला है, जब किसी लापता जवान की सकुशल बरामदगी हुई है। जावेद ईद-उल-अजहा मनाते के लिए घर लौटा था और 29 जून से छुट्टी पर था। उसके लापता होने की परिस्थितियों से यह आशंका पैदा हो गई थी कि आतंकीवादियों ने उसका अपहरण कर लिया है। सैनिक के भाई मुदासिर अहमद वानी ने कहा कि वह 30 जुलाई को शाम

7.30 बजे बाजार के लिए निकला और कुछ देर बाद हमें उसकी कार पर खून के निशान मिले। उसकी एक चपल और एक टोपी भी वहां थी। सैनिक के लापता होने की जानकारी मिलने पर सुरक्षा बलों ने कुलगाम और आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। जावेद की तलाश में कई लोगों से पूछताछ की गई और उनके काल रिकार्ड की जांच की गई। जवान के पिता मोहम्मद अयूब वानी ने

बेटे को सकुशल रिहा करने का आग्रह किया था। उनके पिता ने पत्रकारों से कहा था कि मैं सभी भाइयों से अपील करता हूँ कि उसे जिंदा छोड़ दें। अगर उसने किसी को परेशान किया है तो मैं उसके लिए माफ़ी मांगता हूँ। अगर वे चाहें तो मैं उसे नौकरी भी छोड़ दूंगा। लापता हुए सेना के जवान की मां ने कहा कि मैं पिछले 6 दिनों से शोक में थी और सो नहीं पा रही थी। जब मैंने खुशखबरी (जवान के मिलने की) सुनी तो मुझे बहुत

खुशी हुई। मैं उन सभी सुरक्षा बलों को धन्यवाद देना चाहती हूँ, जिन्होंने हमारे बेटे को ढूँढने में हमारी मदद की। जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री में काम करने वाले 25 वर्षीय जवान जावेद अहमद वानी कुलगाम जिले के अस्थाल गांव के रहने वाले हैं। उनकी पोस्टिंग लुद्दाख के लोह में है। बीते सप्ताह वो ईद की छुट्टियों में घर आए हुए थे। समय के बितने के साथ-साथ आशंकाएं बढ़ती जा रही थीं।

अभिमत

राजनीतिक दावों व अधिकारियों द्वारा पेश फर्जी आंकड़ों तथा जमीनी आंकड़ों के बीच का विरोधाभास स्वतंत्र रूप से आंकड़े रिपोर्ट करने में समर्थ आईआईपीएस के स्वतंत्र एनएफएचएस चलाने के महत्व को प्रतिपादित करता है। हालांकि आईआईपीएस स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) का एक हिस्सा है किन्तु यह एक स्वायत्त संस्थान है और इसे कभी भी अपने सर्वेक्षणों और निष्कर्षों पर सवालों का सामना नहीं करना पड़ा है। वास्तव में एनएचएचएस का सर्वेक्षण विश्वस्तरीय है।



बीता सप्ताह

- 29 जुलाई**
- चीन के फुजियान प्रांत में इस साल का पांचवां तूफान डोवसुटी पहुंचा।
 - ज्योतिरादित्य सिंधिया पहली बार ग्वालियर के आरएसएस दफ्तर पहुंचे।
 - हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन से नेशनल हाइवे ब्लाक हो गया।
 - कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हाईकोर्ट का नॉटिस वरुणा विधानसभा क्षेत्र से अयोग्य ठहराए जाने के मामले को लेकर दिया गया।
- 30 जुलाई**
- 'इंजिया' के 21 सांसदों का दल मणिपुर हिंसा प्रभावितों से मिले।
 - छत्तीसगढ़ प्रदेश का सबसे बड़ा पॉवर प्लांट कोरबा में राजीव गांधी के नाम का शिलान्यास किया गया।
 - भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने छत्तीसगढ़ से डा. रमन सिंह, सरोज पांडेय और लाता उंसडी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया।
 - तमिलनाडु की पटाखा यूनिट में धमाका होने से आठ लोगों की मौत हो गई।
 - 31 जुलाई**
 - पाकिस्तान खैबर पख्तूनख्वा राज्य में एक राजनैतिक रैली में आतंकी हमला होने से 35 लोग मारे गए।
 - छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के दीपक तिवारी स्थायी जज बनाए गए।
 - भारतीय अंतरिक्ष यान अनुसंधान (इसरो) ने सिंगापुर से सात उपग्रह कक्षा में स्थापित किए।
 - पीएस एई वी - सी 5.6 सफलतापूर्वक प्रक्षेपित हुआ।
 - गुजरात मंत्रालय ने मानव तस्करी मामले में संसद में पेश किए आंकड़ों में 2019 से 2021 के बीच 13-13 लाख से अधिक लड़कियां एवं महिलाएं लापता हुईं।
- 1 अगस्त**
- जस्टिस दीपक तिवारी को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के स्थायी जज की पदवी दिलाई।
 - आस्ट्रेलिया में दुर्घटनाग्रस्त
- हेलीकाप्टर में सवार चार सैनिक घोषित किए गए।
- हैदराबाद राज्य के आखिरी निजाम मीर उस्मान अली खान के पोते प्रिंस शहायत जाह का निधन हो गया।
 - हरियाणा के नूंह में शोभा यात्रा के दौरान बवाल में एक होमगार्ड की मौत हो गई।
- 2 अगस्त**
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मणिपुर में कानून व्यवस्था ठप है। डीजीपी तलब किए गए।
 - दिल्ली में कांग्रेस की पोस्टिंग, ट्रांसफर पर नियंत्रण से जुड़ा विधेयक लोकसभा में पेश किया गया।
 - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए गए।
 - भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने मंगलवार को चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की कक्षा से निकाल कर सफलतापूर्वक चांद की कक्षा की तरफ रवाना किया।
- 3 अगस्त**
- मणिपुर मुद्दे पर विपक्षी दलों के नेता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले।
 - जाने माने कला निर्देशक नितिन देसाई ने अपने स्टूडियो में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।
 - चीन में 140 वर्षों के रिकार्ड में सबसे भारी बारिश 744.8 मिलीमीटर दर्ज की गई।
 - फिलीपींस वायुसेना का हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 5 लोगों की मौत हो गई।
- 4 अगस्त**
- लोकसभा में दिल्ली सर्विस बिल बहुमत से पास हो गया।
 - सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरनेम मामले पर राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाई।
 - कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो (51) और पत्नी सोफी (48) ने आपसी सहमति से शादी के 18 वर्ष बाद तलाक लेने का फैसला लिया।

सही आंकड़े छुपा कर विकास के झूठे दावे

टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेस (आईआईपीएस) एक प्रतिष्ठित डीम्ड भारतीय विश्वविद्यालय है। 63 साल पुराना यह संस्थान अन्य कार्यों के अलावा अत्यधिक सम्मानित और प्रसिद्ध राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएचएचएस) श्रृंखला और रिपोर्टों के लिए प्रसिद्ध है। इन रिपोर्टों में एनएचएचएस राउंड के तहत डेटा विश्लेषण किया गया है जिसने पिछले तीन दशकों से भारत की जनसांख्यिकीय और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का एक स्वतंत्र बुनियादी नज़रिया प्रदान किया है ताकि हमें बताया जा सके कि नीतिगत निर्देशों से जमीनी स्तर पर बदलाव हो रहा है या नहीं। इस प्रकार आईआईपीएस डेटा पर एक महत्वपूर्ण स्थान पर काम करता है जो सरकार को उसके कामों का आईना दिखाता है और नीतिगत कार्यों को सही दिशा में चलाने में मदद कर सकता है।

इस महत्वपूर्ण संस्थान के निदेशक प्रसिद्ध जनसांख्यिकी, शोधकर्ता और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व संकाय सदस्य प्रोफेसर केएस जेम्स को पिछले हफ्ते निलंबित कर दिया गया। उन्हें जांच पूरी होने तक मुख्यालय क्षेत्र मुंबई न छोड़ने का निर्देश दिया गया है। बताया जा रहा है कि इस निर्णय से आईआईपीएस फेकल्टी और पूर्व छात्र सदस्य में हैं। विपक्ष ने इस कदम की आलोचना की है। इस घटनाक्रम से वैज्ञानिक और अन्य संकायों के सदस्य चिंतित हैं। निलंबन किन कारणों से किया गया इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन मामले की जानकारी रखने वालों का कहना है कि निदेशक को हटाने के लिए पहले कई तरह के प्रयास किए गए जिसके बाद निलंबन का आदेश जारी किया गया। जाहिर तौर पर उन्हें कुछ महीने पहले इस्तीफा देने के लिए कहा गया था लेकिन जेम्स ने कथित तौर पर यह कहते हुए इंकार कर दिया कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और वे बिना किसी कारण के इस्तीफा नहीं देंगे।

इस निलंबन से एक बार फिर यह आशंका पैदा हो रही है कि सरकार संस्थानों

को नियंत्रित करने और उन लोगों को दंडित करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है जिन पर वह लगाम नहीं लगा पा रही है। यह सच है कि जेम्स का निलंबन सजा नहीं है बल्कि जांच होने तक की गई कार्रवाई है। यह भी सच है कि सरकार को प्राप्त शिकायतों या सूचनाओं के आधार पर जांच करने का अधिकार है। लेकिन अगर अंदरूनी खबरों पर भरोसा किया जाए तो यह भी उतना ही सच है कि सरकार निदेशक को बाहर करना चाहती थी, लेकिन अगर यह अनिर्णयिताओं का मामला है तो निदेशक को कैसे और क्यों जाने के लिए कहा जाएगा और जांच भी तभी शुरू की गई जब उन्होंने चुपचाप जाने से इंकार कर दिया?

ये सवाल तब महत्वपूर्ण हो जाते हैं जब आईआईपीएस के काम को जनसांख्यिकी से संबंधित आंकड़ों को सामने रखने में इसकी भूमिका, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य, सामाजिक-आर्थिक संकेतक, प्रजनन क्षमता, माता तथा बाल मृत्यु दर, पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर, पोषण की स्थिति, टीकाकरण की पहुंच, पानी, स्वच्छता, लैंगिक हिंसा और यहां तक कि मधुमेह और रक्तचाप जैसी जीवन शैली की आधुनिक बीमारियों के प्रसार जैसे प्रमुख मापदंडों में देखा जाता है।

एनएचएचएस रिपोर्ट की नवीनतम रिपोर्ट (एनएचएचएस-5, 2019-2021) में देश को बताया गया है कि 19 प्रतिशत भारतीय परिवार खुले में शौच करते हैं। एनएचएचएस-4 की 2015-16 की रिपोर्ट की तुलना में खुले में शौच करने वाले आंकड़ों में 39 फीसदी सुधार ग्रामीण भारत के लिए एनएचएचएस-5 ने बताया कि 26 फीसदी घरों में अभी भी शौचालय नहीं थे इसलिए वे खुले में शौच करते थे। निश्चित तौर पर पिछले कुछ वर्षों में संख्या में सुधार है लेकिन फिर भी यदि आप इसे इस तरह से देखना चाहते हैं तो यह उस व्यापक दावे की हवा निकाल देता है जिसमें 2019 में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि ग्रामीण भारत पहले से ही खुले में

शौच से मुक्त है। उन्होंने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती मनाने के लिए चल रहे कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में यह दावा किया था।

राजनीतिक दावों व अधिकारियों द्वारा पेश फर्जी आंकड़ों तथा जमीनी आंकड़ों के बीच का विरोधाभास स्वतंत्र रूप से आंकड़े रिपोर्ट करने में समर्थ आईआईपीएस के स्वतंत्र एनएचएचएस चलाने के महत्व को प्रतिपादित करता है। हालांकि आईआईपीएस स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) का एक हिस्सा है किन्तु यह एक स्वायत्त संस्थान है और इसे कभी भी अपने सर्वेक्षणों और निष्कर्षों पर सवालों का सामना नहीं करना पड़ा है। वास्तव में एनएचएचएस का सर्वेक्षण विश्वस्तरीय है और अमेरिका के आईसीएफ, यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट, ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग, बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यूनिसेफ, यूएनएफपीए तथा भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय जैसे वैश्विक भागीदारों के साथ काम करता है।

एनएचएचएस-5 की 2019-2021 की रिपोर्ट में अन्य आंकड़े भी हैं जो हमें बताते हैं कि भारत वास्तव में अच्छा नहीं कर रहा है। उदाहरण के लिए एनीमिया बढ़ गया है। एनएचएचएस-5 के दौरान छह महीने से पांच वर्ष की आयु के 67 फीसदी बच्चों में एनीमिया (हीमोग्लोबिन का स्तर 11.0 ग्राम प्रति डेसीलीटर से नीचे) था जो एनएचएचएस-4 (2015-16) के 59 फीसदी के अनुपात से अधिक है। एनीमिया के कारण बच्चों का विकास धीमी गति से होता है और न्यूरो डेवलपमेंट को प्रभावित करता है।

एनएचएचएस-5 ने बताया कि पांच वर्ष से कम आयु के 36 प्रतिशत बच्चे अविकसित हैं। मतलब यह कि उनकी उम्र के हिसाब से विकास बहुत कम है जो एनएचएचएस-4 में देखे गए क्रॉनिक कुपोषण के मामले में मामूली बदलाव बताता है जो केवल 38 फीसदी है। इसी तरह पांच साल से कम उम्र के 19 प्रतिशत

बच्चे कमजोर हैं अर्थात् उनकी ऊंचाई के हिसाब से बहुत पतले हैं जो एनएचएचएस-4 में देखे गए 21 फीसदी से थोड़ा ही कम है। यह शायद कुपोषण का संकेत है। 32 फीसदी बच्चे कम वजन के हैं जो एनएचएचएस-4 के दौरान 36 फीसदी से कम हैं।

ये आंकड़े एक तरह से उस सरकार के सामने की चुनौतियों की ओर इशारा करते हैं जो सफलता का दावा करने और उन सभी लड़ाइयों, योजनाओं एवं मिशनों में जीत की बात करने की जदनी हैं है जिन्हें वह उजागर करना चाहती है। जो बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं उनकी सच्ची कहानी थोड़ी अलग है। यथार्थ को स्वीकार करने, नीति को दुरुस्त करने और वांछित लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए खर्च को प्राथमिकता देने में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन खोखले दावे जल्द ही खोखले साबित होंगे। वे देर-सबेर सरकार को छवि खराब करेंगे। सरकार एक ऐसे भारत की कहानी नहीं बना सकती जो एक वैश्विक, विशाल और मजबूत अर्थव्यवस्था है जिसमें एनीमिक, दुबले, अविकसित और कुपोषित बच्चे हैं। भारत खुले में शौच से मुक्त होने की घोषणाओं के साथ स्वच्छ नहीं हो सकता है। इसके बजाय सरकार पूरी सफलता के लिए कोशिश करने का दावा कर सकती है। अगर प्रयासों में अधिक समय लगता है तो भी यह एक अच्छी यात्रा होगी। यह याद रखना अच्छा होगा कि इराक युद्ध के बाद अमेरिकी नौसेना के सुपरज्व विमानवाहक पोत पर 'मिशन पूर्ण' की घोषणा करने की राष्ट्रपति जॉर्ज बुश की हड़बड़ी संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए आपदा के अलावा कुछ नहीं लाई। हमें वहां जाने की जरूरत नहीं है। आईआईपीएस द्वारा दी गई ऐसी रिपोर्ट्स हमें ईमानदार बनाए रखेंगी। इसलिए विकास के एजेंडे के साथ आगे बढ़ते समय आईआईपीएस के निदेशक को निलंबित करना अच्छा नहीं है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। सिंडिकेट : दी बिलियन प्रेस)

ज्ञानवापी मस्जिद : 1991 के कानून को लागू कर इस मुद्दे से निपटना होगा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक तरह से ऐलान कर दिया है कि मंदिर-मस्जिद मामले में एक नया मोर्चा खोला जा रहा है। इस बार, यह वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद और विश्वनाथ मंदिर है। एक साक्षात्कार में, आदित्यनाथ ने कहा है कि ज्ञानवापी परिसर में एक मंदिर की 'मूल स्थिति' स्थापित करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं हैं और मुस्लिम समुदाय को आगे आना चाहिए और कहना चाहिए कि 'अतीत में एक ऐतिहासिक गलती हुई थी और वे समाधान चाहते हैं'।

आदित्यनाथ का यह दावा ज्ञानवापी परिसर के हिंदी इतिहास को स्थापित करने के लिए बढ़ते कानून के संदर्भ में आया है। 3 अगस्त को, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वाराणसी जिला अदालत के निर्देशानुसार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का सर्वेक्षण करने की अनुमति देते हुए फैसला सुनाया। उसने जिला अदालत के खिलाफ मस्जिद समिति की अपील खारिज कर दी। 2019 में अयोध्या विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद से, वाराणसी की स्थानीय अदालतों में कानूनी मुकदमों की बाढ़ आ गई है, जो परिसर में हिंदू देवताओं की पूजा करने या जिसे 'शिवलिंग' कहा जाता है, और जो तालाब में एक फव्वारा है जहां मुसलमान प्रार्थना करने से पहले स्नान करते हैं, के वीडियोग्राफी सर्वेक्षण और कार्बन डेटिंग के लिए हिंदुओं के अधिकार पर जोर देते हैं।

ये सभी न्यायिक प्रक्रियाएं पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 के बावजूद हो रही हैं। संसद द्वारा अधिनियमित यह कानून उन पूजा स्थलों के रूपांतरण पर रोक लगाता है, जो भारत के आजाद होने के समय 15 अगस्त, 1947 जिस रूप में अस्तित्व में थे, जैसे - मंदिर, मस्जिद और चर्च - या किसी भिन्न धर्म के पूजा स्थल।

यानी यह कानून आजादी के बाद पूजा स्थलों को लेकर यथास्थिति का प्रावधान करता है। अधिनियम लागू होने के बाद इसके प्रावधानों के अनुसार ऐसे रूपांतरण के संबंध में कोई भी अदालती कार्रवाई समाप्त हो जायेगी। एकमात्र अपवाद अयोध्या विवाद और उससे जुड़ी अदालती कार्रवाई के लिए था।

नरसिम्हा राव सरकार द्वारा संसद में पारित यह कानून यह सुनिश्चित करने के लिए था कि राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन की तरह धार्मिक पूजा स्थलों को परिवर्तित करने के लिए कोई आंदोलन और सांप्रदायिक गतिविधियां न हों, जिसके कारण देश में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई।

सर्वोच्च न्यायालय ने अयोध्या विवाद पर अपना फैसला सुनाते हुए 1991 के कानून को 'आंतरिक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के दायित्वों से संबंधित' बताया था। इसमें आगे कहा गया है कि इस कानून के संदर्भ में 'संसद ने स्पष्ट शब्दों में

कहा है कि इतिहास और उसकी गलतियों को वर्तमान और भविष्य पर अत्याचार करने के

साधन के रूप में उपयोग नहीं किया जायेगा'। 2019 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूजा स्थल अधिनियम 1991 के इस जोरदार समर्थन के बावजूद, यह रहस्य बना हुआ है कि अदालत ने बाद की अवधि में वाराणसी अदालतों में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर पर उठे मुकदमे को समाप्त करने के लिए निर्णायक रूप से हस्तक्षेप क्यों नहीं किया।

सर्वोच्च न्यायालय के लिए एक मौका मई 2022 में था जब मस्जिद समिति ने वाराणसी के सिविल जज द्वारा मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण और वीडियोग्राफी के आदेश पर रोक लगाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। पूजा स्थल अधिनियम के आधार पर अदालत न्यायिक कार्रवाई को समाप्त कर सकती थी। इसके बजाय, इसने निर्देश दिया कि पांच महिलाओं द्वारा दायर याचिका के सुनवाई योग्य होने को चुनौती देने वाली मस्जिद समिति के मुकदमे को वाराणसी जिला न्यायाधीश को इस आधार पर स्थानांतरित कर दिया जाये कि वह वरिष्ठ न्यायाधीश हैं।

जुलाई में फिर से, मस्जिद समिति ने एएसआई सर्वेक्षण के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, और उस समय भी सर्वोच्च न्यायालय 1991 के पूजा स्थल कानून के मद्देनजर सभी न्यायिक कार्रवाई को समाप्त कर सकती थी, परन्तु ऐसा नहीं किया गया। तब से, इस मामले में और भी मुकदमे दायर किये गये हैं, जिनमें ज्ञानवापी मस्जिद को हटाने की मांग भी शामिल है, ताकि उस स्थान पर एक मंदिर बनाया जा सके।

गौर करने वाली बात है कि यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में हो रहा है। उच्चतम स्तर पर 1991 के कानून के अनुसार निर्णय करने के मामले में न्यायिक साहस और दृढ़ता की कमी के कारण ज्ञानवापी मस्जिद की प्रकृति पर सवाल उठाने और वीडियोग्राफी सर्वेक्षण और अब एएसआई सर्वेक्षण के माध्यम से 'सच्चाई का पता लगाने' के उपायों का आदेश देने के लिए निचली अदालतों के माध्यम से लगातार कदम उठाये जा रहे हैं।

ईदगाह-कृष्ण जन्मभूमि मामले को लेकर मथुरा की अदालतों में भी ऐसी ही न्यायिक प्रक्रिया चल रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि हिंदुत्व ताकतों की रणनीति अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए कानूनों का दुरुूपयोग करना है।

न्यायिक सहूलियत हासिल करने के बाद, उचित समय पर, न्यायतः तरीकों से जमीनी हकीकत को बदला जा सकता है। यह सर्वोच्च न्यायालय का काम है कि वह शरारत को शुरू में ही खत्म कर दे और 1991 के कानून को लागू करे जिसे उसने अयोध्या मामले की सुनवाई के क्रम में स्वयं ही स्पष्ट रूप से अनुमोदित किया था।

फिर से, मस्जिद समिति ने एएसआई सर्वेक्षण के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, और उस समय भी सर्वोच्च न्यायालय 1991 के पूजा स्थल कानून के मद्देनजर सभी न्यायिक कार्रवाई को समाप्त कर सकती थी, परन्तु ऐसा नहीं किया गया। तब से, इस मामले में और भी मुकदमे दायर किये गये हैं, जिनमें ज्ञानवापी मस्जिद को हटाने की मांग भी शामिल है, ताकि उस स्थान पर एक मंदिर बनाया जा सके।

गौर करने वाली बात है कि यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में हो रहा है। उच्चतम स्तर पर 1991 के कानून के अनुसार निर्णय करने के मामले में न्यायिक साहस और दृढ़ता की कमी के कारण ज्ञानवापी मस्जिद की प्रकृति पर सवाल उठाने और वीडियोग्राफी सर्वेक्षण और अब एएसआई सर्वेक्षण के माध्यम से 'सच्चाई का पता लगाने' के उपायों का आदेश देने के लिए निचली अदालतों के माध्यम से लगातार कदम उठाये जा रहे हैं।

ईदगाह-कृष्ण जन्मभूमि मामले को लेकर मथुरा की अदालतों में भी ऐसी ही न्यायिक प्रक्रिया चल रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि हिंदुत्व ताकतों की रणनीति अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए कानूनों का दुरुूपयोग करना है।

न्यायिक सहूलियत हासिल करने के बाद, उचित समय पर, न्यायतः तरीकों से जमीनी हकीकत को बदला जा सकता है। यह सर्वोच्च न्यायालय का काम है कि वह शरारत को शुरू में ही खत्म कर दे और 1991 के कानून को लागू करे जिसे उसने अयोध्या मामले की सुनवाई के क्रम में स्वयं ही स्पष्ट रूप से अनुमोदित किया था।

गांधी को गायब करने की साजिश

फिर से हमला हुआ है और इस बार निशाने पर हैं, 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान'। उत्तरप्रदेश के वाराणसी स्थित ये दोनों गांधीवादी संस्थाएं आखिरकार केंद्र और राज्य सरकारों की असहिष्णुता का शिकार हो गईं। 1999 से शुरू हुई गांधी दर्शन को खत्म करने की कोशिश 22 जुलाई '23 को गांधी-विनोबा-जयप्रकाश के दर्शन की हत्या के साथ पूरी हो गई। 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' की लगभग 5 लाख किताबें और अन्य फर्नीचर सड़कों पर फेंक दिये गये। वहां कई वर्षों से रह रहे गांधी के अनुयायियों, स्वतंत्रता सेनानियों को विस्थापित किया गया। 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान' समेत 4 संग्रहालयों और करीब 84 आवासों पर यह हमला दरअसल एक सुनियोजित साजिश है।

गौरतलब है कि 30 जनवरी, 1948 को गांधीजी की मृत्यु के बाद, 'सर्वोदय' दर्शन का प्रचार करने के लिए 'सर्व सेवा संघ' यानी अखिल भारतीय सर्वोदय मंडल नामक संगठन का गठन किया गया था। राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के संरक्षण में बनी यह संस्था पूरे देश में काम कर रही है। 1960 में विनोबा भावे की सलाह पर राजघाट, वाराणसी में ही 'सर्व सेवा संघ' का प्रकाशन कार्य प्रारंभ किया गया। इसी तरह, जयप्रकाश नारायण, नवकृष्ण चौधरी और आचार्य नरेंद्र देव ने वहां 'गांधी विद्या संस्थान' की स्थापना की थी।

असल में 1999 से ही भाजपा सरकार ने गांधी दर्शन को खत्म करने की कोशिश की थी। उस समय गांधी-विनोबा-जयप्रकाश विचार की लगभग 10 पत्रिकाओं का प्रकाशन-लाइसेंस केंद्र सरकार ने रद्द कर दिया था। देश में विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित सैकड़ों गांधीवादी पत्रिकाओं में से 10 पत्रिकाओं के लाइसेंस रद्द करने के पीछे की योजना इन पत्रिकाओं के माध्यम से प्रचारित गांधीवादी विचारधारा को नुकसान पहुंचाना था। ओडिशा से प्रकाशित होने वाली ओडिशा भाषा की 'सर्वोदय' और अंग्रेजी भाषा की 'विजिल' पत्रिकाओं के लाइसेंस भी रद्द कर दिए गए।

मैं तब 'सर्वोदय' पत्रिका के संपादक और 'विजिल' पत्रिका के प्रबंध संपादक के रूप में कार्यरत था। इन दोनों पत्रिकाओं की ओर से केंद्र सरकार के खिलाफ ओडिशा हाईकोर्ट में मनमोहन चौधरी ने केस दायर किया गया था और उनकी मृत्यु के बाद मुझे उस केस में पक्षकार बनना पड़ा। हमारी ओर से वरिष्ठ वकील समरेश्वर मोहंती केस लड़ रहे थे। हाईकोर्ट का अंतरिम फैसला हमारे पक्ष में गया। कोर्ट ने केंद्र सरकार को आलोचना करते हुए रद्दीकरण आदेश पर रोक लगा दी। इसके बाद केंद्र सरकार ने उत्तरप्रदेश में 'गांधी विद्या संस्थान' को बंद करने की योजना बनाई। केंद्र के आदेश पर उत्तरप्रदेश की भाजपा सरकार ने 'गांधी विद्या संस्थान' को मिलने वाला अनुदान रोक दिया था। 'गांधी विद्या संस्थान' जो गांधीवादी विचारों का एक अनुसंधान केंद्र था, को बंद करने और गांधी के दर्शन को दफन करने की योजना बनाई गई, लेकिन केंद्र सरकार की यह योजना भी तब सफल नहीं हो सकी। उत्तरप्रदेश में भाजपा के बाद सोशलिस्ट-पार्टी की सरकार बनी, उसने तुरंत 'गांधी विद्या संस्थान' को पिछले सभी बकाया अनुदानों का भुगतान कर दिया और अनुदान पहले की तरह जारी रखा। विफल होने के बाद, केंद्र सरकार ने वाराणसी में 'गांधी विद्या संस्था' सहित 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' को बंद करने की योजना बनाई। उत्तर रेलवे द्वारा लगभग 8 एकड़ के क्षेत्र को खाली करने के

लिए एक नोटिस जारी किया गया, लेकिन 2004 में बीजेपी सरकार के पतन के बाद यूपीए सरकार ने इस को केंद्र सरकार, उत्तरप्रदेश सरकार और रेलवे ने दोबारा उजागर करके भाजपा को पिछली योजना को सफलतापूर्वक लागू कर दिया। 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' ने रेलवे के नोटिस के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और कानूनी सहारा लिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी और वाराणसी जिला प्रशासन ने रिपोर्ट दी कि जिस जमीन पर 'गांधी विद्या संस्थान', 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' काम करता है वह उत्तर रेलवे की है। इसके खिलाफ 'गांधी विद्या संस्थान', 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' सुप्रीम कोर्ट गये, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की दलील उत्तर रेलवे के पक्ष में गई और जमीन से संबंधित सभी दस्तावेजों को अस्वीकार्य दिखाए जाने के कारण सुप्रीम कोर्ट ने मामले को खारिज कर दिया।

यहां 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान' के साथ-साथ 'सर्वोदय जगत' पत्रिका के कार्यालय, आचार्य विनोबा हाउस, जया-प्रभा पुस्तकालय आदि भी हैं। जयप्रकाश नारायण ने अपनी पत्नी प्रभावती देवी के साथ यहां लंबा समय बिताया था। कई गांधीवादियों ने अपना बचपन और युवावस्था यहीं बिताई। 'वैकल्पिक तकनीक' के विचारक ईएफ शूमाकर ने अपनी प्रसिद्ध किताब 'स्मॉल इज ब्यूटीफुल' यहीं बैठकर लिखी।

तकनीक के विचारक ईएफ शूमाकर ने अपनी प्रसिद्ध किताब 'स्मॉल इज ब्यूटीफुल' यहीं बैठकर लिखी। आरोप है कि सरकार जमीन पर कब्जा कर उसे कारपोरेट माफिया को सौंपने की योजना बना रही है। इस संबंध में 'समाजवादी जन परिषद' से जुड़े अफलातून देसाई कहते हैं, 'प्रशासन मनमाने ढंग से काम कर रहा है। अगर कार्रवाई हुई तो मैं देशभर में सत्याग्रह करूंगा।' इसी तरह जेएचयू के पूर्व प्रोफेसर आनंद कुमार ने एक वीडियो जारी कर कहा कि इसे भारत के इतिहास की सबसे शर्मनाक घटना के तौर पर याद किया जाए। उन्होंने कहा, 'सर्व सेवा संघ' और 'गांधी विद्या संस्थान' के प्रकाशनों को जब्त करने के लिए पुलिस अपने दल-बल के साथ पहुंची है और बलपूर्वक इस महत्वपूर्ण संस्थान को सरकार के हाथों में लेने की कोशिश कर रही है। यह गांधी और जेपी की विरासत पर सीधा हमला है।

'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' गांधी साहित्य प्रचार पर काम कर रहा है, जबकि 'गांधी विद्या संस्थान' गांधी दर्शन पर शोध कर रहा है। इन दोनों संस्थाओं को जरूरत के समय खत्म करने की सलाहारी पार्टी की कोशिश बेहद चिंताजनक है। यदि काशी रेलवे स्टेशन के विस्तार के लिए वाराणसी में वह स्थान आवश्यक है तो 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान' के लिए अन्यत्र ऐसी ही व्यवस्था कर उन दोनों संस्थानों को वहां से हटाया जा सकता था, लेकिन वैसा नहीं हुआ।

आखिर 2003 में फेल हुई केंद्र सरकार की योजना अब कैसे सफल हुई? इस बार केंद्र सरकार ने 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान' के साथ गांधी दर्शन को दफन करने का सही समय ढूंढ लिया है। 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान' जैसी पवित्र संस्थाओं के पतन के लिए अंततः यही सत्ता और उसके पथभ्रष्ट लोग जिम्मेदार हैं।

(लेखक ओडिशा में पीथापुर, कटक स्थित वरिष्ठ पत्रकार)



बिलासपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। कलेक्टर संजीव कुमार झा के निर्देश पर कृषि विभाग द्वारा खरीफ 2023 में जिले के किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए विभिन्न कृषि आदान-सामग्री विक्रय प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान 5 प्रतिष्ठानों में नियमों का उल्लंघन एवं गड़बड़ी पाये जाने पर उन्हें नोटिस जारी कर कड़ी चेतावनी दी गई। उपसंचालक कृषि पी.डी. हथेश्वर के मार्गदर्शन में उर्वरक, कीटनाशक एवं बीज निरीक्षक श्री आर.एस. गौतम द्वारा यह कार्यवाही की गई। इस दौरान सेवा सहकारी समिति, मोपका में उर्वरक लाईसेंस की अनुज्ञप्ति कार्यालय में उपलब्ध नहीं होने एवं मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं होने पर नोटिस दिया गया।

पुनर्गठित मौसम आधारित फसलों का बीमा 16 अगस्त तक

बिलासपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। उद्यानिकी फसल उत्पादन कर रहे किसानों के लिए एमएच, बैंगन, अमरूद, केला, पपीता, मिर्च एवं अदरक के लिये खरीफ वर्ष 2023 अंतर्गत पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से भारतीय कृषि बीमा कंपनी के द्वारा संचालित की जा रही है। उप संचालक उद्यानिकी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के इच्छुक ऋणी एवं अऋणी कृषक 16 अगस्त 2023 तक निकटतम राष्ट्रीय बैंक शाखा, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिला सहकारी बैंक, प्राथमिक सहकारी समितियों, लोक सेवा केंद्र, भारत सरकार की बीमा पोर्टल अथवा डाक विभाग के माध्यम से फसल बीमा करा सकते हैं। योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए उद्यानिकी विभाग में कार्यरत अधिकारियों एवं बीमा कंपनी के प्रतिनिधि से संपर्क किया जा सकता है। इस हेतु बीमा कंपनी के प्रतिनिधि श्री धानेश्वर साहू मोनो099071-22727, बिल्हा में उद्यानिकी विभाग के वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी श्री अशोक कुमार परस्ते 94796-19829, तखतपुर में उद्यान विकास अधिकारी श्री जेनेन्द्र कुमार पैकरा 62659-81957, कोटा में वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी श्री साधुराम नाग 91654-90297 एवं मस्टुरी में प्रभारी उद्यान अधीक्षक श्री आरके जगत 80852-80923 से संपर्क कर अधिक जानकारी ली जा सकती है।

संता ने शोक शोक में उपवास रख लिया
संता- देख सूरज डूबा क्या?
बंता- अभी नहीं।
थोड़ी देर बाद उसने दोबारा पूछा
संता- देख डूबा के नहीं ?
बंता- नहीं डूबा।
संता- लगता है, ये आज मुझे साथ में ले के ही डूबेगा!!!



देशबन्धु संस्कारधानी

5 बिलासपुर

चोरों का अंतरराज्यीय गिरोह पकड़ाया

सूने मकानों को बनाते थे निशाना, दो दर्जन मामले थानों में थे दर्ज

10 लाख के आमूषण सहित 70 हजार नकद बरामद

बिलासपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। मंगला में अलका अवेन्यू में तीन घरों में हुई चोरियों के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। बिलासपुर पुलिस ने अंतरराज्यीय चोर गिरोह को गिरफ्तार किया है तथा चोरी के आदतन अपराधियों को पकड़ने में सफलता पाई है। मध्य प्रदेश अनूपपुर, कोतमा के रहने वाले आदतन आरोपियों ने 31 जुलाई को अलका एवेन्यू के तीन घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया। इनमें से दो आरोपी 25 मामलों में जेल जा चुके हैं और यहां बिलासपुर में पेशी में आरोपियों ने यहां सूने घर को निशाना बनाया था। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी डॉ. सुरेश सिंह पवार पिता श्री स्व. श्री उदय सिंह पवार निवास अलका एवेन्यू मकान नंबर सी 22 जो शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय बिलासपुर में क्रीडा अधिकारी के पद पर पदस्थ है। 29 जुलाई को शाम करीब 5 बजे अपने परिवार सहित घर में ताला बंद करके रायपुर गये थे जहां से 31 जुलाई को सुबह 10.30 बजे घर पहुंचकर देखे कि बाऊंड्री के गेट में लगा ताला बंद था। जिसे खोलकर अंदर घुसे तो घर के मेन गेट के दरवाजा का ताला टूटा हुआ था। अंदर दाखिल होने पर बेडरूम जाकर देखे तो सामान सब अलग ब्यस्त बिखरा हुआ पड़ा था। आलमारी को तोड़कर खोले थे जिसके अंदर रखे सोने चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम 50 हजार रूपये को किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है। इसी प्रकार प्रार्थी अभिजीत वर्मा पिता शिवकुमार वर्मा निवासी अलका एवेन्यू मकान नंबर सी 12 के पड़ोसी आकाश सिंह एवं अजय शंकर त्रिपाठी के मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों द्वारा चोरी करने की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में एक ही रात्रि में 03 सूने मकानों में सिलसिलेवार चोरी की घटना की गंभीरता को देखते हुये थाना प्रभारी सिविल लाईन निरीक्षक परिवेश तिवारी एवं



ए.सी.सी.यु. प्रभारी निरीक्षक धमेन्द्र वैष्णव के नेतृत्व में में टीम गठित कर चोरी के अज्ञात आरोपियों को पकड़ने एवं चोरी गए मशरूका की बरामदगी हेतु अलग अलग क्षेत्र में टीम रवाना किया गया था। पुलिस टीम द्वारा लगातार घटना स्थल एवं आस-पास सी.सी.टी.वी. फुटेज खंगाला गया तथा घटना स्थल से प्राप्त सी.सी.टी.वी. फुटेज जिसमें 04 आरोपी का चोरी की घटना को अंजाम देते हुये दिख रहे थे। उक्त सी.सी.टी.वी. फुटेज को सोशल मिडीया के माध्यम से छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश में प्रसारित किया गया। उक्त सी.सी.टी.वी. फुटेज में दिख रहे शातिर चोरों को मनेन्द्रगण जिले के आरक्षक प्रमोद यादव के द्वारा आदतन शातिर चोर सोनू साहू, लक्ष्मी शर्मा, शिवम मानिकपुरी एवं अजय केंवट के रूप में पहचान किया गया तथा सभी शातिर चोरों को कोतमा के एक लॉज में छुपे होने की सूचना दी गई। उक्त सूचना की तस्दीक हेतु थाना सिविल लाईन एवं ए.सी.सी.यु. की संयुक्त टीम तैयार कर तत्काल कोतमा रवाना किया गया। बताये गये पते पर जाकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया। जो लॉज में शातिर आदतन



चोर सोनू साहू, लक्ष्मी शर्मा एवं अजय केंवट मिले तथा लॉज में ही उनके साथ दो अन्य व्यक्ति मिले जिन्हें हिरासत में लेकर कड़ाई से पछताछ किया गया। पुछताछ पर आरोपियों ने घटना कारित करना स्वीकार किया तथा बताये कि सोनू साहू और लक्ष्मी शर्मा का बिलासपुर में पुर्व अपराध में पेशी होने से आरोपी सोनू साहू द्वारा अपने अन्य साथियों को साथ लेकर पेशी में जाने एवं बिलासपुर क्षेत्र में ही चोरी की योजना बनाकर निकले थे जो योजना के मुताबिक 31 जुलाई को पेशी के बाद उसलानुपु अलका एवेन्यू जाकर रेकी करना और प्लान तैयार कर चारो आरोपीयो द्वारा मध्य रात्रि को तीन सूने मकानो का ताला तोडकर चोरी करना स्वीकार किये तथा चोरी से प्राप्त सोने के आभूषणो को एक्सिस बैंक से गोल्ड लोन लेना तथा अपने दो अन्य साथीयो मनीष कोल एवं विनोद यादव के नाम पर एक्सिस बैंक से गोल्ड लोन लेना बताये तथा कुछरूपये को आपस में बांट लेना बताये आरोपीयो की निशानदेही पर एक्सिस बैंक से चोरी किये गये सोने के आभूषणो को जप्त किया गया है तथा साथी आरोपीयो से नगदी रकम 70000 रूपे एवं एक नग

सार-संक्षेप

छत्तीसगढ़ की बेटियां हर क्षेत्र में आगे- अंकित



बिलासपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। बेलतरा ग्राम पंचायत बैमा शासकीय हाई स्कूल में सरस्वती सायकल योजना के तहत कक्षा नवमी की बालिकाओं को निशुल्क साइकिल वितरण किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम को शुरुआत विद्या की देवी मां सरस्वती के छाया चित्र में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं द्वारा स्वागत में मनमोहक गीत प्रस्तुत किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत के सभापति अंकित गौरहा ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार की महती योजना से बालिकाओं के शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित हुई हैं। उच्च शिक्षा ग्रहण करने में आवागमन अब बाधक नहीं होगा साथ-साथ-साथ समय की बचत भी होगी। नतीजा आज राज्य में बालिकाएं शिक्षा के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि विद्या अक्षित करने के साथ-साथ विद्यार्थियों को संस्कारवाना होना भी जरूरी है गुरुजनों के प्रति हमेशा सम्मान बनाए रखना चाहिए अनुशासित विद्यार्थी साधन के अभाव में भी कामयाबी के शिखर पर पहुंच सकता है राज्य शासन ने कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की है जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ प्रदेश के शिक्षा के स्तर में काफी सुधार हुआ है और छत्तीसगढ़ की बेटियां हर क्षेत्र में आगे आगे बढ़ रही हैं। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि दीपक नायक, शांला विकास समिति के अध्यक्ष धर्मेन्द्र शास्त्री, अशोक शास्त्री, सचिन धीवर, प्रवीण शर्मा शैलेश चौबे, प्रताप पटेल, बी.डी.दिवाकर, गणेश प्रसाद चतुर्वेदी, सुरेंद्र यादव, नीलकमल दिवाकर, प्रमोद पटेल, मनहरण केशरवानी व छात्राएं सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जन मौजूद रहे।

मनवा कुर्मी महिलाओं ने मनाया सावन उत्सव



बिलासपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज नगर इकाई बिलासपुर के सामाजिक महिलाओं द्वारा सावन उत्सव के अवसर पर विवेकानंद उद्यान में हरा-भरा हाउजी, वनमिन्ट गेम का आयोजन स्वे सामूहिक नृत्य का प्रस्तुतीकरण कर हर्षोल्लास के साथ मनोरंजन कर आनंद लिया गया। उत्सव में श्रीमती उषा वर्मा, राधावर्मा, ज्योति वर्मा, सोमा कश्यप, सरिता, मनीषा नायक, रश्मि वर्मा, शकुंतला, आशा, मधु, जता, संशीला, सरस्वती, सत्या, राजी, निर्मला, पुष्पलता, संतोषी, विश्वाक्षी, प्रेमजाता, मिथलेश, पुष्पा एवं अर्चना वर्मा की उपस्थिति सराहनीय रही।

भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही-शैलेश

कांग्रेस भवन में सत्यमेव जयते के लगे नारे

राहुल गांधी की सजा पर रोक, कांग्रेसजनों ने पटाखे फोड़े मिठाईयां बांटी

बिलासपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा राहुल गांधी के 2 साल की सजा पर रोक लगाने के बाद आज कांग्रेसजनों ने कांग्रेस भवन में जमकर खुशियां मनाई। पटाखे फोड़े मिठाई बांटी और न्यायपालिका पर भरोसा जताते हुए कहा कि न्याय सबके लिए है और आज सुप्रीम कोर्ट ने निचली कोर्ट की सजा पर रोक लगाते हुए लगाते हुए राहुल गांधी की लोकसभा में जाने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। सत्यमेव जयते के नारे भी लगाए गए। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय पांडे ने कहा है कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने के बाद अब वे सदन में देश की जनता की आवाज को रख सकेंगे। उन्होंने कहा है कि भाजपा की दमनकारी नीति को सभी जानते हैं राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त करने के लिए भाजपा ने कुत्सित प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। आज कांग्रेस भवन में खुशियां मनाई तथा कांग्रेस जनो ने सत्यमेव जयते के नारे लगाए। विधायक शैलेश पांडे ने कहा है कि संविधान में हम सबको अधिकार है देश के प्रधानमंत्री



भवन में जिला शहर काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय पांडे, विजय केसरवानी, महापौर रामशरण यादव, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष प्रमोद नायक जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान सभापति शंख नजीरूदीन ब्लॉक अध्यक्ष जावेद मेमन, अरविंद शुक्ला, मोती थारवानी विनोद साहू एमआईसी सदस्य सीताराम जयसवाल राजेश शुक्ला अजय यादव, रविंद्र सिंह मनीष गडवाल, राकेश शर्मा, समीर अहमद, काशी रात्रे, तजमूल हक, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष आसीफ खान, रमजान गौरी, युवा कांग्रेस के पदाधिकारी राजू यादव, शेख असलम, अर्जुन सिंह, मोहम्मद अय्याज के अलावा महिला कांग्रेस के अध्यक्ष पिंगी बत्रा सीमा धितेश, त्रिष पांडे सुभाष ठाकुर विनय वैद्य, मार्केट बेंजामिन एवं विभिन्न प्रकोष्ठ के पदाधिकारी मौजूद थे। ब्लॉक अध्यक्ष जावेद मेमन ने कहा है कि देश के इतिहास को बदलने की साजिश केंद्र सरकार द्वारा की जा रही है। केंद्र की गलत नीतियों से देश की जनता परेशान है और भाजपा के विरोधी पार्टियों को टुकसान करने की साजिश भाजपा द्वारा की जा रही है। केंद्र को अलावा महिला कांग्रेस की भावना से राजनीतिक कर रही है। लेकिन भाजपा के मंसूबे सफल नहीं होंगे। कांग्रेस देश की सबसे बड़ी पार्टी है और देश की जनता को कांग्रेस पर भरोसा है।

मुखबिरी का आरोप लगाकर आदतन बदमाश ने कबाड़ी की कर दी पिटाई

बिलासपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। पुलिस की मुखबिरी का आरोप लगाकर आदतन बदमाश ने कबाड़ी दुकान में काम करने वाले युवक की पिटाई कर दी। मारपीट से घायल ने घटना की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइन क्षेत्र के ओमनगर सुलभ कांप्लेक्स के पास रहने वाले आकाश टंडन कबाड़ी की दुकान में काम करते हैं। गुरुवार की रात करीब 11 बजे वे पेट्रोल लेने के लिए रिंग रोड की ओर गए थे। रिंग रोड स्थित पेट्रोल पंप से लौटते हुए वे दिलीप ढाबा के पास पहुंचे थे। इसी दौरान ढाबा संचालक दिलीप बंजारे ने आकाश को रोक लिया। उसने पुलिस से मुखबिरी का आरोप लगाते हुए आकाश से गाली-गलौज की। इसका विरोध करने पर उसने लोहे के राड से मारपीट की। इसकी जानकारी होने पर राजा टाकुर बीच-बचाव करने आया। इस पर उसने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर राजा की भी पिटाई कर दी। मारपीट से आकाश के सिर में चोट आई है। वहीं, राजा को भी चोट आई। इस दौरान दिलीप और उसके दोस्तों ने आकाश के दोस्त दीपक सोनी की बाइक में भी तोड़फोड़ की। मारपीट से बचकर आकाश और राजा किसी तरह जान बचाकर भागे।

लौकरी के बहाने बुलाकर बेरोजगारों को धकेला सड़के के कारोबार में, 5 गिरफ्तार

बिलासपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। डाटा एंटी और एकाउंटिंग के बहाने बुलाकर बेरोजगारों को सड़के के काम में धकेलने वाले पांच लोगों को तारबाहर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आनलाइन महादेव व अन्ना रेड्डी सड़के के सरगना को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। उससे मिली जानकारी के आधार पर चार अन्य लोगों को पकड़कर पुलिस ने 10 मोबाइल, तीन लैपटॉप, एटीएम और अन्य सामान जब्त कर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। एस्प्री संतोष सिंह ने बताया कि पुलिस की टीम आनलाइन महादेव व अन्ना रेड्डी सड़के के एप पर नजर रखे हुए थी। इसी दौरान पता चला कि वाट्सएप नंबर से शहर में सड़क चलाया जा रहा है। तारबाहर थाना प्रभारी मनोज नायक और उन्नाव टीम ने जांच की तो पता चला कि नंबर दिल्ली के उत्तम नगर में सक्रिय है। टीम ने दिल्ली में दबिश देकर रमेश सिंह (23 निवासी बराड़ी न्यू दिल्ली) को पकड़ लिया। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि सड़क चलाते वाले तीन और लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित के कब्जे से 10 मोबाइल, तीन लैपटॉप, एटीएम और अन्य सामान जब्त कर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। आनलाइन सड़के के कारोबार का पर्दाफाश करने वाली टीम में तारबाहर थाना प्रभारी मनोज नायक, एसआइ संजय बट, एसआइ आदोलाम मरकाम, ऑफर बंजारे, आरक्षक मुली भारद्वाज, संदीप शर्मा, सतीश यादव, सरफराज खान का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आई फ्लू को हराने मितानिन घूम रहीं घर-घर, सर्वे के साथ कर रहीं जागरूक



बिलासपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। जिले में बच्चे, युवा व बुजुर्ग सभी वर्ग के लोग आई फ्लू के चपेट में आ रहे हैं। संक्रमण को रोकने के लिए जमीन स्तर पर मितानिन की टीम जुटी हुई है। मितानिन घर-घर घूम रही हैं। सामान्य लक्षण वाले मरीजों को तुरंत दवाई दे रही हैं। साथ ही उनका इलाज भी कर रही हैं। इसके अलावा दस दिनों तक नियमित मरीज की मानिट्रिंग भी करती हैं। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के डाक्टर भी संक्रमण की चेन तोड़ने मैदान स्तर पर काम कर रहे हैं। जिले में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के करीब दो हजार से ज्यादा मितानिन वर्तमान में गली-मोहल्लों में आई फ्लू को रोकने में अहम भूमिका निभा रही हैं। संकट की घड़ी में ग्रामीण क्षेत्रों में मितानिनों व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। फ्लू शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी फैला है। ऐसी स्थिति में संक्रमण की रोकथाम के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में मितानिन कार्यकर्ता डटकर अपना कार्य कर रही हैं, वह सराहनीय है। ग्रामीणों को मितानिन व संक्रमण के लक्षण के बारे में जागरूक कर रही हैं। गौरतलब हो कि जिले में मौसमी बीमारियों के साथ-साथ आई फ्लू का प्रकोप फैला हुआ है। जिसकी चपेट में शहरवासी आ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा और नगर निगम द्वारा हर वार्डों में शिविर लगाकर लोगों की जांच की जा रही है। इसके साथ ही उन्हें निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया जा रहा है। ताकि मरीजों की संख्या को कम किया जा सके। अस्पतालों में मरीजों की लंबी कतारें लग रही हैं। इसीलिए हर वार्डों में कैप लगाकर मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

सनी पृथ्वानी (39) पूरे गिरोह का मास्टर माइंड है। वह बेरोजगार युवकों को डाटा एंटी और एकाउंटिंग के बहाने अपने पास बुलाता था इसके बाद उन्हें सड़के के काम में ज्यादा कमाई का लालच देकर अवैध काम में लगा देता। जांच के बाद पुलिस ने जिले में सड़क चलाते वाले तीन और लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित के कब्जे से 10 मोबाइल, तीन लैपटॉप, एटीएम और अन्य सामान जब्त कर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। सनी पृथ्वानी 39 वर्ष निवासी स्वर्णभूमि रायपुर विनय भगत (30) निवासी जशपुर छत्तीसगढ़ रमेश सिंह (23) निवासी बराड़ी न्यू दिल्ली मनेश्वर भगत (24) निवासी खुट्टावा, जशपुर छत्तीसगढ़ मोंटू रवानी (35) निवासी भानस बिनोरा रोहतास बिहार को गिरफ्तार किया गया है। आनलाइन सड़के के कारोबार का पर्दाफाश करने वाली टीम में तारबाहर थाना प्रभारी मनोज नायक, एसआइ संजय बट, एसआइ आदोलाम मरकाम, ऑफर बंजारे, आरक्षक मुली भारद्वाज, संदीप शर्मा, सतीश यादव, सरफराज खान का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सार-संक्षेप

मिशन इन्द्रधनुष का पहला चरण अब 21 से 26 अगस्त तक

कोरबा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। टीकाकरण सुदृढिकरण एवं मोजल्स एवं रूबेला वैक्सीन की डोज से छूटे हुए, लेफ्ट आउट, ड्राप आउट लाभार्थियों तथा गर्भवती महिलाओं को टीकाकृत किए जाने हेतु मिशन इन्द्रधनुष अभियान का प्रथम चरण 07 से 12 अगस्त तक चलाया जाना था। अपरिहार्य कारणों से पूर्व निर्धारित सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 की तिथियों में संशोधन किया गया है। अब निम्नानुसार दिवसों पर आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण 21 से 26 अगस्त, द्वितीय चरण 20 से 26 सितंबर (रविवार को छोड़कर) तथा तृतीय चरण 25 से 31 अक्टूबर (रविवार को छोड़कर) आयोजित किया जाएगा। जिसमें विभिन्न बीमारियों से बचाव हेतु टीकाकरण किया जाएगा।

कलेक्टर सौरभ कुमार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वा. अधिकारी डॉ.एस.एन. केशरी ने जिले के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों तथा पात्र लाभार्थियों के पालकों से अपील किए हैं कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए 0 से 5 वर्ष तक के आयु अनुसार बच्चों को, वैक्सीन से छूटे हुए बच्चों, लेफ्ट आउट, ड्राप आउट लाभार्थियों तथा गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण कराए। जिससे गर्भवती महिलाओं को गंभीर बीमारियों के साथ ही शिशुओं को वैक्सीन से रोकी जा सकने वाली विभिन्न बीमारियों से बचाव हो सके।

श्रीकांत कोरबा एसडीएम, मनीष नए तहसीलदार

कोरबा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार किए जा रहे तबादलों की कड़ी में कोरबा जिला भी प्रभावित हुआ है। यहां पदस्थ विभिन्न विभागों के अधिकारियों का तबादला की कड़ी में कोरबा एसडीएम सीमा पात्रे भी प्रभावित हुई है। हालांकि कलेक्टर सौरभ कुमार ने प्रभार संभालने के बाद विभागीय कामकाज में कसावट लाने के लिए सीमा पात्रे को उप जिला निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। रिक्त हुए एसडीएम के पद पर श्रीकांत वर्मा की पदस्थापना की गई है। श्री वर्मा जो कि संयुक्त कलेक्टर हैं, उनका तबादला हाल ही में बिलासपुर से कोरबा के लिए हुआ है।

इसी कड़ी में तहसीलदारों की भी पदस्थापना में फेरबदल कलेक्टर द्वारा किया गया है। शासन के तबादला से प्रभावित होकर दीगर जिलों से कोरबा आए तहसीलदारों ने अपनी जवाबदेही दे दी है। इसके पश्चात उनकी नियुक्ति कलेक्टर द्वारा की गई है। इसके तहत मनीष देव साहू, कोरबा तहसीलदार होंगे। भूपण सिंह मंडावी कटघोरा, राजेन्द्र भगत दर्री, लीलाधर ध्रुव पसान, सत्यपाल प्रताप राय करतला, किशोर शर्मा पोड़ी-उपरोड़ा के तहसीलदार होंगे। दर्री के तहसीलदार कृष्ण कुमार लहरे को भैंसमा का तहसीलदार नियुक्त किया गया है। सभी प्रभावित तहसीलदारों को तत्काल प्रभाव से कर्तव्य पर उपस्थित होते हुए अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना में पहले संतान पर दो किस्तों में मिलेगी राशि

कोरबा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रीति खोखर चखियार एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी गजेन्द्र देव सिंह की उपस्थिति में विश्व स्तनपान पखवाड़ा सह प्रधानमंत्री मातृत्व योजना पखवाड़ा पर विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। समस्त परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को 1 से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले विशेष अभियान चलाकर शिशुवती माताओं को जागरूक करने कहा गया।

शासन के निर्देशानुसार थीम "इनेबलिंग ब्रेस्टफिडिंग मेकिंग ए डिफरेंस फॉर वर्किंग पेरेंट्स" पर चर्चा किया गया, जिसके अंतर्गत मुख्य रूप बच्चे के जन्म के 01 घण्टे के भीतर बच्चे को स्तन पान कराने संबंधी शिक्षा एवं 06 माह तक केवल स्तनपान कराने पर विशेष बल दिया गया। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत प्रथम संतान पर पहले 3 किस्तों पर 5000 रुपए की राशि हितग्राही के खातों में सीधे अंतरित किया जाता था जिसे नवीन निर्देशानुसार अब 2 किस्तों में हितग्राही खाते में अंतरित किया जाएगा। साथ ही द्वितीय बालिका संतान के जन्म पर 6000 रुपए की राशि एकमुष्ट हितग्राही के खाते में अंतरित किया जाएगा, जिसके पंजीयन हेतु 1 से 15 अगस्त तक पूरे जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। परियोजनाओं को अधिक से अधिक पंजीयन हेतु लक्ष्य देकर कार्यशाला का समापन किया गया।

आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस पर औषधीय पौधों का वितरण



कोरबा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस 4 अगस्त को जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया गया। पतंजलि युवा भारत के राज्य कार्यकारिणी सदस्य संजय कुर्मवंशी को मुख्य आतिथ्य व पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के आजीवन सदस्य वैद्य डॉ. नागेंद्र नारायण शर्मा की अध्यक्षता में पतंजलि युवा भारत के कोरबा जिला प्रभारी विनोद गुप्ता, उपाध्यक्ष नेत्र नंदन साहू, कोषाध्यक्ष इंद्र नारायण योग शिक्षक धर्मेश सिंह यादव के विशिष्ट आतिथ्य में एवं श्री शिव औषधालय की संचालिका श्रीमती प्रतिभा शर्मा की विशेष उपस्थिति में पतंजलि चिकित्सालय निहारिका द्वारा 5000 से अधिक जड़ी-बूटी एवं औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण पतंजलि चिकित्सालय, निहारिका में किया गया। इस अवसर पर सिद्धराम शाहनी, राकेश इस्पत, नीती साहू ने सहयोग किया। कार्यक्रम का समापन के पूर्व आयुर्वेद मनीषी आचार्य बालकृष्ण की लम्बी आयु, स्वस्थ एवं सुखी जीवन के लिए सभी ने महामृत्युन्जय मन्त्र का 11 बार जाप डॉ.नागेंद्र नारायण शर्मा के निर्देशन में किया। शान्ति पाठ के साथ कार्यक्रम को विराम दिया गया।

थाना प्रभारी मयंक मिश्रा को दी गई विदाई

कोरबा-हरदीबाजार, 04 अगस्त (देशबन्धु)। प्रेस क्लब हरदीबाजार द्वारा हरदीबाजार थाना के प्रथम प्रभारी मयंक मिश्रा को विदाई दी गई। हरदीबाजार थाना से बलरामपुर तबादला होने पर प्रेस क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों ने एसआई मयंक मिश्रा को स्मृति चिह्न भेंट कर श्रीफल व शाल से सम्मान करते हुए मिठाई खिला कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान प्रेस क्लब के संरक्षक बाबुराम राठौर, जगदीश अग्रवाल, अध्यक्ष राजाराम राठौर, उपाध्यक्ष विनोद उपाध्याय, सचिव निलेन्द्र राठौर, प्रमोद राठौर उपस्थित थे।

पहला जल भराव भी नहीं सह सका, 46 लाख का जलाशय

वन विभाग ने कराया था निर्माण, मरम्मत की कोशिश जारी

कोरबा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। पिछले 48 घंटे से जिले में हो रही लगातार बारिश से नदी-नाले पूरे उफान पर हैं तो जिले के प्रमुख बांध भरने के करीब आ चुके हैं। लगातार बारिश की वजह से वनांचल क्षेत्र में वन विभाग द्वारा तैयार किया गया एक जलाशय भी 2 दिनों की बारिश में लबाबल हो गया और पानी छलक रहा था। लगातार बारिश और पानी के भराव से जलाशय का वेस्ट वियर का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

कोरबा वन मंडल के अंतर्गत आने वाले पसरखेत वन परिक्षेत्र के ग्राम सोलवां में वन विभाग द्वारा लाखों रुपए की लागत से एक जलाशय बनाया गया था। उक्त जलाशय बरसात में भरने के कारण दबाव को सहन नहीं कर पाया और एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। क्षतिग्रस्त हिस्से को तोड़कर पानी तेज गति से बहने लगा। इसकी जानकारी स्थानीय ग्रामीणों



के द्वारा वन विभाग को दी गई। स्थानीय वन कर्मियों ने अपने अधिकारियों को इसकी सूचना दी। वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त हिस्से को सुधारने का प्रयास जारी रखा है। हालांकि यह तो जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि

इसमें लापरवाही किसकी है। यदि जलाशय निर्माण में लापरवाही बरती गई है तो निश्चित तौर पर वन विभाग के अधिकारियों को इस मामले में कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि लगातार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।

65 लाख की लागत से हुआ है निर्माण

सोतवां में 65 लाख की लागत से उक्त जलाशय का निर्माण कराया था। यह जलाशय निर्माण कार्य पूर्ण होने के महज डेढ़ माह बाद 48 घंटे हुई बारिश से धराशाई हो गया। टूटे हुए हिस्से को बचाने के लिए तिरपाल का सहारा लिया जा रहा है। बता दें कि अमृत सरोवर योजना के नरवा विकास योजना अंतर्गत कैपा मद से 65 लाख की स्वीकृति जलाशय निर्माण हेतु प्रदान की गई थी। वर्ष 2021-22 मई में स्वीकृत कार्य को फरवरी 2023 में ठेकेदार के माध्यम से शुरू कराया गया और मई में पूर्ण कर लिया। इस निर्माण की पोल बारिश ने खोल दी। फुलसरिया नाले पर निर्मित जलाशय में जलभराव होने पर निकासी के लिए बनाया गया नहर दबाव नहीं सह सका और पानी के तेज बहाव में नहर का पूरा स्ट्रक्चर ही बह गया। इधर जलाशय में काफी ऊंचाई तक मिट्टी डालकर बंड तैयार किया गया था जिसमें जगह-जगह दरारे आ गई। कई स्थानों पर बंड पूरी तरह मिट्टी धसान के कारण कमजोर हो गया। अब ठेकेदार के माध्यम से बंड को बचाने का प्रयास तिरपाल और रेत से भरी बोरियां रखकर किया जा रहा है, जहां मिट्टी धसान के कारण बंड पूरी तरह से कमजोर हो गया है।

बांध अभी पूरी तरह से सुरक्षित-एसडीओ

वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक सोलवां जलाशय लगातार बारिश होने के बाद भी अभी पूरी तरह से सुरक्षित है हालांकि वेस्ट वियर के टूट जाने से जलाशय का वाटर लेवल लगभग 2 मीटर कम हो गया है। बारिश थमने पर मरम्मत की दिशा में ठोस पहल हो पाएगी और बांध और पूरी तरह से सुरक्षित हो पाएगा।

घर पर मृत मिला एसईसीएल कर्मी

कोरबा-कुसमुंडा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। कुसमुंडा थाना क्षेत्र में एसईसीएल की आवासीय कालोनी आदर्श नगर एम-892 निवासी एसईसीएल की कुसमुंडा परियोजना में डंपर ऑपरटर डीजल सेक्शन घुस सिंह घर पर ही मृत हालत में मिला। बताया जा रहा है कि घुस सिंह घर पर अकेले रहता था और परिवार सूरजपुर जिले के बाकीपुर में रहता है। घुस सिंह गुरुवार शाम से घर से बाहर नहीं निकला था। किसी अनहोनी की आशंका पर आज सुबह पड़ोसियों ने खिडकी से भीतर देखा तो बिस्तर पर बेसुध पड़ा हुआ पाया। आवाज देने पर भी नहीं उठे तो कुसमुंडा पुलिस को सूचना दी गई। थाना प्रभारी स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे व दरवाजा खोल कर भीतर पहुंचे तो पता चला की घुस सिंह की मौत हो चुकी थी। प्रथम दृष्टया हृदयाघात की वजह से मौत होना माना जा रहा है। उसके परिजनों को घटना की सूचना दी गई जो कुछ घंटे बाद कुसमुंडा पहुंचे। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जांच उपरत ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा।

भाजपा पार्षद दल मिला नए आयुक्त से, झापन सौंपा

कोरबा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। भाजपा पार्षद दल ने नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिभा ममगाई से मुलाकात कर पुष्पगुच्छ से स्वागत कर आगमन की बधाई प्रेषित की। भाजपा पार्षदों ने नगर निगम में ठग पड़े विकास कार्यों से आयुक्त को अवगत कराया। आयुक्त ने बारी-बारी सभी पार्षद से उनकी समस्याएं जानी और शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल, पार्षद रिंतु चौरसिया, कमला देवी बरेठ, शैलकुमारी राठौर, उर्वशी सुजीत राठौर, धनश्री अजय साहू, प्रभावती सुधार साय चौहान।



द्रोपदी वर्मा, भानुमति जयसवाल, पुष्पा कंवर, कविता नारायण राजपूत, पूरुइन बाई कंवर, गंगागाम भारद्वाज, नर्मदा लहरे, अजय गोंड, अनिता सुकुन्दी यादव, बुधवार साय यादव, ममता

बालीराम साहू, अमित मिंज, फिरत साहू, नारायण दास महंत, नरेंद्र देवांगन, प्रतिभा निखिल शर्मा, विजय साहू, माखन बरेठ, कोमल, नारायण राजपूत, अजय साहू उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के रास्ते कीचड़ का रोड़ा, नहीं हार रहे हिम्मत

सड़क निर्माण के लिए ध्यान नहीं दे रहे अधिकारी

कोरबा-कटघोरा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। कोसाबाड़ी के पास रास्ते पर कीचड़ की अधिकता होने से विद्यार्थियों को स्कूल जाने में काफी मशकत करनी पड़ रही है। विद्यार्थी इन कीचड़ भरे रास्तों को पार कर स्कूल आना-जाना कर रहे हैं लेकिन हिम्मत नहीं हार रहे। दूसरी ओर सड़क को सुधारने के लिए अब तक कोई कोशिश नहीं की गई है।

कटघोरा नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक-2 के अंतर्गत यह सड़क आती है। रेशम कोसा विभाग की कोसाबाड़ी के पास



यह सड़क मौजूद है। क्षेत्र के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले मुंडाभाठा व कटघोरा के विद्यार्थियों को इस कीचड़ भरे

रास्ते को पार कर स्कूल तक पहुँचने के लिए साहस जुटाना पड़ता है, उछलकूद भी करनी होती है। इन सब में उन्हें डर भी रहता है कि कहीं कीचड़ की वजह से फिसलन में गिर न पड़ें। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र की नदी से रेत के अवैध खनन व परिवहन में लगे ट्रैक्टर ट्राली का परिचालन इसी रास्ते से होता है। इसके दबाव के चलते और अभी बारिश के कारण कच्ची सड़क की हालत अत्यंत बदतर हो गई है। हैरानी इस बात की है कि रास्ते की दुर्दशा और विद्यार्थियों की हो रही परेशानी की जानकारी के बाद भी इसकी मरम्मत व निर्माण के लिए न तो जिम्मेदार प्रयास कर रहे और न ही सामने आ रहे हैं।

भाजपा खेमे में लगी सैध, पार्षद ने थामा कांग्रेस का दामन

पालिका अध्यक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले सियासी खेल

कोरबा-कटघोरा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। कटघोरा नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रतन मित्तल के खिलाफ विपक्ष भाजपा पार्षदों के द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले सियासी खेल हो गया। भाजपा खेमे की एक पार्षद ने कांग्रेस दामन थाम लिया और इसके साथ ही अविश्वास प्रस्ताव के ध्वस्त होने के आसार प्रबल हो गए हैं। नगर पालिका परिषद कटघोरा के कुल 15 वार्डों में 7 पर कांग्रेस, 7 पर भाजपा व एक वार्ड में निर्दलीय पार्षद काबिज है। पिछले दिनों भाजपा पार्षदों ने पालिका



अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए कलेक्टर को आवेदन दिया है जिस पर अभी मतदान और निर्णय होना शेष है। अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पालिका के गलियारे में राजनैतिक सरगमी के मध्य आज भाजपा की वार्ड 12 से पार्षद शैल बाई आर्मा ने कटघोरा विधायक पुरुषोत्तम कंवर के निवास में कांग्रेस के

प्रति निष्ठा जाहिर की। शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजीव लखन पाल एवं पालिका अध्यक्ष रतन मित्तल की अनुवाई में अविश्वास प्रस्ताव में सैध लग गई है। विधायक ने पार्षद शैल बाई को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका कांग्रेस में स्वागत किया। इस अवसर पर पार्षद जयनारायण कंवर, रविन्द्र मोहन बघेल भी उपस्थित रहे।

मोहन साहू ने बढ़ाया जिले का मान

कोरबा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। स्वामी आत्मानंद विद्यालय पंप हाउस कोरबा में कक्षा दसवीं के छात्र मोहन साहू ने हिंदुस्तान टाइम्स कोड-ए-थान प्रतियोगिता में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के हाथों 5 अगस्त 2023 को होटल मैरियट रायपुर में मोहन साहू को सम्मानित किया जाएगा। विद्यालय के साथ जिले को गौरवान्वित करने वाली इस उपलब्धि के लिए जिला शिक्षा अधिकारी जी.पी. भारद्वाज एवम जिला प्रशासन ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। गौरतलब है कि हिंदुस्तान टाइम्स कोड-ए-थान एक बेहद लोकप्रिय प्रतियोगिता है जिसमें स्कूली बच्चों को कोडिंग की मूल बातें सीखने और राष्ट्रीय स्तर पर अपने कोड लेखन कौशल का प्रदर्शन करने में मदद मिलती है।



टोल फी नंबर 1962 में कॉल कर पशु मालिक प्राप्त कर सकते हैं सेवाएं

कोरबा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। जिले में पशुधन विकास विभाग द्वारा पशुओं के उपचार, संवर्धन एवं परिरक्षण की दिशा में सतत कार्य किया जा रहा है। उप संचालक पशुचिकित्सा सेवाएं से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में कुल 13 पशु चिकित्सालय 28 पशु औषधालय संचालित हैं। सभी पशु चिकित्सा केंद्रों में पशु उपचार, कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण, बधियाकरण की सुविधा, सड़क दुर्घटनाओं एवं संक्रमण रोग के रोकथाम के लिए मोबाइल यूनिट उपलब्ध है। जिला रोग अन्वेषण प्रयोगशाला में, जिस हेतु नमूना नजदीकी पशु चिकित्सा केंद्र अथवा सीधे प्रयोगशाला को भेजे जा सकते हैं। सुविधा के अनुसार जाँच प्रतिवेदन से सम्बंधित संस्था को अवगत करारकर उपचार प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त घायल पशुओं के लिए जिले में 06

शासकीय अनुदान प्राप्त गौशालाएं संचालित हैं। जिसके अंतर्गत कोरबा विकासखण्ड में जय माँ भवानी गौशाला कुदुरमाल व माँ भवानी गौ आश्रम समिति कोहडड़ा शामिल हैं। इसी प्रकार कटघोरा में अग्रसेन गौशाला कननेरी, पोड़ी उपरोड़ा में स्वामी भजनानंद आदर्श गौशाला केंदई, करतला में स्व. वैद्य नथू राम कौशिक गौशाला चिचोली एवं पाली विकासखण्ड में कामधेनु गौशाला मुरली संचालित हैं। शासन द्वारा पशु चिकित्सा सुविधा को और बेहतर किए जाने हेतु जिले को 06 मोबाइल वेटरनरी वेन (चलित पशु चिकित्सा इकाई) की सुविधा 15 अगस्त से प्रदाय की जा रही है। जिसके टोल फ्री नं 1962 पर पशुपालक अपने कामधेनु के चिकित्सा आदि सेवाओं हेतु कॉल कर सुविधा का लाभ ले सकते हैं। शुरुआती दौर में सभी चलित चिकित्सा इकाई प्रतिदिन 02 गौठानों में अपनी सेवाएं देंगे।

खाद्य-बीज विक्रय में अनियमितता कृषि विभाग की सख्त कार्रवाई

30 सहकारी एवं 28 निजी विक्रय केंद्रों का निरीक्षण

कोरबा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। खरीफ सीजन में धान की खेती जोरो पर है इसके साथ ही उर्वरक एवं कीटनाशकों की मांग बढ़ती जा रही है। जिले में उर्वरक एवं कीटनाशकों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार मिलावट या कमी नहीं हो इसके लिए कृषि विभाग द्वारा पूरी तरह से कठोर कार्रवाई की जा रही है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को सही कीमत व उनके मांग



अनुसार समय पर खाद उपलब्ध हो सके इसके सघन अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही सहकारी एवं निजी दुकानों में

किसी भी प्रकार की अनियमितता जैसे-पी.ओ.एस. मशीन एवं भौतिक स्कंध, अमानक स्तर के खाद, बीज एवं कीटनाशक दवा

की बिक्री, गोदाम में उर्वरक, बीज भंडारण की स्थिति आदि प्रकार की अनियमितता पाये जाने के स्थिति में तत्काल विक्रय पर प्रतिबंध

जायसवाल खाद भंडार पर प्रतिबंध

जिले के कुल 30 सहकारी एवं 28 निजी उर्वरक एवं बीज विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया जा चुका है। 9 निजी विक्रय केंद्रों में अनियमितता पाये जाने पर स्पष्टीकरण (वि.ख.-करतला के मेसर्स पटेल खाद भंडार, ढोढातराई, मेसर्स किसान क्लब, मेसर्स युवराज ट्रेडर्स विकासखंड पाली के मेसर्स गोस्वामी कृषि केंद्र, मेसर्स किसान बीज भंडार, मेसर्स शिव खाद भंडार, मेसर्स नटवरलाल एण्ड संस पाली एवं विकासखंड-कोरबा के मेसर्स कबीर एण्डो में स्पष्टीकरण नोटिस दिये जाने के साथ-साथ जिले के मेसर्स जायसवाल खाद भंडार, पाली में अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए विक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है।

लगाते हुए कारण बताओ नोटिस दिया जा रहा है और आगे भी यह प्रक्रिया सतत रूप से जारी रहेगा। सभी विक्रय केंद्रों में निरीक्षण

नाबालिग ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

कोरबा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। कोतवाली थाना अंतर्गत सीतामढ़ी बस्ती में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। यहां निवासरत चंचल यादव ने आठवीं कक्षा में पास होने के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। कुछ महीने पहले ही उसका दायं पर फ्रैक्चर हो गया था, जिसकी वजह से हमेशा परेशान रहा करती थी। पिता अशोक यादव ने बताया कि सुबह-सुबह वह घर से काम पर चला गया था, उसकी मां भी किसी काम से बाहर गई हुई थी, जबकि चंचल घर में अकेली थी। बाहर से जब उसकी मां घर लौटी, तो उसने चंचल को कमरे में पंखे से लटकता देखा। मां ने इस बात की जानकारी पिता और पड़ोसियों को दी। घर पहुंचे अशोक ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने चंचल के शव को फांसी के फंदे से उतार कर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पिता अशोक यादव ने बताया कि चंचल ने कब, कैसे और किन परिस्थितियों में आत्महत्या की, उसे भी पता नहीं है। बेटी ने उससे कभी किसी समस्या का जिक्र नहीं किया। फिलहाल पुलिस की जांच के बाद ही आत्महत्या की वजहों का पता चल सकेगा।

सतनामी कल्याण समिति की बैठक आज

कोरबा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। कोरबा सतनामी कल्याण समिति की बैठक 5 अगस्त को दोपहर 3 बजे सतनाम भवन में आयोजित है। बैठक में ममतामई मिनीमाता की 51वीं पुण्यतिथि एवं राजा गुरु बालक दास की जयंती मनाने चर्चा की जाएगी। समिति के जीएल बंजारे ने सभी पदाधिकारियों एवं सभी सदस्यों, राज महंत, भंडारी को बैठक में उपस्थित होने आग्रह किया है।

जिले में अब तक 600.5 मिलीमीटर औसत वर्षा

कोरबा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। जिले में 01 जून से अब तक 600.5 मिमी औसत वर्षा हो चुकी है। जिले में बीते 10 वर्षों की तुलना में 04 अगस्त तक औसत वर्षा 581.0 मिमी हुई है। बीते दिवस जिले में 38.2 मिमी वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से अब तक तहसील कोरबा में 566.1 मिमी, भैंसमा में 734.0 मिमी, करतला में 602.4 मिमी, कटघोरा में 714.0 मिमी, दर्री में 642.6 मिमी, पाली में 562.4 मिमी, हरदीबाजार में 430.6 मिमी, पोड़ी-उपरोड़ा में 593.0 मिमी एवं पसान में 559.8 मिमी वर्षा हो चुकी है। अब तक सर्वाधिक वर्षा भैंसमा तहसील में दर्ज की गई है।

सार-संक्षेप

गंगोटी- शिवपुर सड़क निर्माण के लिये 7.42 करोड़ की स्वीकृति

सूरजपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। संसदीय सचिव एवं भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े की निरंतर प्रयास से भटगांव विधानसभा क्षेत्र में निरंतर सड़क, पुल, पुलिया का निर्माण हो रहा है, और आवागमन सुदृढ़ हो रहा है। इसी कड़ी में श्री राजवाड़े के प्रयास से भैयाथान ब्लाक के जलम पंचायत गंगोटी से शिवपुर के बीच पहुंच मार्ग में बीटी सड़क निर्माण हेतु छत्तीसगढ़ शासन से 7 करोड़ 42 लाख रूपए की प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। जिससे क्षेत्र में हर्ष का माहौल व्याप्त है।

ज्ञात हो कि गंगोटी सड़क की मांग ग्रामवासियों द्वारा अपने विधायक पारसनाथ राजवाड़े से किया गया था। ग्रामीणों की मांग का समर्थन करते हुए विधायक श्री राजवाड़े ने जल्द ही मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया था। संसदीय सचिव व भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े ने छत्तीसगढ़ सरकार से पहल कर सड़क निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति दिला दी है। लोक निर्माण विभाग के द्वारा जारी आदेश में गंगोटी से शिवपुर नवापारा पहुंच मार्ग जिसकी लंबाई 5.10 किलोमीटर है, उसमें बीटी सड़क निर्माण कार्य हेतु 7 करोड़ 42 लाख 65 हजार रूपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। इस स्वीकृति के पश्चात उक्त रोड के निर्माण का मांग प्रशस्त हो गया है, तथा क्षेत्रवासियों को उक्त स्थान पर जल्द ही सुंदर और मजबूत सड़क का उपहार मिलेगा। भटगांव विधायक एवं संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े ने कहा है कि इसका टेंडर जल्द निकाल कर जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ करवा जाएगा। उन्होंने कहा की भटगांव के विकास के लिए भूपेश सरकार हमेशा प्रतिबद्ध रहेंगे।

विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी में जुटा प्रशासन



मनैंद्रगढ़, 4 अगस्त (देशबन्धु)। विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त की तैयारी के संबंध में कलेक्टर सभाकक्ष में शुक्रवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन के दिग्दर्शनानुसार विश्व आदिवासी दिवस के गरिमायुयी आयोजन के लिए विभिन्न विभागों को रायच सौंपा गया। विभागों के द्वारा सभी की सहमति से कार्यक्रम की नियत रूपरेखा तय की गई। बैठक में भरतपुर सोनहत विधायक गुलाब कमरो, कलेक्टर नरेंद्र दुग्गा, एसडीएम मनैंद्रगढ़ श्रीमती अभिलाषा पैकरा, डीएसपी राकेश कुर्रे, जनपद उपाध्यक्ष राजेश साहू, सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष शरण सिंह, संरक्षक परमेश्वर सिंह तथा अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

फॉर्टिफाइड राइस के बारे में लोगों को करें जागरूक



मनैंद्रगढ़, 4 अगस्त (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह बाबरा की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टर सभाकक्ष में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो, मनैंद्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल, कलेक्टर नरेंद्र दुग्गा भी उपस्थित थे।

बैठक में जिला खाद्य अधिकारी संजय ठाकुर ने जिले में राशन दुकानों की वर्तमान स्थिति के बारे विस्तृत जानकारी दी। अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह बाबरा ने पीडीएस के संबंध में प्राप्त शिकायतों और उसके निराकरण के संबंध में आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दुकानों में राशन वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फॉर्टिफाइड राइस के लिए आमजनों को जागरूक करने सभी पीडीएस दुकानों में फ्लैक्स बैनर लगाना सुनिश्चित करें। पीडीएस दुकानों में सभी आवश्यक पंजी संघारित करना सुनिश्चित करें। सभी स्कूल-छात्रावास और आश्रम शाला में खाद्य विभाग का हेल्थलाइन नंबर और जानकारी डिस्प्ले होना चाहिए। भवन विभाग पीडीएस दुकानों का चिह्नंकन करके नये भवन निर्माण के लिए शासन को प्रस्ताव भेजें। श्री बाबरा ने महिला एवं बाल विकास विभाग को बच्चों के पोषण आहार पर विशेष ध्यान देने की बात कही। बैठक में क्षेत्रीय विधायक गुलाब कमरो और डॉ. विनय जायसवाल ने भी खाद्य विभाग के सुदृढ़ीकरण के लिए अपने विचार व्यक्त किए। कलेक्टर श्री दुग्गा ने पीडीएस दुकानों में टॉल फ्री नंबर चप्पा करने और दुकानों में खाद्य पदार्थों की सही स्टैकिंग करने आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में खाद्य आयोग के सदस्य और अधिकारीगण तथा अन्य जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वनमाली सृजन पीठ का चतुर्थ राष्ट्रीय सम्मेलन भोपाल में

मनैंद्रगढ़, 4 अगस्त (देशबन्धु)। सुप्रसिद्ध कथाकार, शिक्षाविद एवं विचारक जगन्नाथ प्रसाद चौबे वनमाली के जन्मदिवस पर उनके रचनात्मक योगदान और स्मृति को समर्पित वनमाली सृजन पीठ भोपाल द्वारा दो दिवसीय चतुर्थ राष्ट्रीय सम्मेलन भोपाल में आयोजित किया जा रहा है। 01 एवं 02 अगस्त से साहित्यिक सांस्कृतिक रचना धर्मिता को बढ़ावा देने की विगत 30 वर्षों की परंपरा तथा आधुनिक आग्रहों के बीच संवाद तैयार करने की यह एक अविस्मरणीय सृजन यात्रा है। कोरिया अंचल से साहित्यकार योगेश गुप्ता, बीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, एवं गौरव अग्रवाल को इस राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने रचनात्मक वैचारिक अनुभव के साथ शामिल होने हेतु आमंत्रित किया गया है। वनमाली सृजन पीठ, हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के विस्तार के लिए लेखनरत साहित्यकारों को विगत 30 वर्षों से प्रतिष्ठित वनमाली राष्ट्रीय सम्मान, की परंपरा डाली है। इसमें वनमाली कथा शीर्ष सम्मान, राष्ट्रीय कथा सम्मान, प्रवासी भारतीय कथा सम्मान, तथा वनमाली विज्ञान कथा सम्मान एवं मध्य प्रदेश कथा सम्मान और युवा कथा सम्मान सहित पत्रकारिता सम्मान से अलंकृत किया जाता है। संपूर्ण भारतवर्ष में वनमाली सृजन पीठ की स्थापना की गई है जिसमें मध्यप्रदेश के भोपाल, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, देश की राजधानी दिल्ली, मध्य प्रदेश के खंडवा, बिहार में वैशाली, झारखंड के हजारीबाग, उत्तर प्रदेश के लखनऊ, सृजन पीठ मुख्यालय के माध्यम से साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास के नये आयाम तय किए हैं।

मतदान केन्द्रों में फॉर्म 6, 7 और 8 भरे जाने की कार्यवाही जारी

ईवीएम, मॉक पोल, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं को किया जा रहा है जागरूक

अम्बिकापुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जिले के प्रत्येक मतदान केन्द्र में अभिहित अधिकारी एवं बी.एल.ओ. की उपस्थिति में 1 अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं का



मतदाता सूची में जोड़ा जा रहा है, साथ ही मृत मतदाता व अन्यत्र निवास करने वाले मतदाताओं का नाम विलोपित किया जा रहा है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में ऐसे मतदाता

को वर्तमान में अन्यत्र निवास कर रहे हैं, उनका संबंधित मतदान केन्द्र में फॉर्म 08 भराया जाकर संशोधित कराने का कार्य भी किया जा रहा है। 12 अगस्त 2023 से प्रत्येक ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों

में फॉर्म भरवाने का कार्य आरंभ किया जा चुका है। जिसके तहत नये मतदाताओं का नाम जोड़ा एवं विलोपित करने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को जागरूक करने हेतु जिला स्तर पर मॉक पोल, नुक्कड़ नाटकों का क्रियान्वयन भी किया जा रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास

किया जा रहा है। स्वीप के सहायक नोडल अधिकारी ने बताया है कि मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु तहसील व विकासखण्ड स्तर पर ई.वी.एम. मशीनों का प्रदर्शन एवं मॉक पोल का अभ्यास लोगों से कराया जा रहा है। ताकि लोग मतदान की प्रक्रिया को समझ कर वास्तविक मतदान के समय स्वयं को सहज कर सकें। इसी क्रम में भावी मतदाताओं को जागरूक करने हेतु सर स्वती शिशु विद्यालय अम्बिकापुर में मॉक पोल करवाया गया। इसके साथ ही कलेक्टर परिसर व तहसील कार्यालय

अम्बिकापुर में भी ई.वी.एम. प्रदर्शन केन्द्र (ई.पी.सी.) बनाकर परिसर में आने वाले नागरिक जनों व ग्रामीणों द्वारा लगातार मतदान अभ्यास कराया जा रहा है। विकासखण्ड स्तर पर भी ई.वी.एम. वैन के माध्यम से सभी मतदान केन्द्र घर बाजार और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में जाकर लोगों को ई.व्ही.एम. से परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है। आगामी विकासखण्ड चुनाव में मतदान प्रक्रिया के सुचारू क्रियान्वयन के लिये मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

स्टेट सीनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप में रायपुर सिरमौर

यश, आयुष, सुजय, तनु व हर्षिता बने स्टेट चैम्पियन

दुर्ग, बिलासपुर, सरगुजा का उत्कृष्ट प्रदर्शन

सूरजपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। योनेक्स सनराईज 22 वें स्टेट सीनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप का मुकाबला भारी कशमकश के बीच संपन्न होने के साथ यश योगी बिलासपुर, आयुष मखीजा, सुजय तंबोली रायपुर, तनु चंद्रा यूनिवर्सिटी क्लब रायपुर, हर्षिता अग्रवाल यूनिवर्सिटी क्लब रायपुर ने स्टेट बैडमिंटन चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चैम्पियनशिप के अलग-अलग वर्गों में जीत हासिल करते हुए टूर्नामेंट अपने नाम किया।

उल्लेखनीय है कि 29 जुलाई से जिला बैडमिंटन संघ सूरजपुर के आतिथ्य में स्टेट बैडमिंटन एसोसिएशन के द्वारा सीनियर स्टेट चैम्पियनशिप आहूत थी। 102 अगस्त को स्पर्धा के अंतिम दिन फाइनल के मुकाबले में बैडमिंटन खिलाड़ियों ने भारी कशमकश के साथ खिताब अपने नाम किया। उल्लेखनीय है कि इस चैम्पियनशिप में पूरे प्रदेश से लगभग 200 से ऊपर वरियता प्राप्त खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और आपने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। 29 जुलाई को प्रारंभ हुए चैम्पियनशिप में 02 दिनों तक ट्रायल व चालीफाइनल मैच संपन्न हुए। इसके उपरांत मेन ड्रा के मैचों में चैम्पियनशिप के समस्त में संपन्न हुए। जिसमें चार्टर फाइनल और सेमीफाइनल के बाद फाइनल में



पहुंचे खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ स्टेट की टीम में शामिल होने का गौरव प्राप्त किया। इस दौरान सूरजपुर जिले के पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलेसिला, एसडीएम रवि सिंह व सेंट्रल ऑफ बैंक ऑफ इंडिया के सीनियर शाखा प्रबंधक राजीव रंजन एवं अल्ट्राटेक सीमेंट के अधिकारियों व डीलर की उपस्थिति में पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ। संपन्न हुए टूर्नामेंट में बिलासपुर के यश योगी ने एकल के मुकाबले में विजेता तथा रायपुर के जयादित्य प्रताप सिंह ने उपविजेता रहे। वहीं युगल में रायपुर के आयुष माखीजा व सुजय तंबोली विजेता तथा दुर्गा के एमवी अभिषेक व सरगुजा के परमजीत सिंह खड्डा उपविजेता रहे। महिला वर्ग के एकल मुकाबले में यूनिवर्सिटी क्लब रायपुर की तनु चंद्रा विजेता व यूनिवर्सिटी क्लब की हिरल चौहान उपविजेता रही। मिश्रित युगल में आयुष माखीजा व हर्षिता

बैडमिंटन संघ ने किया आभार व्यक्त

बैडमिंटन टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव संदीप अग्रवाल ने समस्त प्रायोजकों का आभार व्यक्त करते हुए मिले सहयोग के लिए उन्हें साधुवाद व्यक्त किया है। उन्होंने पीआरए ग्ग्रुप, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, एस ई सी एल प्रबंधन, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, सेंट्रल बैंक, नगर पालिका परिषद सहित पार्षद व एडवोकेट सहित नगर के व्यापारिक संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगरवासियों व प्रशासन के सहयोग से ही इतने बड़ा आयोजन संपन्न हो पाया है।

अग्रवाल, निरकल मित्तल, मनोज मित्तल, पिंटू अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, फिरदौस रजा, अनुज गुप्ता, संजित सिंह, सुमित मित्तल, उमेश गुप्ता, रूपेश भगत, नीरज निगम, मुन्ना जिंदिया, रूपेश भगत सहित बैडमिंटन संघ टीम सक्रिय रही। सभी विजेता व उप विजेता खिलाड़ियों सहित चार्टर फाइनल, सेमी फाइनल के खिलाड़ियों को नगद व विनर-रनर ट्राफी से सम्मानित किया गया स्टेट बैडमिंटन चैम्पियनशिप के दौरान शहर में भी 5 दिनों तक खेलों का वतावरण बना

बचपन प्ले स्कूल में हुई फैसी ड्रेस प्रतियोगिता

मनैंद्रगढ़, 4 अगस्त (देशबन्धु)। शहर के प्रतिष्ठित विद्यालय बचपन प्ले स्कूल में फैसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा यूकेजी, एलकेजी, नर्सरी एवं प्लेग्रुप के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

जिसमें कक्षा यूकेजी के लिए अनेकता में एकता विषय रखा गया। तथा एलकेजी के छात्र-छात्राओं के लिए संस्कृति एवं परंपरा का विषय रखा गया। इसी प्रकार कक्षा नर्सरी एवं प्ले ग्रुप में प्रकृति का विषय रखा गया। जिसमें कक्षा यूकेजी-अ से सानवी अग्रवाल प्रथम, पूषा रमन द्वितीय अन्वी मुखर्जी एवं विराज पोद्दार तृतीय स्थान पर रहे। इसी



क्रम में यूकेजी-ब से अपेक्षा सोनी प्रथम सार्थक अग्रवाल द्वितीय एवं परी अग्रवाल तृतीय स्थान पर रहे। इसी तरह कक्षा एलकेजी-अ से एम.डी शेख जायान प्रथम, नय्या सिंह द्वितीय एवं अर्यांकिता अग्नि सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

कलेक्टर ने छात्रावासों की रसोई देखी, छात्र-छात्राओं से पूछी समस्या

बैकुण्ठपुर, 4 अगस्त (देशबन्धु)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज आदर्श बालक छात्रावास, जमनीपारा तथा प्री. मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास, पटना का औचक निरीक्षण करते हुए वहां के छात्र-छात्राओं से विभिन्न समस्याओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण करते हुए सीधे बच्चों से जानकारी लेते हुए कक्षा आठवीं के छात्र शिवकुमार से पूछा कि यहाँ मच्छरदानी है? बिस्तर साफ होते हैं? भोजन समय पर और ताजा मिलती है? छात्र ने बहुत ही आत्मविश्वास के साथ कलेक्टर को बताया कि ये सभी चीजें समय पर मिल जाती है। कोई परेशानी नहीं है। एक अन्य छात्र से सवाल करते हुए कलेक्टर लंगेह ने जानना चाहा कि यहाँ खेल सामग्री मिलती है कि नहीं, खेलने जाते हो कि नहीं छात्र ने बताया कि हम लोग क्रिकेट, बॉलीबाल खेलते हैं साथ ही क्रिकेट, बालीबाल और फुटबाल के सामान भी मिल जाता है।

कलेक्टर ने नल की पानी का लिया स्वाद- लगातार बारिश होने की वजह से पानी प्रदूषित होने की आशंका बनी होती



है। अधीक्षक से जानकारी लेने पर तत्काल नल के पानी को हाथ में लेकर स्वाद लिया और उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि किसी भी हालत में प्रदूषित पानी का सेवन न किया जाए। क्लोरोन दवाई और साफ-सफाई का विशेष रखने के निर्देश भी दिए। किचन में जाकर खाद्य व अनाज का किया निरीक्षण- श्री लंगेह ने रसोईघर में जाकर खाद्य सामग्री को व्यवस्थित रखने के



निर्देश दिए। सविज्यों को सूखे स्थान पर रखने, पानी से अच्छी तरह से साफ-सुथरा करके सब्जी बनाने के निर्देश भी दिए। डॉक्टर-पुलिस बन्गू-कलेक्टर लंगेह ने प्री. महिला छात्रावास में रहने वाली कुमारी सालनी से पूछा कि बड़े होकर क्या बनोगी तो तपाक जवाब देते हुए बोली

कि मैं बड़े होकर डॉक्टर बन्गू की कक्षा दसवीं में अध्ययनरत कुमारी फुलेश्वरी ने बड़े होकर पुलिस ऑफिसर बनने की बात कही। इस पर कलेक्टर श्री लंगेह ने छात्र-छात्राओं को उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पेन-पुस्तक की ताकत बहुत होती है, ऐसे में आप लोग खूब मन लगाकर पढ़ाई करें निश्चित ही एक दिन पुलिस, डॉक्टर, कलेक्टर जरूर बनोगी।

जोन स्तर के विजेता खिलाड़ी अब विकासखण्ड एवं नगरीय क्लस्टर में दिखाएंगे प्रतिभा

छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक

हर आयुवर्ग के खिलाड़ियों को हुनर दिखाने का मिल रहा मौका

अम्बिकापुर 4 अगस्त (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक 2023-24 के तहत क्लब और जोन स्तर पर प्रतियोगिता सम्पन्न हो चुकी है। 7 अगस्त से विकासखण्ड एवं नगरीय क्लस्टर स्तर पर खेल प्रतिस्पर्धा शुरू होगी। हरेली त्योहार के दिन से शुरू हुए छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में 6 चरणों में लगभग ढाई महीनों तक चलने वाली प्रतियोगिता की चर्चा चारों ओर दिख रही है। सभी में पारम्परिक खेलों के प्रति अत्यंत



उत्साह है। जहाँ एक ओर जीत हासिल करने वाले खिलाड़ी जश्न मना रहे हैं, वहीं अन्य प्रतिभागियों का कहना है इन पारम्परिक खेलों में हिस्सा लेना ही हमारे लिए गर्व की बात है, शासन के प्रयास

से राज्य के इन खेलों को नई पहचान मिल रही है। राजीव युवा मितान क्लब स्तर पर शुरू हुई यह स्पर्धा अब जोन स्तर की स्पर्धा खत्म होने के बाद विकासखण्ड एवं नगरीय क्लस्टर स्तर पर पहुंच गई है। पहले चरण में राजीव युवा मितान क्लब स्तर की प्रतियोगिता ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में 17 जुलाई से 22 जुलाई तक आयोजित की गई थी। वहीं 26 जुलाई से 31 जुलाई तक जोन स्तर पर प्रतियोगिताएं हुईं, अब ग्रामीण क्षेत्रों में विजेता प्रतिभागी एवं दल आयुवार एवं वर्गवार विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता में एवं शहरी क्षेत्रों में विजेता प्रतिभागी एवं दल आयुवार एवं वर्गवार नगरीय

क्लस्टर स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिसका आयोजन 7 अगस्त से 21 अगस्त तक होगा। चौथा चरण जिला स्तर पर आयोजन 25 अगस्त से 04 सितंबर तक, पांचवें चरण संभाग स्तर पर आयोजन 10 सितंबर से 20 सितंबर तक और अंतिम में राज्य स्तर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। जिसका आयोजन 25 सितंबर से 27 सितंबर तक होगा। 16 प्रकार के खेलों में हर आयुवर्ग के खिलाड़ियों को हुनर दिखाने का मिल रहा मौका-छत्तीसगढ़ के पारम्परिक खेल प्रतियोगिता दलीय व एकल दो श्रेणी में आयोजित होगी। छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में

दलीय श्रेणी में गिळ्डी डंडा, पिड्डल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी और बाटी (कंचा) की सभी खेल विधाएं शामिल की गई हैं। वहीं एकल श्रेणी की खेल विधा में बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवर, 100 मीटर दौड़, लम्बी कूद, रस्सी कूद एवं कुश्ती शामिल हैं। छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में आयु वर्ग को तीन वर्गों में बांटा गया है। इसमें प्रथम वर्ग 18 वर्ष की आयु तक, दूसरा वर्ग 18-40 वर्ष आयु सीमा तक और तीसरा वर्ग में 40 वर्ष से अधिक उम्र के प्रतिभागी शामिल होंगे। इस प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष दोनों वर्ग में प्रतिभागी भाग ले सकेंगे।

सार-संक्षेप

बाढ़ राहत के लिए कलेक्टर डॉ सिद्दीकी ने ली विभागीय बैठक



सारंगढ़, 4 अगस्त (देशबन्धु)। कलेक्टर डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी ने पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला प्रशासन जिले के बाढ़ से प्रभावित गांवों के ग्रामीणों के व्यवस्थापन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता, आपदा से जुड़े समस्याओं के समाधान के बारे में राजस्व, स्वास्थ्य, पुलिस, स्कूल शिक्षा, जल संसाधन, बिजली, पंचायत, पीडब्ल्यूडी, नगरीय निकाय, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों से चर्चा की।

कलेक्टर और एसपी ने आपदा से जुड़े जिले के गांवों की स्थिति, पानी भरवा, पानी के कारण टापू जैसे स्थिति बनने वाले गांव के बारे में सभी अधिकारियों से यथा स्थिति की जानकारी ली। डॉ सिद्दीकी ने सभी विभागों को बाढ़ आपदा के दौरान विभाग की तैयारी के बारे में जानकारी ली। बैठक में अपर कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, एसपी महेश्वर नाग, एसडीएम मोनिका वर्मा, डॉ स्निधा तिवारी, नोडल अधिकारी हरिशंकर चौहान, सीएमएचओ डॉ एफ आर निराला, डिप्टी कलेक्टर और जिले के बाढ़ राहत नोडल अधिकारी टी आर महेश्वरी, जिला शिक्षा अधिकारी डेजी रानी जांगड़े, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एस के गुप्ता, एसडीओपी पुलिस स्नेहिल साहू, सीएसडीबी के प्रभारी अधिकारी नरेंद्र नायक, सीईओ अभिषेक बनर्जी, सीएमओ राजेश पांडेय, मनीष गायकवाड़, जिले के सभी तहसीलदार और थाना प्रभारी आदि बैठक में शामिल हुए।

टीमरलगा-बरमकेला रोड पर बह रहा तीन फीट पानी



सारंगढ़, 4 अगस्त (देशबन्धु)। जिले में लगातार बारिश से टीमरलगा लात नाला बरमकेला मार्ग बंद होने से फसे हुए नागरिकों को परेशानी हो रही है। जोकिम में डाल कर लोग नाव से नदी पार कर रहे हैं। कलेक्टर, एसडीएम क्षेत्र का लगातार दौरा कर रहे हैं। आज नोडल अधिकारी टी.आर.महेश्वरी ने नाव में सवार होकर बाढ़ क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

व्यापारियों की समस्याओं को लेकर चेम्बर प्रतिनिधिमंडल मुख्य सचिव से मिला



खरसिया, 4 अगस्त (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने चेम्बर की प्रमुख मांगों को लेकर मंत्रालय में मुख्य सचिव अमिताभ जैन से मुलाकात की। मुख्यसचिव ने मांगों पर उचित कदम उठाने की बात कही।

चेम्बर इकाई खरसिया अध्यक्ष रामनारायण सोनी सन्ती ने बताया कि चेम्बर भवन हेतु रियायती दर पर भूमि उपलब्ध कराने छोटे व्यापारियों को हाफ बिजली बिल योजना के तहत शामिल करने महत्वकांक्षी योजना "होलसेल कॉरिडोर" को शीघ्रतापूर्वक मूर्त रूप प्रदान करने प्रदेश स्तर पर स्मार्ट बाजार योजना का क्रियान्वयन नियमितोकरण योजना को 31 मार्च 2024 तक बढ़ाने थोक बाजार सरदार वल्लभ भाई पटेल मार्केट की फ्रीहोल्ड शुल्क से संबंधित समस्या के निराकरण बाबत, राज्य में औद्योगिक प्रयोजन हेतु "भू जल दोहन" जल-क्रा का युक्तियुक्तकरण व्यापारिक संस्थानों में विद्युत वितरण कर्षण-द्वारा मल्टीकनेक्शन बिजली मीटर देने पंढरी में जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क डूमरतराई थोक किराना एवं अनाज बाजार में पानी व्यवस्था नियमित करने बाबत, मंडी शुल्क एवं कृषक कल्याण शुल्क में ट्रेडर्स व्यापारियों को छूट देने किराना एवं दलहन आयातकों पर कृषि मंडी एवं कृषक कल्याण शुल्क में छूट आदि के संबंध में चर्चा की इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, डाक्टर राकेश गुप्ता कार्यकारी अध्यक्ष-राजेन्द्र जग्गी, मनमोहन अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

सत्य की हमेशा विजय होती है- मंजू सिंह

जांजगीर, 04 अगस्त (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरकार के मामले में राहत देते हुए फिलहाल सजा पर रोक लगा दी है। इसके बाद से ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है, पार्टी के आम कार्यकर्ता से लेकर संगठन के पदाधिकारी सर्वोच्च न्यायालय के आज के फैसले का स्वागत करते हुए जगह जगह मिठाइयां और आतिशबाजी कर रहे हैं। इस मुद्दे पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संत्रिमाण कर्मकार मंडल सदस्य श्रीमती मंजू सिंह ने कहा कि सत्य की हमेशा विजय होती है यह एक बार फिर देश के सर्वोच्च न्यायालय के आज के आदेश से साबित हुआ है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के डरो मत के नारे को भी कोड करते हुए कहा कि उनका यह बयान पार्टी कार्यकर्ताओं में हर बार नई ऊर्जा भर देता है। आज के सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने पार्टी के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया है। वही श्री गांधी के खिलाफ झूठ पड़व्यं रचने वालों के गाल पर जोरदार तमाचा है हमारे नेता राहुल गांधी के द्वारा केंद्र की भाजपा सरकार के गलत नीतियों का बेबाकी से विरोध किए जाने के चलते देशवासियों से मिल रहे अभूतपूर्व जन समर्थन से घबराकर केंद्र की भाजपा सरकार एवं नरेंद्र मोदी के द्वारा पड़व्यं करके राहुल गांधी की सदस्यता को समाप्त करने का कुत्सित प्रयास किया गया था, लेकिन जिस प्रकार कितना भी घनघोर अंधेरा हो वह सूरज की रोशनी को नहीं रोक सकता वैसे ही भाजपा चाहे जितना भी प्रयास कर ले वह भारत की जनता का राहुल गांधी पर जो विश्वास व निष्ठा है उसे कभी भी समाप्त नहीं किया जा सकता है।

निविदा निर्धारित तिथि बीतने के सप्ताह भर बाद भी खोली नहीं जा सकी

जांजगीर, 04 अगस्त (देशबन्धु)। शासन की स्कूल जतन योजना अंतर्गत स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य को लेकर जिम्मेदार ग्रामीण यांत्रिकी विभाग किसी प्रकार गंभीर नहीं है। स्थिति यह है कि आधा सैकड़ से अधिक स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए आमंत्रित की गई निविदा को निर्धारित तिथि बीतने के सप्ताह भर बाद भी खोला नहीं जा सका है। इसको लेकर जहां कार्य प्रारंभ होने में देरी हो रही है तो वही अनावश्यक विलंब को लेकर निष्पक्षता पर सवाल भी उठने लगे हैं।



गौरतलब है कि स्कूल जतन योजना अंतर्गत जिले के 7 सौ से अधिक स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य होना है। इसके लिए शासन द्वारा कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग जांजगीर को निर्माण एजेंसी बनाया गया है। अलग-अलग समूहों में निविदा आमंत्रित कर कार्य कराया जाना है। इसी कड़ी में तकरीबन 57 स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए बीते 10 जुलाई को निविदा आमंत्रित की गई थी, वहीं 7 जुलाई को 10 समूहों में आवंटित अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य की ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की गई थी। दोनों निविदा को खोलने की तिथि क्रमशः 27

जुलाई और 28 जुलाई को निर्धारित की गई थी, लेकिन जिम्मेदार विभाग तिथि बीतने के सप्ताह भर बाद भी निविदा खोलने की प्रक्रिया को पूर्ण नहीं कर सका है। दफ्तर में अधिकारी के कक्ष में मैनुअल मिले सभी फार्म फैला कर रखे गए हैं और छंटनी का काम हो रहा है। इसके अलावा ऑनलाइन आवेदन को भी अभी खोले जाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। दूसरी ओर विभागीय सूत्रों की माने तो सारा खेल सेटिंग को लेकर हो रहा है। सूत्र बताते हैं कि ऑनलाइन

आमंत्रित 28 लाख 16 हजार के 10 समूहों के कार्य में चहते ठेकेदारों को उपकृत करने की तैयारी हो रही है, तो दूसरी ओर आवेदनों में 7 से लेकर 14 लाख तक के 34 समूहों के कार्यों में भी अपने-अपनों को लाभान्वित करने का प्रयास हो रहा है। बताया जाता है कि कई ठेकेदारों ने 10 से लेकर 17 प्रतिशत तक नीचे दरों पर कार्य करने आवेदन जमा किया है, परंतु सेटिंग के जरिए इस कार्य को 1-2 परसेंट में कराने की तैयारी हो रही है। यही नहीं इसमें

शामिल नहीं होने वालों को अपने जमा किए गए आवेदन पत्रों में कुछ ना कुछ कमी बताकर उन्हें अपात्र करने की आशंका भी है। बहरहाल वास्तविकता चाहे जो भी हो लेकिन निविदा आमंत्रित करने के बाद उसे ओपन करने की तिथि बीतने के सप्ताह भर बाद भी यह प्रक्रिया पूर्ण नहीं होने की स्थिति में एक ओर जहां स्कूल जतन योजना के कार्य में अनावश्यक विलंब हो रहा है तो वहीं दूसरी ओर विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

कैसे होगा 30 सितंबर तक निर्माण कार्य पूरा

इसी सप्ताह आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर रिचा प्रकाश चौधरी ने स्कूल जतन योजना के कार्यों की समीक्षा की थी। इस दौरान हो रहे अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य को हर हालत में 30 सितंबर तक पूर्ण करने के आदेश दिए हैं। ताकि बच्चों को चालू शिक्षा सत्र में ही इसका लाभ मिल सके। लेकिन जिम्मेदार निर्माण एजेंसी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग को कलेक्टर के आदेश की परवाह नहीं है। स्थिति यह है कि स्कूल जतन योजना अंतर्गत अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए विभाग द्वारा जुलाई महीने में निविदा आमंत्रित की गई है जिसकी प्रक्रिया 28 जुलाई तक पूरी होनी थी, लेकिन निर्धारित तिथि को निविदा ओपन होना तो दूर सप्ताह भर बाद भी ओपन नहीं हो पाया है। इसके अलावा पूर्व में जो निविदा निकाली गई थी, उनके कार्य भी मंथर गति से चल रहे हैं। ऐसे में चालू शिक्षा सत्र में इस योजना अंतर्गत बन रहे अतिरिक्त कक्ष का लाभ बच्चों को मिले पाएगा, यह कहना मुश्किल है।

जिला प्रशासन द्वारा भले ही 30 सितंबर तक कार्य पूर्ण करने की बात कही जा रही हो, लेकिन निविदा की प्रक्रिया में यह संभव नहीं है। 20 लाख से ऊपर के काम 6 महीने में पूर्ण करने हैं और 20 लाख से कम के काम के लिए 4 महीने की निर्धारित अवधि होती है। रही बात निविदा खोलने की तो इसमें समय लगता है। दस्तावेजों की जांच होती है। 28 तारीख से फॉर्म ओपन कर रहे हैं, सोमवार तक यह प्रक्रिया पूरी हो सकती है। इसके बाद विधिवत वर्क आर्डर जारी होगा। जिसमें समय लगेगा। नरसिंह सिदार कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग जांजगीर चाम्पा

सेजेज स्कूलों में डिजिटलीकरण की उपयोगिता पर प्रशिक्षण प्रारंभ करने के लिए निर्देश

जांजगीर, 04 अगस्त (देशबन्धु)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने मुख्य सचिवों के तृतीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस की तैयारी के संबंध में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, महिला एवं बालविकास विभाग, पंचायत विभाग एवं बैंक शाखा प्रबंधक की संयुक्त बैठक बैठक ली। बैठक में मुख्य रूप से सुशासन और प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ जीवन जीने में सुगमता को बढ़ावा देने हेतु बच्चों तथा पालकों के लिए संचालित आनलाइन योजनाओं एवं भविष्य में संचालित किये जाने वाली योजनाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। भौतिक रूप से दस्तावेजों को बनाने में काफी समय तथा अनेक व्यवहारिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, इसे यदि आनलाइन के माध्यम से बच्चों को सुविधा प्रदान की जाए, तो बेहतर लाभ मिल सकता है। विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं में ट्रांसफर सर्टिफिकेट, मार्कशीट, माइग्रेसन सर्टिफिकेट जारी करने के संबंध में मार्कशीट का सत्यापन, आनलाइन परीक्षा प्रणाली, बच्चों का शाला में प्रवेश हेतु शालाओं की साझेदारी, विद्यार्थियों का आधार रजिस्ट्रेशन, शैक्षिक सर्टिफिकेट के लिए डीजीलाकर की उपयोगिता का प्रचार-प्रसार के साथ विद्यार्थियों की अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु प्रयास, सीखने के परिणामों को टेक्नोलॉजी का उपयोग कर बेहतर बनाया जा सकता है।



बैठक में कलेक्टर द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सभी स्वामी आत्मानंद स्कूलों में डिजिटलीकरण की उपयोगिता एवं आनलाइन योजनाओं का लाभ हेतु प्रशिक्षण प्रारंभ करने के साथ-साथ सभी विद्यालयों में भी प्रचार-प्रसार प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर को दिये गये। बैठक में डॉ ज्योति पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा सभी अधिकारियों को शालाओं में अधोसंरचना एवं भौतिक सुविधाओं हेतु स्कूल शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग आदि विभिन्न मंडों से प्राप्त राशि का सदुपयोग करना तथा कार्यों की लगातार मानिट्रिंग करने के निर्देश दिये गये। बैठक में जिला नोडल अधिकारी संदीप ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, शाखा प्रबंधक जिला मिशन समन्वयक ए.पी.सी. सर्व विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं विकास स्रोत समन्वयक, समग्र शिक्षा के अधिकारीगण उपस्थित थे।

अटारी जबलपुर के वैज्ञानिकों का भ्रमण

जांजगीर, 04 अगस्त (देशबन्धु)। कृषि तकनीकी अनुसंधान अनुप्रयोग संस्थान जबलपुर से आए वैज्ञानिक डॉ. हरीश एवं शिवम मिश्रा ने कृषि विज्ञान केंद्र जांजगीर की विभिन्न गतिविधियों का भ्रमण के साथ ही साथ ग्राम महर्त में प्रगतिशील कृषक दुष्यंत सिंह के नाम से सुगंधित धान रामजीरा की खेती का निरीक्षण किया। प्रगतिशील कृषक चंद्रमणि राठौर के फार्म में आयोजित कृषक संगोष्ठी में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. राजीव दीक्षित व शशीकांत सूर्यवंशी सहित डॉ. हरीश व शिवम मिश्रा ने कृषकों से परिचर्चा कर धान की खुरां बोनी, लेई पद्धति, रोपा विधि व खरपतवार नाशको के प्रयोग की विधि से कृषकों को रूबरू कराया। तत्पश्चात कृषि विज्ञान केंद्र के मार्गदर्शन

सड़क दुर्घटना से बचाव

जांजगीर, 04 अगस्त (देशबन्धु)। राष्ट्रीय एवं राजकीय राजमार्गों में घुमन्तु पशुओं को सड़क दुर्घटना से बचाव के संबंध में जिले के प्रमुख राजमार्गों में घुमन्तु पशुओं के गले में रिफ्लेक्टिव रेंडियम बेल्ट एवं टैगिंग किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। पशुधन विकास विभाग के उपसंचालक डॉ. ए. एल. सिंह द्वारा बताया गया कि घुमन्तु पशुओं की सुरक्षा के तारतम्य मे जिले के सभी प्रमुख राजमार्गों हेतु 35 अलग-अलग विभागीय दल गठित कर पशुओं को सड़कों से हटाकर गौठानों, गौशालाओं तथा अस्थायी शेल्टर में व्यवस्थापन का कार्य किया जा रहा है। साथ ही इन्हें रेंडियम रिफ्लेक्टिव बेल्ट लगाकर टैगिंग किया जा रहा है, जिससे सड़कों पर इनके बैठने या आने से रात में वाहन चालको को दूर से पशुओं के होने का आभास हो सके तथा पशुओं को आवास नागरिकों को दुर्घटना की संभावनाओं से बचाया जा सके।

खेलों का भरपूर आनंद उठाया छत्तीसगढ़ वासियों ने

जांजगीर, 04 अगस्त (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के इस महाकुम्भ मे छत्तीसगढ़ी खेलों का भरपूर आनंद छत्तीसगढ़ वासियों ने उठाया इस अवसर को प्रदान करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार 'उक बातें' छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के जोन स्तर खेल के समापन अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव इंजीनियर रवि पाण्डेय ने कही। इंजी. पाण्डेय राजीव युवा मितान क्लब के निमंत्रण पर गौरव ग्राम सिवनी (नैला) पहुंचे। उन्होंने छत्तीसगढ़ी ओलंपिक के प्रति लोगों का खासकर छात्र-छात्राओं और महिलाओं का अभूतपूर्व उत्साह के लिए प्रतिभागियों को

कमान अधिकारी ने किया एनसीसी इकाई का निरीक्षण

अकलतरा, 04 अगस्त (देशबन्धु)। सातवां छत्तीसगढ़ बटालियन एनसीसी बिलासपुर के कमान अधिकारी कर्नल अभिताभ श्रीवास्तव एवं जेसीओ उदय सिंह रूपा नंबर 328 इकाई द्वारा आज अकलतरा एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित राजेंद्र कुमार सिंह उच्चतर माध्यमिक शाला अकलतरा की एनसीसी इकाई का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया शाला आगमन पर संचालक संस्था अकलतरा एजुकेशन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल सचिव ईश्वर खंडेलिया एवं अन्य सदस्यों के साथ शाला के प्राचार्य आरके विश्वकर्मा एवं द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया।

अमृत भारत स्टेशन स्कीम में जुड़ा जांजगीर-नैला एवं चाम्पा रेलवे स्टेशन

जांजगीर, 04 अगस्त (देशबन्धु)। छ.ग. विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल की अनुशंसा से भारत सरकार के रेल्वे मंत्रालय ने अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत छोटे स्टेशनों के आधुनिकीकरण योजना प्रारंभ किया गया है। क्षेत्रिय विधायक नारायण चंदेल के प्रयास से जांजगीर-नैला रेल्वे स्टेशन व चाम्पा रेल्वे स्टेशन को इसमें शामिल किया गया है। दोनों स्टेशनों के विकास कार्य, आधुनिकीकरण के लिये 15-15 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत किया गया है। इसके लिये पिछले माह नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने भारत सरकार के रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से दिल्ली स्थित रेल भवन में भेंट किया तथा जांजगीर-नैला व चाम्पा रेल्वे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन स्कीम में शामिल करने का आग्रह किया था व इससे संबंधित मांग पत्र भी दिया था। अमृत भारत स्टेशन स्कीम में दोनों स्टेशनों को शामिल किये जाने से इन स्टेशनों के विकास की एक नई प्रक्रिया प्रारंभ होगी तथा उक्त दोनों स्टेशनों का आधुनिकीकरण होगा, जिसमें सभी यात्रियों को लाभ मिलेगा तथा उक्त स्टेशनों में यात्रियों को सुविधा मिलेगी। क्षेत्रिय विधायक नारायण चंदेल के द्वारा किये गये उक्त प्रयास से इन दोनों स्टेशनों की कार्याकल्प की प्रक्रिया शीघ्र ही प्रारंभ होगी। जांजगीर-नैला व चाम्पा रेल्वे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन स्कीम में शामिल किये जाने पर दोनों गंगर एवं पूरे क्षेत्र व अंचल के आम नागरिकों, दैनिक रेलवे यात्री संघ, व्यापारीगण, छात्र-छात्राएँ तथा समाज के सभी वर्ग के लोगों ने आभार व्यक्त किया है।

चरवाहों को लगाकर पहुंचाएँ गौठान में मवेशी, नियमित करें पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण

जिपं सीईओ ने ली सचिवों की बैठक

जांजगीर, 04 अगस्त (देशबन्धु)। गांवों में पशुपालकों, किसानों के मवेशियों को चरवाहों के माध्यम से गौठान में पहुंचाने का कार्य करें, जिससे किसानों की फसलों को कोई नुकसान न हो, साथ ही मुख्य मांगों पर विवरण करने वाले आवाज पशुओं की रोकथाम करें। यह बात शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. ज्योति पटेल ने कही। इस दौरान उन्होंने गौठान में पहुंचने वाले पशुओं के लिए वेटेनरी विभाग को पशु स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाएँ और नियमित रूप से पशुओं की जांच करने के निर्देश दिए। जिपं सीईओ ने कहा कि रोका-छेका



की परंपरा के माध्यम से पशुओं को गौठान में पहुंचाया जा रहा है। इसके लिये जरूरी है कि ग्राम पंचायत सचिव सरपंच, रोजगार सहायक, गौठान समिति के

के लिए पैरा को सुरक्षित रखे और बारिश में पने के साफ पानी की व्यवस्था करें। इसके साथ ही पशु शेड की साफ-सफाई रखें, गंदगी होने से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि रोका-छेका का बेहतर क्रियान्वयन करने के लिए नियमित रूप से मुनादी कराई जाए और ग्राम पंचायत में बैठक कराएँ। उन्होंने सचिवों से कहा कि गौठान में की जा रही आजीविका गतिविधियों की जानकारी सतत रूप से भेजी जाए। उन्होंने इस दौरान पीएम सवाजी योजना के तहत हितग्राही को किस्त प्राप्त होने के बाद आवास का निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

पशुओं का परीक्षण रजिस्टर में करें दर्ज

जिपं सीईओ ने बैठक में कहा कि गौठान में पहुंचने वाले पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से किया जाए। बीमार होने पर पशुओं को अलग रखा जाए और इसकी सूचना डॉक्टर को देकर दवाई, इंजेक्शन आदि के माध्यम उसका इलाज किया जाए। उन्होंने कहा कि गौठान में आने वाला बीमार पशु किस तरह की बीमारी से ग्रसित है, इसकी जानकारी डॉक्टर से लेकर रजिस्टर में दर्ज करें, ताकि उसका निदान बेहतर हो सके। वेटेनरी विभाग अधिकारी ने जानकारी दी गई कि पशुओं को भीगने, कीचड़ में खड़े होने से बचाया जाए। पानी एवं कीचड़ में रहने से निमोनिया का खतरा बना रहता है।

तुर्किए ने 942 आतंकवादियों को किया निष्प्रभावी

अंकारा। तुर्किए ने जनवरी से अब तक 942 'आतंकवादियों' को 'निष्प्रभावी' किया है। यह जानकारी तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को एक रिपोर्ट में दी। गौरतलब है कि तुर्किये के अधिकारी अक्सर 'निष्प्रभावी' शब्द का उपयोग यह दर्शाने के लिए करते हैं कि 'आतंकवादियों' ने आत्मसमर्पण कर दिया है या मारे गए हैं या पकड़े गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इसके अलावा सुरक्षा बलों ने अवैध रूप से सीमा पार करने वालों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान अन्य 347 'आतंकवादियों' को गिरफ्तार किया है। तुर्किये के सुरक्षा बल वर्षों से देश भर में और पड़ोसी इराक तथा सीरिया में 'आतंकवादियों' के खिलाफ अभियान चला रहे हैं।

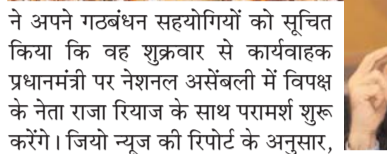
पाकिस्तान की नेशनल असेंबली 9 अगस्त को भंग होगी : शहबाज

इस्लामाबाद, 4 अगस्त (एजेंसियां)। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को अपने गठबंधन सहयोगियों से कहा कि नेशनल असेंबली (संसद के निचले सदन) को भंग करने की समरी 9 अगस्त को पेश की जाएगी।



प्रधानमंत्री ने अपने गठबंधन सहयोगियों के लिए देश की राजनीतिक स्थिति और आम चुनावों पर चर्चा की

प्रधानमंत्री ने अपने गठबंधन सहयोगियों के लिए आयोजित रात्रिभोज के दौरान यह आश्वासन दिया, जहां देश की राजनीतिक स्थिति और आम चुनावों पर चर्चा की गई। बैठक की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि प्रधानमंत्री



ने अपने गठबंधन सहयोगियों को सूचित किया कि वह शुरुवार से कार्यवाहक प्रधानमंत्री पर नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज के साथ परामर्श शुरू करेंगे। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि परामर्श दो से तीन दिनों के भीतर पूरा हो जाएगा। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 12 अगस्त को खत्म हो जाएगा और अगर यह अपना निर्धारित समय पूरा कर लेती है तो 60 दिनों के भीतर चुनाव कराए जाएंगे। हालांकि, संविधान कहता है कि यदि असेंबली अपना

कार्यकाल पूरा होने से पहले भंग हो जाती है तो चुनाव 90 दिनों के भीतर होने चाहिए। यदि 9 अगस्त को संसद के निचले सदन को भंग करने के लिए समरी पेश किया जाता है तो यह 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने के लिए पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के प्रति उत्तरदायी होगा। हालांकि, जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल असेंबली भंग होने से पहले सरकार और विपक्ष को कार्यवाहक प्रधानमंत्री के लिए एक नाम पर सहमत होने की जरूरत है। द न्यूज ने बताया कि पिछले महीने, पीएम शहबाज ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री के चयन और नेशनल असेंबली को भंग करने पर परामर्श करने के लिए पीएमएल-एन की पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था।

मुझे सेना ने बंधक बनाया : नाइजर के राष्ट्रपति

नियामे, 4 अगस्त (एजेंसियां)। नाइजर के राष्ट्रपति मोहम्मद बाजोम ने कहा है कि देश के सैन्य समूह ने उन्हें बंदी बना लिया है। 'वाशिंगटन पोस्ट' में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार श्री बाजोम ने अमेरिका तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय से नाइजर में संवैधानिक व्यवस्था को बहाल करने के लिए हस्तक्षेप करने की गुजारिश की है। श्री बाजोम ने कहा, मैंने बंधक लिखा है। नाइजर पर सैन्य समूह ने हमला किया है, जो हमारे लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं भी देश के उन सैकड़ों नागरिकों में शामिल हूँ, जिन्हें मनमाने और अवैध रूप से कैदी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि सैन्य तख्तापलट का कोई औचित्य नहीं है और यदि यह सफल होता है, तो इसके नाइजर और पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम होंगे।



अमेरिका व अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप करने की गुजारिश

उन्होंने ने अमेरिकी सरकार और पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय से नाइजर में संवैधानिक व्यवस्था बहाल करने में मदद करने का आह्वान किया। उनका दावा है कि तख्तापलट की साजिश रचने वालों ने झूठा दावा किया कि उन्होंने नाइजर की सुरक्षा की रक्षा के लिए काम किया। इसके अलावा श्री बाजोम ने दावा किया कि तख्तापलट के साजिशकर्ताओं और उनके क्षेत्रीय सहयोगियों के खुले निमंत्रण से संपूर्ण मध्य साहल क्षेत्र वैगनर समूह के माध्यम से रूसी प्रभाव में आ सकता है।

इसके अलावा श्री बाजोम ने दावा किया कि तख्तापलट के साजिशकर्ताओं और उनके क्षेत्रीय सहयोगियों के खुले निमंत्रण से संपूर्ण मध्य साहल क्षेत्र वैगनर समूह के माध्यम से रूसी प्रभाव में आ सकता है। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह की शुरुआत में विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि अमेरिका ने अभी तक ध्यान नहीं दिया है कि वैगनर समूह नाइजर में स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है।

सुडोकू 6277			
8	2		7
		4	3
	2		9
3		1	6
	1	8	2
	4	5	2
	8	6	
7			1

नियम :
 1. कुल 81 (9x9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3x3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
 2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
 3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।
हल आज ही के अंक में

यूएन में भारत ने पाकिस्तान से कहा
 संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा भूख हॉटस्पॉट में से एक के रूप में नामित होने के दौरान आतंकवाद का सहारा लेने पर भारत ने पाकिस्तान से कहा कि दूरसंचारों के खिलाफ आरोप लगाने के बजाय अपनी

अपनी समस्याओं पर दे ध्यान पाकिस्तान
 समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना सबसे अच्छा है। सुरक्षा परिषद में गुरुवार को खाद्य सुरक्षा पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान द्वारा कश्मीर मुद्दा उठाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन के

दैनिक पंचांग

24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 5 अगस्त , 2023 श्रावण कृष्ण पक्ष 4

राशिफल

मेघ - आप का दिन अस्वस्थता और चिंता में गुजरेगा। सर्दी, कफ और बुखार आपको हो सकता है। किसी का भला करने की जगह आज अपने काम में ही व्यस्त रहें। किसी से पैसों का लेन-देन न करें।

वृषभ - आज का दिन शुभ फलदायी है। धन वृद्धि तथा पदोन्नति होने के योग हैं। व्यापार के लिए किए गए सौदे में सफलता मिल सकती है। परिजनों तथा मित्रों के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मिथुन - आज का दिन शुभ तथा अनुकूलता से भरा होगा। ऑफिस में सहकर्मचारी तथा अधिकारी के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। सामाजिक दृष्टि से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। पदोन्नति के योग हैं।

कर्क - आज आप धार्मिक काम और पूजा-पाठ में व्यस्त रहेंगे। मंदिर या किसी धार्मिक आयोजन में जाने का प्रसंग बन सकता है। परिजनों के साथ आनंदपूर्वक समय गुजरेगा। स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। मन भी चिंता रहित होगा।

सिंह - आज आपको हर काम संपन्नकरना चाहिए। स्वास्थ्य के प्रति ध्यान दें। स्वास्थ्य बिगड़ने से आकस्मिक खर्च आ सकता है। परिजनों के साथ वाद-विवाद हो सकता है। नियम विरुद्ध कोई काम आज न करें।

कन्या - आपका आज का दिन अनुकूलता से भरा रहेगा। जीवनसाथी के साथ आप निकटता के क्षण का आनंद उठा सकेंगे। दौंपत्यजीवन में मधुरता रहेगी। किसी नए व्यक्ति की ओर से आकर्षण अनुभव करेंगे।

तुला - घर में शांति और आनंद का वातावरण रहेगा। सुखदायक घटनाएं घटेंगी। कार्य में यश और सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य बना रहेगा। आवश्यक काम के पीछे धन खर्च होगा। नौकरी में सिद्धि और सफलता मिलेगी।

वृश्चिक - आप के गृहस्थ जीवन में शांति एवं आनंद का वातावरण होगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। दफ्तर में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

धनु - आज आप यात्रा प्रवास टॉलें, क्योंकि पेट संबंधी बीमारी और समस्या हो सकती है। सतान के स्वास्थ्य और पढ़ाई को चिंता बनी रहेगी। किसी काम में सफलता नहीं मिलने से मन व्याकुल रहेगा। क्रोध की भावना पर संयम रखें।

मकर - आज आप का शारीरिक स्वास्थ्य और मनोदशा अच्छी नहीं होगी। परिवार में झगड़े के वातावरण से खिन्नता होगी। शरीर में ताजगी और स्फूर्ति का अभाव होगा। रिश्तेदारों से मनमुटाव हो सकता है।

कुंभ - आज आप मानसिक रूप से अपने आपको बहुत हलका महसूस करेंगे। मन में छाप हुए चिंता के बादल दूर हो जाने से उत्साह में वृद्धि होगी। घर में भाई-बहनों के साथ मिलकर कोई नया काम करेंगे।

मीन - आनंद-उत्साह और तन-मन को प्रसन्नता आपमें चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे, तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएंगे। मन में कोई निरपेक्ष लेते समय दुविधा की स्थिति रहेगी।

नोट - उपरोक्त राशिफल बेजान दारुवाला द्वारा पूर्वीलिखित है।

विदेशों से पार्थिव शरीर के लिए ऑनलाइन सुविधा

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशों में प्राण त्यागने वाले भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर को स्वदेश लाने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए सरकार ने ई. केयर पोर्टल की शुरुआत की है।



केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया शुरुवार को इस पोर्टल की शुरुआत की। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल और डॉ. प्रवीण भारतीय पवार तथा तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री श्री एम सुब्रमण्यम मौजूद रहे। श्री मांडविया ने कहा कि इससे मानव अवशेषों के परिवहन की प्रक्रिया सुव्यवस्थित और तेज होगी। प्रो. बघेल ने कहा कि जब किसी व्यक्ति की दूसरे देश में मृत्यु हो जाती है, तो मृतक के अवशेषों को भारत वापस लाने के लिए बहुत सारी कागजी कार्रवाई और प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ता है, जिससे परिवार और दोस्त निराश हो जाते हैं। इस मुद्दे की संवेदनशीलता को समझते हुए और न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के सिद्धांत का पालन करते हुए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने ये कदम उठाया है।

मेक्सिको में खाई में गिरी बस, 17 की मौत

मेक्सिको सिटी, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिमी मेक्सिकन प्रांत नार्यरिट के पहाड़ी रास्ते पर गुरुवार तड़के एक यात्री बस 164 फुट गहरी खाई में गिर गई, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। बस में छह भारतीय भी सवार थे।



डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, नार्यरिट की अग्निशमन सेवा के एक सूत्र ने कहा कि छह भारतीय नागरिक बस में सवार थे। यह बस एल्टी पैसेंजर लाइन का हिस्सा थी, जो बुधवार को मेक्सिको सिटी से रवाना हुई थी। बस का दक्षिणी कैलिफोर्निया के सीमावर्ती शहर तिजुआना जा रही थी। ब्रिटीश दैनिक ने बताया कि मेक्सिकन अखबार अल फिनानसीरो द्वारा प्रकाशित जीवित बचे लोगों के नामों की एक आधिकारिक सूची में चार भारतीय नागरिकों की पहचान 21 वर्षीय राजन सिंह, मंदीप कुमार (22), आदमा काने (46) और हनिडीउ केन के रूप में हुई है।

स्विटजरलैंड में कोरोना का एक नया मामला सामने आया

जेनेवा, 4 अगस्त (एजेंसियां)। स्विटजरलैंड में केवल 46 प्रतिशत देशों और क्षेत्रों में जुलाई में कोरोना वायरस का एक नया मामला दर्ज किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने यह जानकारी दी। डब्ल्यूएचओ ने गुरुवार को कोविड-19 पर एक साप्ताहिक महामारी विज्ञान अपडेट में कहा, वर्तमान में, वैश्विक स्तर पर परीक्षण में कमी के कारण रिपोर्ट किए गए मामले संक्रमण दर का सटीक प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। इस 28-दिन की अवधि के दौरान, 46 प्रतिशत (234 में से 107) देशों और क्षेत्रों ने डब्ल्यूएचओ को कोरोना के एक नए मामले की सूचना दी। जो 2022 के मध्य से गिरावट आ रही है। जुलाई में डब्ल्यूएचओ को 10 लाख से अधिक नए कोविड-19 मामले बताए गए और पिछले महीने संक्रमण से लगभग 3,100 लोगों की मौत हो गई। तीस जुलाई तक, विश्व स्तर पर डब्ल्यूएचओ को पुष्टि किए गए कोविड-19 के 76.80 करोड़ मामले और 69 लाख कोरोना वायरस से संबंधित मौतों की सूचना दी गई है।

सुनक संरा महासभा की बैठक में रह सकते हैं अनुपस्थित

लंदन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। श्री सुनक ने गुरुवार को अखबार से कहा, यह श्री सुनक एक दशक बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में शामिल नहीं होने वाले ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। ब्रिटिश अखबार 'द टेलीग्राफ' ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि श्री सुनक अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर आयोजित होने वाली संरा महासभा की वार्षिक उच्चस्तरीय बैठक में अनुपस्थित रह सकते हैं। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क में सितंबर में होने वाली संरा महासभा की बैठक में विश्व भर के नेता जुटेंगे। श्री सुनक ने अभी तक आधिकारिक तौर पर इस बैठक शामिल होने की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। संरा के लिए कार्यक्रम को तैयार करने वाले एक सूत्र ने गुरुवार को अखबार से कहा, यह श्री सुनक पर निर्भर है। अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक श्री सुनक अक्टूबर में होने वाली कंजर्वेटी पार्टी की वार्षिक बैठक की तैयारी को लेकर अमेरिका के दौरे पर नहीं जाने का विचार कर रहे हैं। इस बैठक में 2024 में होने वाले चुनाव के लिए प्रधानमंत्री के महासभा की वार्षिक उच्चस्तरीय बैठक में अनुपस्थित रह सकते हैं। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क में सितंबर में होने वाली संरा महासभा की बैठक में विश्व भर के नेता जुटेंगे। श्री सुनक ने अभी तक आधिकारिक तौर पर इस बैठक शामिल होने की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। संरा के लिए कार्यक्रम को तैयार करने वाले एक सूत्र

उह भारतीय भी बस में सवार

परेशानि संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने जारी की रिपोर्ट

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में आई तेजी

रोम, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारत से चावल के गैर-बासमती चावल निर्यात पर प्रतिबंध और काला सागर से सटे देशों से अनाज की आपूर्ति बाधित होने के कारण चालू वर्ष के जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्यान्न की कीमतों में मजबूती आयी है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने गुरुवार को यहां एक रिपोर्ट में कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्यान्न की कीमतों में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्यान्न की कीमतों में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

जुलाई 2022 में खाद्यान्न की कीमतों में 11.8 प्रतिशत की गिरावट आयी थी। रिपोर्ट के अनुसार, चावल मूल्य सूचकांक में इस महीने में 2.8 प्रतिशत तक तेजी आयी है और साल में 19.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो सितंबर 2011 के बाद से सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। भारत ने 20 जुलाई को गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमतों में तेजी देखी गयी है। इससे आपूर्ति श्रृंखला पर भारी दबाव है। एफएओ ने कहा कि चावल के निर्यात पर प्रतिबंध के कारण गरीब आवदादी पर गहरा संकट आने की आशंका है। इसका अरब खरीद, उत्पादन और उपभोग पर पड़ सकता है जिसके दूरगामी परिणाम होंगे। कई देशों को घरेलू स्तर पर उच्च मुद्रास्फीति का सामना कर पड़ सकता है। गरीबों लोगों को मुख्य भोजन चावल ही है क्योंकि यह सस्ता है लेकिन चावल की बढ़ती कीमतों पर दुनिया भर में पर्याप्त खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता हो गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्राजील और भारत में गन्ने की अच्छी फसल होने की वजह से एफएओ के चीनी मूल्य सूचकांक में 3.9 प्रतिशत की गिरावट आई है।

आज का इतिहास
 1775- बंगाल नवाब के अधिकारी नंदकुमार को कलकत्ता (अब कोलकाता) में फांसी दी गई।
 1874- जापान ने डाक बचत प्रणाली शुरू की।
 1914- अमेरिका में पहली बार इलेक्ट्रिक ट्रेफिक लाइट लगाई गई।
 1914- क्यूबा, उरुग्वे, मैक्सिको और अर्जेंटीना ने प्रथम विश्व युद्ध में भाग नहीं लेने की घोषणा की।
 1915- प्रथम विश्व युद्ध में वारसा पर जर्मनी का अधिकार हो गया यह क्षेत्र पहले रूस के अधिकार में था।
 1921- अमेरिका और जर्मनी ने बर्लिन शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
 1923- हेनरी सुलिवान इंग्लिश चैनल पार करने वाले पहले अमेरिकी तैराक बने।
 1930- अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रॉंग का जन्म।
 1949- इकांडोर की राजधानी क्रिटो में 6.7 की तीव्रता के भूकंप से छह हजार लोगों की मौत।
 1960- अफ्रीकी देश बुर्किनाफासो ने स्वतंत्रता की घोषणा की।
 1962- मशहूर हॉलीवुड अभिनेत्री मर्लिन मुनरो अपने लॉस एंजेलिस स्थित आवास पर मृत पाई गईं।
 1963- रूस ब्रिटेन और अमेरिका ने मॉस्को में परमाणु परीक्षण निषेध सन्धि की।
 1974- बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल देवगन का जन्म।
 1991- न्यायमूर्ति लीला सेठ दिल्ली उच्च न्यायालय में पहली महिला न्यायधीश बनीं।

वर्ग पहेली 6277			
१	२	३	४
		६	
७		८	९
		१०	
११	१२		१३
		१४	
१५	१६	१७	१८
१९		२०	
		२२	
	२४		२३

बायें से बायें:-
 १. हानिकारक, अपकार करने वाला अकल्याणकारी
 ४. 'एजेंट'
 ५. स्काना, उरुग्वे, चालू न रहना, बंद हो जाना
 ७. ओर, पक्ष (उड़ू)
 ८. झूठ बोलने वाला
 १०. जो भारी न हो
 ११. पूरी ताकत के साथ
 १३. अनुवाद (उड़ू)
 १४. गुस्सा, भारीगन, गौरव, महत्ता
 १५. बंधुत्व
 १७. रानी (उड़ू)
 १९. अनि
 २१. उपवन, वाटिका
 २२. अवलंबित्व होना, आश्रयहीन, नीचे की ओर झुकना
 २४. निर्माण संबंधी सूचनात्मक

ऊपर से नीचे:-
 १. चेतनाहीन, जड़
 २. पक्षपाती (उड़ू)
 ३. सारथि
 ४. छेदी ऊंगली और बीच की ऊंगलियों के बीच की ऊंगली
 ५. जलपान, नास्ता
 ९. दीपावली
 ११. हित, कल्याण, उपकार
 १२. आक्रम, टेक, आलंब, धरोरसा, मन्द (उड़ू)
 १३. संपूर्ण, समस्त (उड़ू)
 १४. आकाश, नभ
 १५. किस्मलवर
 १६. चापलूस
 १८. लेखक, लिपिकार
 १९. पूजा, उपासना
 २०. लालच, तीव्र इच्छा
 २३. स्त्री, महिला

वर्ग पहेली-6276			
वि	वा	स्व	सं
व	र	ग	जी
र	ह	स	दा
पा	दा	हा	ल
र	र	र	क
ल	शं	ज	नी
म	ल	य	ज
र	म	प	र
दू	स	रा	ति
र	ज	न्मा	त

सुडोकू 6277 का हल			
5	3	1	6
8	2	7	4
9	6	4	8
4	5	2	3
3	7	9	1
6	1	8	2
1	4	5	9
2	8	6	7
7	9	3	5

दुनिया को जाने अमेजन वनों की कटाई सबसे निचले स्तर पर आई

ब्राजीलिया, 4 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राजील में अमेज़न वर्षावन में वनों की कटाई का स्तर 2017 के बाद से सबसे निचले स्तर पर आ गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ब्राजील की अंतरिक्ष एजेंसी इनपे द्वारा गुरुवार को साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने देश में 500 वर्ग किमी वर्षावन को साफ किया गया, जो जुलाई 2022 की तुलना में 66 प्रतिशत कम था। इपे ने कहा कि 2023 के पहले सात महीनों में लगाया गया जुर्मना 400 मिलियन डॉलर से अधिक हो गया है, जो पहले के मुकाबले लगभग 150 प्रतिशत की वृद्धि है। जब जनवरी में राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लुला डी सिलवा ने पदभार संभाला, तो उन्होंने अपने पूर्ववर्ती जायर् बोलसोनारो के चार साल के कार्यकाल के दौरान हुए नुकसान को रोकने का वादा किया था।

खेल जगत्

विलियमसन प्रशिक्षण शिविर में अग्र्यास में शामिल हुए

माउंट माउंगानुई, 4 अगस्त (एजेसियां)। घुटने की चोट से उबरने के बाद केन विलियमसन न्यूजीलैंड टीम के प्रशिक्षण शिविर में शामिल हो गए हैं। विलियमसन को उनके दाहिने घुटने में क्लिफ्टर लिगामेंट (एसीएल) के टूटने के कारण कुछ समय के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था लेकिन चोट से उबरने के साथ वह नेट्स में गेंदों को हिट कर रहे हैं। शुरुआत को आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया, विलियमसन ने मीडिया को बताया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से पहले उन्हें अभी भी थोड़ा काम करना बाकी है। माउंट माउंगानुई के वे ओवल में प्रशिक्षण शिविर से बोलते हुए विलियमसन ने कहा, कुछ लोगों और कुछ नए चेहरों को देखकर बहुत अच्छा लगा। टीम कैम्प का इंतजार कर रहा हूँ। यहाँ घर पर और माउंट माउंगानुई में इसका आयोजन करके और कुछ प्रशिक्षण लेकर और थोड़ा सा फिर से जुड़कर अच्छा लगा।



अंत तक टिके रहने के लिए एक बल्लेबाज की जरूरत थी : अर्शदीप

तारोबा(त्रिनिदाद), 4 अगस्त (एजेसियां)। भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने स्वीकार किया कि टीम को अंत तक बल्लेबाजी करने के लिए किसी की जरूरत थी, जिससे ब्रायन लारा क्रिकेट स्टेडियम में मेहमान टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच हारने से बचाया जा सकता था। 150 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत नौ विकेट पर 145 रन पर सिमट गया, उसे एक समय 29 में से 37 रन की जरूरत थी। आखिरी ओवर में समीकरण दस रन तक पहुंचने के बावजूद, भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 0-1 से पीछे होने के लिए आवश्यक रन नहीं बना सका। भारत अब रविवार को गायाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टी20 मैच खेलेगा।



मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अर्शदीप ने कहा, हम मैच की समीक्षा करेंगे (जहां हम बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे)। जैसे, हम पहली पारी में क्या बेहतर कर सकते थे। जहां हम गेंद के साथ चीजों को चुस्त-दुरुस्त रख सकते थे और दूसरी पारी में एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम फिनिशिंग में कहां चूक गए मुझे लगता है कि हमें अंत तक टिके रहने के लिए एक बल्लेबाज की जरूरत थी, क्योंकि उनके आखिरी दो ओवरों में, पांच क्षेत्ररक्षक 30-याई सर्कल के अंदर थे। भारत के लक्ष्य का पीछा करने के 19वें ओवर में, अर्शदीप ने 12 रन पर रन आउट होने से पहले दो चौके लगाए, लेकिन धीमी पिच पर भारत को

फिनिश लाइन पर नहीं ला सके, जिस पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। कोई भी खिलाड़ी जो उस तरह की स्थिति में है, उसे विश्वास है कि वह टीम के लिए मैच जीत सकता है। जब आप अपने देश के लिए खेल रहे होते हैं, तो आपको हमेशा अतिरिक्त दबाव मिलता है कि हां, आपको अपनी टीम के लिए मैच जीतना है। मैं, कुलदीप, चहल रन जुटाने के लिए उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कर रहे थे, लेकिन अंत में हम थोड़ा पीछे रह गए। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत की बल्लेबाजी का केवल सातवें नंबर तक चलना और टेल का

आठवें नंबर से शुरू होना चिंता का कारण है, अर्शदीप ने उन सुझावों को खारिज कर दिया। जरूरी नहीं। इस तरह की बात हमेशा मैच खत्म होने के बाद आती है, हमने जो अंतिम एकादश उतारी थी, हमें पूरी भरोसा था कि हम मैच जीतेंगे। हम हमेशा अपनी अंतिम एकादश का समर्थन करते हैं चाहे उसमें छह गेंदबाज हों या नौ। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि हम हमेशा उन ग्यारह खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं जिन्हें टीम के लिए मैच जीतने के लिए मैदान में उतारा गया है। हार में भारत के लिए युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा का शानदार डेब्यू

तिलक वर्मा को डेवाल्ड ब्रेविस से मिला खास तोहफा



तारोबा, 4 अगस्त (आईएनएस)। वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में तिलक वर्मा ने अपने डेब्यू में शानदार बल्लेबाजी और फील्डिंग से सभी की प्रशंसा किया। अब उन्हें उनके एक दिग्गज अफ्रीकी दोस्त ने खास तोहफा दिया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के पहले मैच में बेशक टीम इंडिया को हार मिली हो, लेकिन इस मैच में डेब्यू कर रहे तिलक वर्मा ने अपने शानदार खेल से सबको प्रभावित किया। इस युवा बल्लेबाज ने दो

अच्छे कैच लेने के बाद, धीमी पिच पर 177.27 के स्टाइक रेट के साथ दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 39 रन की शानदार पारी खेली। हालांकि भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 0-1 से पीछे रहकर चार रन से हार गया, लेकिन तिलक की अच्छी बल्लेबाजी ने सबका दिल जीत लिया। इस मौके पर बोसोसीआई ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें तिलक के लिए उनके अफ्रीकी दोस्त ने खास मैसेज भेजा है। इस वीडियो में एक रिकॉर्डेड मैसेज सुनाया जा रहा है। ब्रेविस ने तिलक को उनके डेब्यू पर बधाई दी। ये मैसेज देख तिलक हंसने लगे, ब्रेविस ने अपने और अपने परिवार की तरफ से तिलक को बधाई दी। उन्होंने तिलक से कहा कि जब उन्होंने दूसरी और तीसरी गेंद पर चौका मारा तो उनके रॉण्टे खड़े हो गए थे। ब्रेविस ने साथ ही कहा कि उनका सपोर्ट हमेशा तिलक के साथ रहेगा।

भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता

बर्लिन (जर्मनी), 4 अगस्त (एजेसियां)। ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति गोपीचंद स्वामी की भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने शुक्रवार को विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 में स्वर्ण पदक जीता। यह किसी भी वर्ग में तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण है। भारतीय तीरंदाजी ने फाइनल में मैक्सिकन टीम डैफेने क्रिस्टो, एना सोफिया हर्नांडेज जियोन और एंड्रिया बेसेरा को 235-229 से हराया।



सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने मौजूदा चैंपियन कोलंबिया को 220-216 से हराया। पहले राउंड में बाई मिलने के बाद टीम ने क्रमशः क्वार्टर फाइनल और प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे और तुर्की की चुनौती पर काबू पा लिया। बर्लिन प्रतियोगिता से पहले, भारत ने विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में 11 पदक जीते थे - नौ रजत और दो कांस्य। 2017 और 2021 में रजत और

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप

रही हैं। दूसरी ओर, अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और प्रथमेश जावकर को भारतीय कंपाउंड पुरुष टीम नीदरलैंड से 230-235 से हारकर क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई। मिश्रित कंपाउंड टीम स्पर्धा में ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेन्नम को क्वार्टर फाइनल में यूएसए के हाथों 154-153 से हार का सामना करना पड़ा। ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति गोपीचंद स्वामी शनिवार को व्यक्तिगत महिला कंपाउंड क्वार्टर फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि ओजस देवताले पुरुष वर्ग के शीर्ष आठ में एकमात्र भारतीय हैं।

यांग के गोल से पिछड़ने के बाद द. कोरिया ने पाक से मैच ड्रॉ कराया

चेन्नै, 4 अगस्त (देशबन्धु)। विंगर अब्दुल राणा और अब्दुल शाहिद की लिंकमैन के रूप में खेल अपने अनुभवी कप्तान उमर बुट्टा के बेहतरीन अभिभावकों पर दोनों छोर से हमले बोल कर मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया की मजबूत धरेंबंदी को तोड़ने की रणनीति पाकिस्तान के बहुत काम आई। 119 बरस के अब्दुल शाहिद के मैच 18 वें मिनट में दागे बेहतरीन मैदानी गोल को बंदीत पाकिस्तान ने बंदूक ली लेकिन ज़िहुन यांग के खेल खत्म होने के सात मिनट पहले पेनल्टी स्ट्रोक पर दागे गोल को बंदीत मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी, चेन्नै 2023 में एक-एक गोल की बराबरी पर रोक अंक बांटे। पाकिस्तान को इस बात का ज़रूर मलाल रहा कि उसने बेहतर तालमेल से खेलते हुए बंदूक और बराबर दबाव बनाते



के बावजूद जीत का मौका गंवा दिया। दक्षिण कोरिया ने मैच में मिले आठ में एक पेनल्टी कॉर्नर पर पेनल्टी स्ट्रोक हासिल कर बराबरी का गोल करने के अलावा बाकी एक का भी उपयोग नहीं किया। वहीं पाकिस्तान को इस बात का मलाल रहा कि वह मैच में मिले पांच पेनल्टी कॉर्नर में एक को भी गोल में नहीं बदल पाई। दक्षिण कोरिया की टीम लगातार दूसरे राउंड रॉबिन

लिग मैच में पिछड़ी लेकिन शुक्रवार को वह पिछड़ने के बाद बृहस्पतिवार जापान पर 2-1 की तरह जीत हासिल करने में नाकाम रही। दक्षिण कोरिया के दो मैचों के बाद चार अंक हैं जबकि पाकिस्तान ने इस ड्रॉ के साथ पहला अंक हासिल किया। मलेशिया ने पाकिस्तान को बृहस्पतिवार को पहले मैच में 3-1 से हराकर आगज किया अनुभवी कप्तान उमर बुट्टा के बेहतरीन

अभिभावकों पर विंगर अब्दुल राणा और अब्दुल शाहिद की लिंकमैन के रूप में खेल अपने दोनों छोर से हमले बोल कर दक्षिण कोरिया की मजबूत धरेंबंदी को तोड़ने की रणनीति पाकिस्तान के बहुत काम आई। बराबर हमले बोलने के साथ पाकिस्तान ने पहले क्वार्टर में दो पेनल्टी कॉर्नर किए लेकिन इन पर उसकी इन्डायरेक्ट और अरफराज के तेज फ्लिक की रणनीति कारगर नहीं रही। अब्दुल राणा दाएं से बाएं से तेजी से गेंद को लेकर डी में पहुंचे और दक्षिण कोरिया के हार्डिसियुंग को छका दाएं डी में पहुंचे अब्दुल शाहिद के लिए गेंद बढ़ा दी। 19 बरस के अपना 20 वां अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल रहे अब्दुल शाहिद ने मैच के 18 वें मिनट में दक्षिण कोरिया के गोलरक्षक जाइहयुंग किम के संभलते से पहले से तेजी से गेंद को फ्लिक कर गोल में डाल पाकिस्तान को 1-0 से आगे कर सभी को चौंका दिया।

भारतीय महिला फुटबॉलर संजू चोट के दुःस्वप्न से उबरकर कैम्प में लौटीं

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेसियां)। भारतीय महिला फुटबॉलर संजू ने चोट के दुःस्वप्न पर काबू पा लिया है और लंबे अंतराल के बाद आखिरकार राष्ट्रीय टीम शिविर में वापस आ गई हैं। पिछले साल भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में भारतीय महिला लीग के दौरान एक मैच कुछ मिनटों के लिए अचानक रुक गया था जब एक युवा फुटबॉलर मैदान पर दर्द से कराहते हुए जोर से चिल्लाए लगी थी। जब आस-पास मौजूद सभी लोग भयभीत होकर चुपचाप देखते रहे, तो रोती हुई खिलाड़ी संजू को स्टैंड पर मैदान से बाहर ले जाया गया। देश के प्रमुख मिडफील्डर्स में से एक संजू के लिए यह चोट बहुत बड़ा झटका थी। उसने



हाल ही में सेथु एफसी में पदार्पण किया था और पिछले मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था, इससे पहले कि उसे उस दुर्भाग्यपूर्ण शाम को बाहर किया जाना था। यह संजू की खराब किस्मत का अंत नहीं था। जब उसे एक स्थायी अस्पताल में भर्ती कराया गया, तो डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उसके दाहिने पैर में एसीएल चोट लगी है।

सिंधु का सफर खत्म, प्रणाय और रजावत अंतिम चार में

सिडनी 4 अगस्त (एजेसियां)। भारत की स्टाइलर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया ओपन 2023 बैडमिंटन प्रतियोगिता क्वार्टर-फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। प्रतियोगिता में पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु को अमेरिका की बेवेन ज़ांग ने 21-12, 21-17 से हराया। मैच की शुरुआत से ही अमेरिकी खिलाड़ी ने सिंधु पर अपना दबदबा बनाए रखा। बेवेन ज़ांग ने पहले गेम में 10-5 की बढ़ी बहुत हासिल कर अपनी पकड़ मजबूत कर ली जिसके बाद भारतीय शटलर वापसी करने में असफल रहें और उन्हें पहले गेम में हार झेलनी पड़ी। इस साल अपने पहले बीडब्ल्यूएफ खिलाताव की खोज में जुटी 28 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी के लिए क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के दूसरे गेम को जीतना काफी अहम हो गया था। बैडमिंटन विश्व रैंकिंग में 17वें नंबर पर काबिज भारतीय शटलर के दूसरे गेम की शुरुआत भी इतनी अच्छी नहीं रही और वह अमेरिकी शटलर



से लगातार पिछड़ती रहें जिसके कारण उन्हें दूसरे गेम में भी हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ इस टूर्नामेंट में उनका सफर भी समाप्त हो गया। उधर, भारतीय शीर्ष पुरुष शटलर एचएस प्रणाय ने बैडमिंटन विश्व रैंकिंग के

दूसरे नंबर के इंडोनेशियाई खिलाड़ी एंथनी सिनिसुका गिटिंग को 2-1 से हराकर इस बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की। मैच के पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद विश्व रैंकिंग के नौवें नंबर

के भारतीय शटलर ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए मैच में 1-1 की बराबरी की। अंतिम और निर्णायक गेम में भारतीय शटलर ने आक्रामक रुख अखियाय करते हुए गिटिंग के खिलाफ शुरुआती बढ़त हासिल की। रोमांचक

और तीसरे गेम में शुरुआती बढ़त हासिल करने के बाद, उन्होंने फिर लगातार अपनी बढ़त में इजाज़ा करते हुए मैच को अपने नाम कर प्रतियोगिता के अगले राउंड में जगह बना ली। एक अन्य पुरुष एकल मुकाबले में विश्व बैडमिंटन रैंकिंग के 33वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु रजावत ने विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 19वें नंबर के भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी और हम्बतन किदांबी श्रीकांत को हराकर प्रतियोगिता के सेमी-फाइनल में जगह बनाई। प्रियांशु ने अपने सीनियर हम्बतन को 30 मिनट तक चले मैच में 21-13, 21-8 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। 21 वर्षीय प्रियांशु रजावत इस साल पहले ही ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स का खिताब अपने नाम कर चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया ओपन 2023 के नतीजे पेरिस खेलों के लिए खिलाड़ियों को क्वालीफाइंग रैंकिंग में गिने जाएंगे। पेरिस 2024 ओलंपिक में बैडमिंटन के लिए क्वालिफिकेशन विंडो एक मई से शुरू हो चुकी है।

17 साल के गुकेश ने लाइव रेटिंग में आनंद को पछड़ा, भारत के नंबर 1 शतरंज खिलाड़ी बने



मुंबई, 4 अगस्त (एजेसियां)। 17 वर्षीय डोममाराजु गुकेश ने बाकू, अजरबैजान में फिडे विश्व कप के पहले दौर में जीएम मिसरतदीन इस्कंदरोव के साथ अपने दूसरे दौर के मैच में दो गेम जीते और लाइव रेटिंग में विश्वनाथन आनंद को पीछे छोड़ते हुए विश्व में सर्वोच्च रैंक वाले भारतीय शतरंज खिलाड़ी बन गए। इस्कंदरोव (ईएलओ 2559) के खिलाफ गुरुवार शाम को पहले दौर में जीते ने उन्हें लाइव रेटिंग में 2755.9 तक पहुंचने में मदद की, जिससे वह आनंद की 2754 की रेटिंग से आगे निकल गए, जिससे वह मार्च 2016 में पेंटला हरिकृष्णा के बाद लाइव रेटिंग में आनंद से आगे निकलने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए। भारत के नंबर 1 शतरंज खिलाड़ी के रूप में रेटिंग, यह पद पांच बार के विश्व चैंपियन ने 1986 के बाद से 37 वर्षों तक कायम रखा है। हरिकृष्णा केवल एक दिन के लिए भारत के नंबर 1 शतरंज खिलाड़ी थे, क्योंकि आनंद ने अगले दिन अपना मैच जीता और इस स्थान को वापस ले लिया। 1986 के बाद यह पहली बार होगा कि कोई भारतीय प्रकाशित फिडे रैंकिंग में विशी आनंद से आगे निकल जाएगा। पिछले कुछ वर्षों से शतरंज सर्किट में कम ही खेल रहे आनंद के साथ, ऐसी संभावना है कि गुकेश लंबे समय तक भारत के नंबर 1 खिलाड़ी बने रहेंगे और कई वर्षों तक उस स्थान को बनाए रखेंगे। मैग्नस कार्लसन का रिकॉर्ड तोड़कर 2750 रेटिंग तक पहुंचने वाले विश्व के सबसे युवा खिलाड़ी गुकेश को अब 1 सितंबर को फिडे द्वारा अगली रैंकिंग प्रकाशित करने पर अपनी रेटिंग 2754 से ऊपर बनाए रखनी होगी। गुकेश, जो मार्च 2019 में 12 साल, 7 महीने, 17 दिन की उम्र में सबसे कम उम्र के भारतीय ग्रैंडमास्टर बने, विश्व में सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर बनने से चूक गए और सर्गई कारजाकिन के रिकॉर्ड से सिर्फ 17 दिन पीछे रह गए। 2022 में, इन दोनों को भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी अभिमन्यु मिश्रा ने 12 साल, 4 महीने, 25 दिन की उम्र में पीछे छोड़ दिया है। चेन्नई में जन्मे गुकेश, जिन्होंने अप्रैल 2022 में विश्व में शीर्ष 100 में जगह बनाई, ने रैंकिंग में तेजी से वृद्धि जारी रखी और 1 अगस्त को जब रैंकिंग आखिरी बार प्रकाशित हुई थी, तब उन्हें 2751 की रेटिंग के साथ विश्व में 11वें स्थान पर रखा गया था। अक्टूबर 2022 में, 16 साल की उम्र में, जीएम विष्णु प्रसन्ना द्वारा प्रशिक्षित गुकेश, एमचेस रैंपिड टूर्नामेंट में एक गेम में तत्कालीन विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को हराने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। वर्तमान में, लाइव रेटिंग में, गुकेश 2755.9 की रेटिंग के साथ विश्व में 9वें स्थान पर हैं और आनंद (2754) 10वें स्थान पर हैं।

सार संक्षेप

इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स ने की संन्यास की घोषणा लंदन। इंग्लैंड को 2022 में टी-20 विश्व कप का विजेता बनाने में अहम योगदान देने वाले एलेक्स हेल्स ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया है। हेल्स ने एक दशक से अधिक लंबे करियर के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। हेल्स ने सोशल मीडिया पर कहा, मैंने कुछ यादें और कुछ दोस्ती जीवन भर के लिए बना ली है और मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का सही समय है। हेल्स ने कहा, इंग्लैंड की शर्ट में अपने पूरे समय के दौरान मैंने कुछ उच्चतम चढ़ावों के साथ-साथ कुछ सबसे निचले चढ़ावों का भी अनुभव किया है। यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है और मुझे बहुत संतोष है कि इंग्लैंड के लिए मेरा आखिरी गेम विश्व कप फाइनल जीतना था। हेल्स ने इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 मैच से अपना नाम वापस ले लिया था। टी-20 मैच विश्वकप से पहले हेल्स का अचानक संन्यास लेना इंग्लैंड के लिये एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान 156 मैच खेले और 5000 से अधिक रन बनाये हैं।

भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए आयरलैंड टीम घोषित

डबलिन। भारत के खिलाफ 18 अगस्त से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिये आयरलैंड ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। अगले साल होने वाले टी-20 विश्वकप में अपना स्थान सुनिश्चित करने के बाद आयरलैंड टीम पहली बार टी-20 सीरीज खेलेगी। टीम में मुख्य रूप से वे खिलाड़ी शामिल किये गये हैं जो पिछले महीने विश्व कप क्वालीफाइंग अभियान का हिस्सा थे। आयरलैंड के चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा, स्कॉटलैंड में हालिया क्वालीफाइंग अभियान अगले टी20 विश्व कप के लिए हमारी रणनीतिक योजना का पहला चरण था। विश्वकप से पहले हमें लगभग 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। इसलिए यह भी महत्वपूर्ण है कि हम अपने पास मौजूद अवसरों का उपयोग करें मुझे उम्मीद है कि भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज टीम में नामित सभी 15 खिलाड़ी किसी न किसी समय शामिल होंगे। आयरलैंड टी20 टीम- पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), एंड्रयू वालबर्नी, मार्क अडायर, रॉस अडायर, कर्टिस कैपर, जैरेथ डेकली, जॉर्ज डॉकरेल, फिओन हेंड, जोश लिटिल, बैरी मैक्कार्थी, हेरी टेक्टर, लोर्कन टकर, थियो वैन वोर्कोम, वेन व्हाइट, क्रैग यंग।



सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
एनटीपीसी	4.02 प्रतिशत
पावर ग्रिड	3.00 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	2.28 प्रतिशत
टाटा स्टील	2.16 प्रतिशत
टीसीएस	1.96 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
बजाज फाइनेंस	1.12 प्रतिशत
कोटक बैंक	1.09 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनीलीवर	0.91 प्रतिशत
आईटीसी	0.63 प्रतिशत
भारती एयरटेल	0.46 प्रतिशत

सर्फा	
सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
चिंदूर	47,320
गिनी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हज़िर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय		
मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.17	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज	
देशी गेहूँ एम्पी	2500-3000
गेहूँ दख	2150-2250
आटा	2800-2260
मैदा	945-950
चोंकर	620-630

मोटा आनाज	
वाजरा	1300-1305
मका	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबूली चना	3500-4000

चावल	
वासमती औरसत किस	4500-4600
परमल	1750-1775
वावस सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन	
चना	4.850-4.950
दाल चना	4.850-4.950
मसूर काली	7.800-7.900
उड़द दाल	10300-10400
मूंग दाल	7.900-8.000
अरहर दाल	9700-9800

अर्थ जगत

विश्वसनीय हार्डवेयर और सिस्टम सुनिश्चित करने के लिए पीसी, टैबलेट पर आयात प्रतिबंध: केंद्र

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को पीसी, लैपटॉप और टैबलेट आयात पर प्रतिबंधित के बारे में उपभोक्ताओं की आशंकाओं को दूर करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य विश्वसनीय हार्डवेयर तथा सिस्टम सुनिश्चित करना और इन हार्डवेयर श्रेणियों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि भारत लैपटॉप और सर्वर आदि सहित डिजिटल उत्पादों के लिए दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बन रहा है।

उन्होंने टिवटर (अब एक्स) पर पोस्ट किया, 'विश्वसनीय हार्डवेयर और सिस्टम सुनिश्चित करना, आयात पर निर्भरता कम करना और इस श्रेणी के उत्पादों का घरेलू विनिर्माण बढ़ाना सरकार का उद्देश्य है।' एक टिवटर यूजर के पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए मंत्री ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था का तेजी से डिजिटलीकरण/क्लाउडकरण और हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था की तीव्र वृद्धि से मांग बढ़ रही है। उक्त पोस्ट में कहा गया था कि पीसी, लैपटॉप और



भारत लैपटॉप और सर्वर आदि सहित डिजिटल उत्पादों के लिए दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बन रहा-राजीव चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री

टैबलेट पर आयात प्रतिबंध केवल उपभोक्ताओं को प्रभावित करेगा। मंत्री ने कहा, 'यह बिल्कुल भी लाइसेंस राज के बारे में नहीं है। यह आयात का नियमन कर विश्वसनीय और सत्यापन योग्य प्रणाली सुनिश्चित करना और यह तय करना है कि भारतीय टेक इकोसिस्टम जिन आयातित और/या

घरेलू स्तर पर निर्मित सिस्टम/उत्पादों का उपयोग करता है वह विश्वसनीय और सत्यापित है।' जैसे ही सरकार ने स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध की घोषणा की, घरेलू निर्माताओं ने इस कदम पर खुशी जताई।

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लौटने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज भी स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

नियामक चुनौतियों के कारण संघर्ष कर रहे 20 प्रतिशत भारतीय यूनिकॉर्न

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय स्टार्टअप ने वित्त वर्ष 2024 में अपनी लाभप्रदता में काफी सुधार किया है, और भारत में लगभग 50 प्रतिशत यूनिकॉर्न वित्त वर्ष 2023 तक लाभदायक हो गए। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह बताया गया है। हालांकि, बाजार अनुसंधान फर्म रेडसीर के अनुसार, 20 प्रतिशत यूनिकॉर्न के लिए कहानी निराशाजनक है, जो नियामक चुनौतियों, घटती मांगों और अस्पष्ट व्यापार मांडल के कारण संघर्ष कर रहे हैं। ये यूनिकॉर्न नए मांडल को अंधेरे में डूबाने के लिए अग्रिम विचार किए जा सकते हैं या हमेशा के लिए बंद हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 40 सूचीबद्ध आईपीओ तैयार नए जमाने की कंपनियां या स्टार्टअप होने की संभावना है, जो वित्त वर्ष 2028 तक बढ़कर 90 हो सकती है। रेडसीर के पार्टनर रोहन अग्रवाल के अनुसार, स्टार्टअप संभावित आईपीओ सहित एक आशाजनक राह के लिए तैयार हैं। वित्त वर्ष 2011 के विपरीत, वित्त वर्ष 2013 में लगभग दोगुनी संख्या में भारतीय यूनिकॉर्न

लाभप्रदता की ओर अग्रसर हैं। अग्रवाल ने कहा, 'सास, बी2सी उत्पाद कंपनियां और फिनटेक आईपीओ-तैयार कंपनियां बनाने के लिए सबसे आशाजनक श्रेणियों में से हैं।' इन कंपनियों के पास पर्याप्त राजस्व, सतत विकास, एक मजबूत ईबीआईटीडीए है, और वे रक्षात्मक व्यवसाय मांडल पर काम करते हैं, जो उन्हें आईपीओ के लिए मजबूत उम्मीदवार बनाते हैं। आईपीओ लाने वाली कंपनियों को तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरूरत है।

भारतीय स्टार्टअप ने वित्त वर्ष 2024 में अपनी लाभप्रदता में काफी सुधार किया

सबसे पहले, उन्हें प्रतिष्ठा और पारदर्शिता पर जोर देते हुए मजबूत निवेशक संबंध और विश्वास बनाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। दूसरे, कंपनियों को आईपीओ से पहले ही संभावित निवेशकों के साथ तालमेल स्थापित करने के लिए सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है, 'अंत में, निवेशकों को अपने निवेश के बारे में सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाने के लिए व्यवसाय मांडल और प्रमुख मैट्रिक्स पर स्पष्टता प्रदान करना महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों पर ध्यान देकर कंपनियां एक सफल आईपीओ की संभावना बढ़ा सकती हैं।'

सुप्रीम कोर्ट से ओप्पो को झटका, बिक्री का 23 प्रतिशत नोकिया को देना होगा

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ चीनी स्मार्टफोन ब्रांड ओप्पो की याचिका खारिज कर दी, जिसमें कंपनी को नोकिया के पेटेंट का उल्लंघन करने के लिए देश में अपनी बिक्री से प्राप्त आय का 23 प्रतिशत जमा करने का निर्देश दिया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय की एक खंडपीट ने जुलाई में यह आदेश पारित किया था। उसने पाया कि चीनी स्मार्टफोन ब्रांड अपेक्षित सहमति के बिना नोकिया की तकनीक का उपयोग कर रहा था।



भारत में ओप्पो की बिक्री जो उसकी वैश्विक बिक्री का लगभग 23 प्रतिशत है, को ध्यान में रखने के बाद हाई कोर्ट ने 23 प्रतिशत जुर्माने का आदेश दिया था। नोकिया टेक्नोलॉजीज के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं।

प्रवक्ता ने कहा, 'ओप्पो अपने लाइसेंस को नवीनीकृत करने या मामले को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए तैयार नहीं है और उसने दो साल तक कोर्ट रॉयल्टी भुगतान किए बिना हमारी तकनीक का इस्तेमाल किया है।' भारत, जर्मनी, निष्पक्ष और उचित शर्तों पर प्रवक्ता ने कहा, 'ओप्पो अपने लाइसेंस को नवीनीकृत करने या मामले को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए तैयार नहीं है और उसने दो साल तक कोर्ट रॉयल्टी भुगतान किए बिना हमारी तकनीक का इस्तेमाल किया है।' भारत, जर्मनी,

कंपनी को नोकिया के पेटेंट का उल्लंघन करने के लिए देश में अपनी बिक्री से प्राप्त आय का 23 प्रतिशत जमा करने का निर्देश दिया गया था। चीनी स्मार्टफोन ब्रांड अपेक्षित सहमति के बिना नोकिया की तकनीक का उपयोग कर रहा था।

जर्मन अदालत ने ओप्पो के खिलाफ 4जी/5जी पेटेंट विवाद में स्मार्टफोन ब्रांड नोकिया के पक्ष में फैसला सुनाया। गिन्जोचाइना के अनुसार, यह मुकदमा नोकिया और ओप्पो के बीच 4जी (एलटीई) और 5जी पेटेंट पर चर्चा टूटने के परिणामस्वरूप हुआ था। नोकिया ने तीन क्षेत्रीय जर्मन न्यायालयों में नौ मानक आवश्यक पेटेंट (एसईपी) और पांच कार्यान्वयन पेटेंट पर ओप्पो पर मुकदमा दायर किया था। लगभग 130.3 अरब डॉलर के भारी निवेश के साथ नोकिया 5जी एसईपी सेगमेंट में स्टैंडर्ड-बियर है।

एसबीआई का मुनाफा 178 प्रतिशत उछला

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 16884 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 178.25 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद आज जारी वित्तीय लेखा जोखा में कहा कि जून में समाप्त इस तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय 24.7 प्रतिशत बढ़कर 38905 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 31196 करोड़ रुपये रही थी। बैंक ने बताया कि इस तिमाही में उसका सकल एनपीए पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3.91 प्रतिशत से कम होकर 2.76 प्रतिशत पर आ गया। इसी तरह से शुद्ध एनपीए भी 1.00 प्रतिशत से घटकर इस अवधि में 0.71 प्रतिशत पर आ गया। इस तिमाही में विभिन्न मदों के लिए किए गये प्रावधानों में 4.3 प्रतिशत की कमी आयी है और यह 2501 करोड़ रुपये रहा है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा को पहली तिमाही में 2,773.73 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

चेन्नई। देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 2,773.73 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ कमाया है। कंपनी ने शुक्रवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा की। उसने अपनी तीन पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों के विलय की भी घोषणा की। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि गत 30 जून को समाप्त तिमाही में उसकी कुल आय 25,025.95 करोड़ रुपये रही जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 19,952.88 करोड़ रुपये थी। इस दौरान उसका शुद्ध मुनाफा भी 1,403.61 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,773.73 करोड़ रुपये हो गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के निदेशक मंडल ने अपनी तीन पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों महिंद्रा डीवी इंजन लिमिटेड, महिंद्रा टू व्हीलर्स लिमिटेड और ट्रिपो.कॉम लिमिटेड के विलय की योजना को भी मंजूरी दे दी।

चीन से थोक दवा का आयात बढ़ा

नई दिल्ली। केयरएज रेंटिंस ने कहा कि मूल्य और मात्रा के मामले में चीन से थोक दवा आयात का योगदान वित्त वर्ष 2024 में 64 और 62 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2023 के दौरान क्रमशः 71 प्रतिशत और 75 प्रतिशत हो गया है। मूल्य के संदर्भ में, वित्त वर्ष 2014 से 23 के दौरान, चीन से 9 प्रतिशत की तुलना में कुल थोक दवा आयात लगभग 7 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब थोक दवाओं की बाट आती है, तो एक ही देश-चीन पर अधिक निर्भरता, मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव के कारण चिंता पैदा करती है। भारत में कुल फार्मा आयात में चीन की हिस्सेदारी लगभग 43 प्रतिशत है, जो देश के फार्मास्यूटिकल उद्योग के लिए थोक दवाओं का प्राथमिक स्रोत बनाती है।

शेयर बाजार में लौटी तेजी

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक बाजार के सकारात्मक रुझान से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर वित्तीय सेवाएँ, आईटी, दूरसंचार और टेक समेत सोलह समूहों हुई लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार में तेजी लौट आई। बीएसई का संवेदी सूचकांक संसेक्स 480.57 अंक की छलांग लगाकर 65,721.25 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 135.35 अंक उछलकर 19,517 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.65 प्रतिशत की तेजी लेकर 30,162.66 अंक और स्मॉलकैप 0.66 प्रतिशत चढ़कर 35,070.65 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3720 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2241 में तेजी जबकि 1328 में गिरावट रही वहीं 151 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 30 कंपनियों में लिवाली जबकि 20 में बिकवाली हुई वहीं एक के भाव स्थिर रहे।

बीएसई 30 शेयरें	
अधिकतम उछाल	बदलाव:
खुला: 65,453.55	480.57
बंद: 65,721.25	(0.74%)
पिछला बंद: 65,240.68	
अंतिम माव ₹ में	% बदलाव
इंडसइंड बैंक	1,408.35 3.25
एचडीएफ बैंक	1,175.50 2.91
गिरी	408.65 2.28
भारती एयरटेल	889.60 2.02
एचसीएल टेक	1,144.25 1.72
एक्सिस बैंक	952.10 1.65
एचडीएफसी बैंक	1,652.80 1.48
टीसीएस	3,442.50 1.26
एल एंड टी	2,625.95 1.09
रिलायंस	2,510.15 1.01

दौरान ब्रिटेन का एफ टी एस ई 0.08, जर्मनी का डेक्स 0.12, जापान का निक्केई 0.10, हांकांग का हेंगसेंग 0.61 और चीन का शेंचाई कपोजिट 0.23 प्रतिशत मजबूत रहा। कारोबार की शुरुआत में संसेक्स 213 अंक की तेजी लेकर 65,453.55 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 65,387.18 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। लिवाली होने से कारोबार के अंतिम चरण में यह

65,799.27 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। अंत में पिछले दिवस के 65,240.68 अंक के मुकाबले 0.74 प्रतिशत की छलांग लगाकर 65,721.25 अंक पर रहा। इसी तरह निफ्टी भी 81 की बढ़त लेकर 19,462.80 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,436.45 अंक के निचले जबकि 19,538.85 अंक के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,381.65 अंक की तुलना में 0.70 प्रतिशत उछलकर 19,517 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान संसेक्स में इंडसइंड बैंक के शेयरों ने सबसे अधिक 3.25 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। इसके अलावा टेक महिंद्रा 2.91, विप्रो 2.28, भारती एयरटेल 2.02, एचसीएल टेक 1.72, एक्सिस बैंक 1.65, एचडीएफसी बैंक 1.48, रिलायंस 1.42, टीसीएस 1.26, एलटी 1.09, इंफोसिस 0.96, कोटक बैंक 0.80, टाटा स्टील 0.59, आईसीआईसीआई बैंक 0.54, बजाज फाइनेंस 0.52, अल्ट्रासिम्को 0.28, एशियन पेंट 0.13 और टाइटन के शेयरों में 0.04 प्रतिशत की तेजी रही। वहीं, एसबीआई 2.94, एनटीपीसी 1.09, मार्सु 0.83, टाटा मोटर्स 0.69, बजाज फिनसर्व 0.59, पावर ग्रिड 0.46, आई टी सी 0.26, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.22, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.19, सन फार्मा 0.18, जेएसडब्ल्यूएस स्टील 0.04 और नेस्ले इंडिया ने 0.01 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

क्वालकॉम इंडिया ने सवि सोइन को नियुक्त किया अध्यक्ष

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। चिप प्रमुख क्वालकॉम ने शुक्रवार को सवि सोइन को क्वालकॉम इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। वह क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी जिम कैथी को रिपोर्ट करेंगे। पांच वर्षों से क्वालकॉम इंडिया के अध्यक्ष रहे राजेन वागाडिया, अमेरिका के सैन डिएगो में क्वालकॉम मुख्यालय के स्थानांतरित होंगे।

अधिक समय से क्वालकॉम के साथ हैं और 10 वर्षों से वह क्वालकॉम की वरिष्ठ नेतृत्व टीम का हिस्सा हैं। कैथी ने कहा, 'भारत क्वालकॉम के लिए एक प्राथमिकता वाला बाजार है और हम इसमें निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' कैथी ने कहा, 'अपनी नई भूमिका में, सोइन सबसे तेजी से

बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक में विकास को बढ़ावा देने जारी रखेंगे, भारत के डिजिटल परिवर्तन और इसकी घरेलू प्रौद्योगिकी नवाचार क्षमताओं के विकास का समर्थन करेंगे।' सोइन ने कहा कि घर लौटना सौभाग्य की बात है और भारत के पास अपने पैमाने और संसाधनों के साथ वैश्विक डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने का एक बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा, 'मेरा उद्देश्य सभी क्षेत्रों में क्वालकॉम के प्रौद्योगिकी नवाचारों का उपयोग करके इस परिवर्तन को तेज करने के लिए भारतीय परिस्थितिकी तंत्र के साथ साझेदारी करना है।'

खाद्य तेलों में टिकाव, दाल-दलहन में तेजी

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी लौटने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिनस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि मांग निकलने से अधिकांश दालों के भाव चढ़ गए। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरुसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अगस्त का पाम ऑयल वायदा 45 रिगिट चढ़कर 3800 रिगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अगस्त का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 1.08 सेंट की तेजी लेकर 61.12 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों के भाव में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाईंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गूड़-चीनी: मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गूड़ के भाव में टिकाव रहा। दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में तेजी रही। इस दौरान चना 100 रुपए, बल चना 100 रुपए, मसूर दाल 50 रुपए और उड़द दाल 100 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हो गई। वहीं, मूंग दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ।

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा है कि आईफोन की जबरदस्त बिक्री के कारण भारत में जून तिमाही में एप्पल ने रिकॉर्ड बनाया है। गुरुवार देर रात कंपनी के वित्तीय वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के नतीजों के दौरान, कुक ने कहा कि 'इस वसंत में भारत में हमारे नए स्टोर का प्रदर्शन हमारी उम्मीदों से अधिक रहा'। एप्पल ने इस साल अप्रैल में मुंबई और दिल्ली में अपने रिटेल स्टोर खोले, जिन्हें काफी समर्थन मिला। भारत की क्षमता पर एक प्रश्न पर, कुक ने कहा, 'आप जानते हैं कि हमने भारत में जून तिमाही में राजस्व रिकॉर्ड बनाया और हमने दोहरे अंक में वृद्धि की। हमने तिमाही के दौरान अपने पहले दो खुदरा स्टोर भी खोले और निश्चित रूप से यह शुरुआती दौर में है, लेकिन वे हमारी उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि कंपनी

आईफोन की बिक्री के दम पर हमने भारत में जून तिमाही में बनाया रिकॉर्ड : टिम कुक

क्यूपर्टिनो (कैलिफोर्निया), 4 अगस्त (एजेंसियां)। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा है कि आईफोन की जबरदस्त बिक्री के कारण भारत में जून तिमाही में एप्पल ने रिकॉर्ड बनाया है। गुरुवार देर रात कंपनी के वित्तीय वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के नतीजों के दौरान, कुक ने कहा कि 'इस वसंत में भारत में हमारे नए स्टोर का प्रदर्शन हमारी उम्मीदों से अधिक रहा'। एप्पल ने इस साल अप्रैल में मुंबई और दिल्ली में अपने रिटेल स्टोर खोले, जिन्हें काफी समर्थन मिला। भारत की क्षमता पर एक प्रश्न पर, कुक ने कहा, 'आप जानते हैं कि हमने भारत में जून तिमाही में राजस्व रिकॉर्ड बनाया और हमने दोहरे अंक में वृद्धि की। हमने तिमाही के दौरान अपने पहले दो खुदरा स्टोर भी खोले और निश्चित रूप से यह शुरुआती दौर में है, लेकिन वे हमारी उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि कंपनी

'इस वसंत में भारत में हमारे नए स्टोर का प्रदर्शन हमारी उम्मीदों से अधिक रहा'। एप्पल ने इस साल अप्रैल में मुंबई और दिल्ली में अपने रिटेल स्टोर खोले, जिन्हें काफी समर्थन मिला-टिम कुक, सीईओ, एप्पल



चैनल बनाने और देश में अपने डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर ऑफर में अधिक निवेश करने पर काम करना जारी रखे हुए है। कुक ने कहा, 'अगर आप इसे देखें, तो यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार है और हमें वहां वास्तव में अच्छे प्रदर्शन करना चाहिए और हम वहां अपनी वृद्धि से बहुत खुश हैं।' उन्होंने कहा, 'इस स्मार्टफोन बाजार में अभी भी हमारी हिस्सेदारी बहुत ही मामूली है, इसलिए मुझे लगता है कि यह हमारे

लिए एक बहुत बड़ा अवसर है और हम ऐसा करने के लिए अपनी सारी ऊर्जा लगाने रहे हैं।' आईडीसी के अनुसार, 929 डॉलर के उच्चतम औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) के साथ प्यल ने अप्रैल-जून की अवधि में भारत में 61 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। भारत अब वैश्विक स्तर पर एप्पल के शीर्ष 5 बाजारों में से एक है। कंपनी ने स्थानीय विनिर्माण रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। मई में, आईफोन निर्यात रिकॉर्ड 10 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया, इससे उस महीने में देश से कुल मोबाइल शिपमेंट 12 हजार करोड़ रुपये हो गया। प्रौद्योगिकी दिग्गज एप्पल द्वारा संचालित चालू वित्त वर्ष में भारत मोबाइल फोन निर्यात में 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपये को पार करने के लिए तैयार है। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में एप्पल की बाजार हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। एप्पल के सीएफओ लुका मेस्सी ने कहा कि कंपनी ने भारत में आईफोन के लिए सर्वकालिक राजस्व रिकॉर्ड बनाया है। कुक ने कहा, 'हमें यह रिपोर्ट करते हुए खुशी हो रही है कि जून तिमाही के दौरान सेवाओं में हमारे पास 1 अरब से अधिक भुगतान वाले सब्सक्रिप्शन के कारण सर्वकालिक राजस्व रिकॉर्ड है, और हमने उभरते बाजारों में आईफोन की बिक्री की लगातार तेजी देखी।'



श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़



क्योंकि रखा रखा किसान हमारे सबसे खुशहाल

राजीव गांधी किसान न्याय योजना

23.23 लाख किसानों को
18,208 करोड़ रु की आदान सहायता

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना

4.98 लाख हितग्राहियों को
476.67 करोड़ रु की
आर्थिक सहायता

गोधन न्याय योजना

ग्रामीणों, गौठान समितियों और
महिला स्व-सहायता समूहों को
430 करोड़ रु की राशि

छत्तीसगढ़ सरकार

भरोसे की सरकार

9,270
करोड़ रु
का अल्पकालीन
कृषि ऋण माफ

325
करोड़ रु
का सिंचाई कर
माफ

4,200
एकड़
आदिवासियों की
कृषि भूमि वापस

पहली बार
3 लाख
तक का
बिना ब्याज का
अल्पकालीन ऋण

10,400
करोड़ रु
की सिंचाई पर
बिजली बचत